शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 344 | गुवाहाटी | गुरुवार, 13 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

कछार में असम राइफल्स की छापेमारी में 2 करोड़ की हेरोइन बरामद, चार गिरफ्तार — पेज 3

प्रधानमंत्री 13-15 जुलाई तक फ्रांस और यूएई के दौरे पर — पेज 4

माफिया की पहचान रखने वाले मऊ में खुला रहा मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री — पेज 5

कई नदियों के तटबंध टूटे सीमावर्ती गांवों का संपर्क कटा — पेज 8

बाढ़ का कहर : राज्य में 133 गांवों के 58 हजार से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में बाढ़ की स्थिति पिछले कुछ दिनों से लगातार सामान्य होती जा रही थी, लेकिन एक बार फिर से बारिश में तेजी आने के बाद नए इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने बुधवार की शाम तक के आंकड़े जारी किए हैं। इसके तहत राज्य के 7 जिलों के 58 हजार 486 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में दिसांग नदी नंगलमुरघाट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कई नदियों के तटबंध टूटे गए हैं और सड़कों को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार बाढ़ प्रभावित 7 जिलों में बिश्वनाथ, चिरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, कोकराझाड़, लखीमपुर और तामुलपुर शामिल हैं। बाढ़ से 13 राजस्व सर्किल अंतर्गत 133 गांवों के 58 हजार 486 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 715.06 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 3 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं जबकि 35 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। चिरांग जिला में खोले गए राहत शिविरों में कुल 375 लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से कुल 67 हजार 761 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 46 हजार 863 और छोटे पशुओं की 19 हजार 783 है। जबकि 1 हजार 115 कुक्कुट -शेष पृष्ठ दो पर

अगले 24 घंटे में राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी (हि.स.)। मौसम विज्ञान ने राज्य के सभी जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। दो जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट भी जारी किया गया है। गुवाहाटी के बोरझार स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को चेतावनी -शेष पृष्ठ दो पर

साइबर अपराधों ने पूरी दुनिया में नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा किया : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सीमा विहीन डिजिटल मंच के विकास के साथ साइबर अपराध ने दुनियाभर के नागरिकों की सुरक्षा के लिए अहम खतरा पैदा किया है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से प्रभावी रूप से निपटने की कुंजी भरोसेमंद वैश्विक साझेदारी है। शाह नॉन फंजीबल टोकन (एनएफटी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर दो दिवसीय *जी-20 सम्मेलन* का गुरुवार को गुरुग्राम में उद्घाटन करेंगे। नॉन फंजीबल टोकन स्वामित्व सत्यापन का डिजिटल माध्यम है जो ब्लॉकचैन तक में काम करता है जबकि मेटावर्स वह तकनीक है जिसमें डिजिटल जगत में दिखाई देने वाले

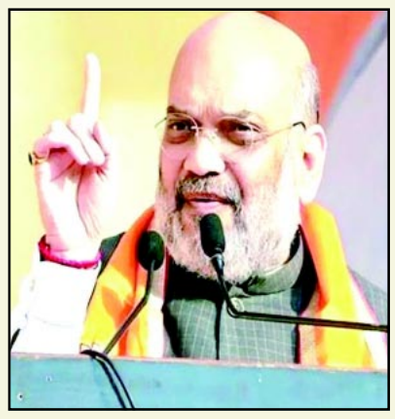

दृश्य वास्तविकता का अनुभव कराते हैं। इस सम्मेलन में जी-20 देशों, नौ विशेष आमंत्रित देशों, अंतर्राष्ट्रीय निकाय, भारत और दुनिया में प्रौद्योगिकी जगत के नेतृत्व करने वाले और विशेषज्ञ सहित कुल 900 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। शाह ने ट्वीट किया कि तेजी से बढ़ रहे सीमाविहीन डिजिटल जगत में साइबर अपराध खासतौर पर साइबर धोखाधड़ी पूरी दुनिया के नागरिकों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इस अपराध से प्रभावी तरीके से निपटने की कुंजी विश्वसनीय वैश्विक साझेदारी है। गृहमंत्री ने कहा कि साइबर सुरक्षा पर आयोजित जी-20 सम्मेलन में जी-20 देशों, नौ विशेष आमंत्रित देशों और इस क्षेत्र के -शेष पृष्ठ दो पर

यूरोपीय संसद में मणिपुर हिंसा पर होने जा रही है बहस

भारत ने कहा- यह हमारा आंतरिक मामला

नई दिल्ली। मणिपुर में जातीय हिंसा पर बुधवार को यूरोपीय संसद में बहस होने से पहले भारत ने ईयू को साफ संदेश दिया है और कहा कि यूरोपीय संघ सांसदों को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह देश का बिल्कुल आंतरिक मामला है। मणिपुर की स्थिति पर एक प्रस्ताव ब्रुसेल्स स्थित यूरोपीय संघ की संसद में पेश किया गया था और जिस पर बुधवार को

बहस की जानी है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि संबंधित यूरोपीय संघ के सांसदों से संपर्क किया और उन्हें यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह भारत का बिल्कुल आंतरिक मामला है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली को पता है कि ब्रुसेल्स में ईयू संसद में क्या हो रहा है। बता दें कि मणिपुर में करीब दो महीने से -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका की तुलना में भारत के अल्पसंख्यक ज्यादा सुरक्षित : नायडू

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने अमेरिका के वॉशिंगटन में अल्पसंख्यकों को लेकर बड़ा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में अल्पसंख्यक अमेरिका से भी ज्यादा सुरक्षित हैं। क्योंकि सेक्युलरिज्म (धर्मनिरपेक्षता) भारतीयों के खून में है। दरअसल नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन्स ने ग्रेटर वाशिंगटन डीसी में वेंकैया नायडू के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि अल्पसंख्यकों को लेकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने में वेस्टर्न मीडिया का एक धड़ा शामिल है। उन्होंने कहा कि मीडिया भी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का हिस्सा बन गया। वेंकैया नायडू ने कहा कि मैं सबको यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत में अल्पसंख्यक अमेरिका के मुकाबले -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

भंगोर में आईएसएफ समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प, तीन की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में मतगणना केंद्र के बाहर पुलिसकर्मियों और आईएसएफ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) समर्थकों के बीच हुई झड़प में तीन

लोगों की मौत हो गई और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। मृतकों में आईएसएफ के दो कार्यकर्ता शामिल हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दो मृत आईएसएफ समर्थकों की पहचान रेजाउल गाजी और हसन मोल्ला के रूप में की गई, जबकि -शेष पृष्ठ दो पर

बागेश्वर बाबा के दरबार में मची भगदड़, कई लोग बेहोश, बुजुर्ग और बच्चों को आई गंभीर चोटें

ग्रेटर नोएडा। बाबा बागेश्वर दरबार में भगदड़ मच गई है। बाबा के दरबार में आई भीड़ बेकाबू हो गई, जिसके कारण कई लोग बेहोश होकर गिर गए और कई लोगों को गंभीर चोटें भी आईं हैं। बाबा बागेश्वर दरबार का आयोजन में हुई भगदड़ भारी संख्या में बच्चे बुजुर्ग महिला ज्यादातर लोग हुए। पंडाल में कुछ लोगों को करंट लगा था, जिसके कारण वहां पर अफरातफरी मच गई। लोग करंट से बचने के लिए इधर-उधर भागे, जिसके कारण से भगदड़ मच गई। लोग इसके बाद बैरिकेड गेट को कूदकर

बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। इस बीच, पुलिस ने स्थिति को संभाला और लोगों को समझाबुझा कर शांत किया। बुधवार को सुबह दिव्य दरबार लगने से पहले ही तीनों पंडाल श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गए थे। इसके बाद भी श्रद्धालुओं का आना जारी रहा था। खाली मैदान में भी लोग डेरा जमाकर बैठ गए थे। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती देख पुलिसकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा था। श्रद्धालुओं को प्रवेश द्वार पर रोक दिया गया था। वीवीआईपी पास लेकर दिव्य दरबार में अपनी अर्जी लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं को प्रवेश न मिलने पर लोग पुलिसकर्मियों से उलझते दिखे। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
एक अकेला पहिया नहीं चला करता।
- आचार्य चाणक्य

स्वामी विवेकानंद पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले साधु को इस्कॉन ने किया प्रतिबंधित

कोलकाता (हि.स.)। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अपने भिक्षु अमोघ लीला दास को एक महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें एक महीने के लिए सार्वजनिक जीवन से खुद को अलग करने को कहा गया है। मछली खाने के लिए स्वामी विवेकानंद की आलोचना करने वाली साधु की टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में भारी विवाद पैदा कर दिया है। बंगाल में मछली न केवल बहुसंख्यक आबादी के आहार का एक अनिवार्य हिस्सा है बल्कि कुछ धार्मिक परंपराओं में देवताओं को भी इसे अर्पित किया जाता है। इस्कॉन ने अपने बयान में कहा कि इन प्रतिष्ठित हस्तियों के प्रति अमोघ लीला दास की अपमानजनक टिप्पणियां, मुख्य रूप से उनकी आहार संबंधी प्राथमिकताओं के उद्देश्य से, न केवल अपमानजनक हैं, बल्कि आध्यात्मिक पंथों और -शेष पृष्ठ दो पर

एलएटी से जुड़े आतंकियों के पांच मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर (हि.स.)। बडगाम से सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलएटी) से जुड़े आतंकियों के पांच मददगारों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षा बलों ने सहयोगियों के कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने सेना की 62वीं आरआर बटालियन के साथ मिलकर बडगाम जिले के खग इलाके से पांच आतंकियों के मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड : भारी बारिश से बद्रीनाथ हाइवे छह जगहों पर अवरुद्ध

गोपेश्वर (हि.स.)। उत्तराखंड के चमोली जिले में बुधवार की दोपहर बाद हुई भारी बारिश के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग छह जगहों पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर आने के कारण अवरुद्ध हो गया है। इस कारण यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ही रोक दिया गया है। भारी बारिश के कारण मार्ग को खोलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आज दोपहर बाद से जिले में लगातार भारी बारिश हो रही -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाना गलत : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के दायरे में शामिल कर दिया है। जिसको लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया है। कांग्रेस का कहना है कि ये नई अधिसूचना बिना विचार विमर्श के कैसे और क्यों आई। सरकार ने इस अधिसूचना को छिपा कर क्यों रखा था। इस मुद्दे को लेकर बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की। सिंघवी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

अल ईसा ने की पीएम मोदी की सराहना, कहा-

विकास पर तारीफ योग्य है उनका नजरिया

नई दिल्ली। पीएम मोदी से मुलाकात के एक दिन बाद मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव शेख मोहम्मद बिन अब्दुल करीम अल-ईसा ने समावेशी विकास के लिए प्रधानमंत्री के आर्थिक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने बताया कि वे उग्रवाद और नफरत के सभी पहलुओं का मुकाबला करने के लिए एक साथ काम करने के महत्व पर सहमत हुए हैं। दरअसल, भारत यात्रा पर आए मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव अल-ईसा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उनके बीच अंतर-धर्म सद्भाव, शांति और मानव प्रगति की

दिशा में काम करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा भी हुई। अल-ईसा ने बुधवार को ट्वीट कर बताया कि पीएम मोदी के साथ विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई, जिसमें मानव केंद्रित विकास को आगे बढ़ाने के तरीके व विश्वास और संस्कृति के अनुयायियों के बीच समझ और सद्भाव को बढ़ावा देने के महत्व शामिल हैं। मुस्लिम वर्ल्ड लीग महासचिव ने कहा कि मैं समावेशी विकास के प्रति महामहिम के भावपूर्ण दृष्टिकोण की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि उग्रवाद और नफरत के सभी पहलुओं का मुकाबला करने के लिए एक -शेष पृष्ठ दो पर

ईडी के नए निदेशक की खोज शुरू सर्च कमेटी की बैठक अगले हफ्ते

नई दिल्ली। ईडी के मौजूदा निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल 31 जुलाई तक सीमित करने के बाद नए निदेशक की खोज शुरू हो गई है। नए निदेशक की खोज के लिए सर्च कमेटी की बैठक अगले हफ्ते हो सकती है। माना जा रहा है कि नया निदेशक 1988 से 1992 बैच का कोई अधिकारी हो सकता है। ईडी निदेशक की खोज एक सर्च कमेटी करती है, जिसमें केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के साथ ही सभी सतर्कता आयुक्त सदस्य होते हैं। इसके अलावा भारत सरकार के गृह सचिव, कार्मिक सचिव और राजस्व सचिव भी कमेटी में होते हैं। चूंकि ईडी निदेशक आईएएस, आईपीएस और आईआरएस में से कोई भी हो सकता है। सर्च कमेटी इन सभी अधिकारियों का ट्रैक रिकॉर्ड -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

उफान पर यमुना, टूटा 45 साल का रिकॉर्ड, सीएम ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है। यमुना के पानी का स्तर 207.55 मीटर पर पहुंच गया है और इसी के साथ 45 साल का पुराना रिकॉर्ड भी टूट गया है। तटबंध टूटने से गढ़ी मांडू गांव डूबा, जैतपुर और मीठापुर भी डूबने के कगार पर है। दिल्ली पुलिस ने एहतियात के तौर पर दिल्ली के बाढ़ग्रस्त इलाकों में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी है। जानकारी के अनुसार लाल किला के पास पुराने लोहे के पुल से रेल और वाहनों का

परिचालन रोक दिया गया है। यमुना का पानी निचले इलाकों को पूरी तरह से अपने कब्जे में ले चुका है। यमुना में 1978 में जलस्तर सर्वाधिक था, जोकि 207.49 के करीब था। यमुना में बाढ़ के दौरान राहत और बचाव कार्य के लिए 45 नावें तैनात की गई हैं। यमुना के जल स्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति भयावह होती जा रही है। हालात की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज शाम चार बजे आला अफसरों की आपात बैठक बुलाई है।

कांग्रेस प्रमुख खरगे ने मसालों की बढ़ती कीमतों पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को मसालों की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जो लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं उन्हें उनके (पीएम मोदी) बयानों की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें (पीएम मोदी) अपने कर्तव्यों को पूरा करने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने जनवरी में मसालों की कीमतों की तुलना जुलाई की कीमतों से की। उन्होंने कीमतों को दिखाते हुए ट्विटर पर एक चार्ट शेयर किया। इसे शेयर करते हुए खरगे ने कहा अच्छे दिन, अमृत काल, कर्तव्य काल ...हर कुछ दिनों में बस मार्केटिंग के लिए नैरेटिव का नाम बदला जाता है। कभी काम नहीं बदलता! काम वही- जानलेवा महंगाई लागू कर, *लूट काल* में जनता की बचत पर डाका डालने की रोजाना चाल। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी महंगाई से जूझ रही जनता को आपके *वक्तव्य* की नहीं *कर्तव्य* निभाने की ज़रुरत है। साथ ही कांग्रेस ने सब्जियों और अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर केंद्र की आलोचना की है और इस मुद्दे के समाधान के लिए उनकी सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की है। पिछले हफ्ते, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक प्रेस कांफ्रेंस में टमाटर, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च की एक टोकरी रखी थी और कहा था कि यह एक अच्छा उपहार विकल्प हो सकता है, क्योंकि बढ़ती महंगाई के कारण इसकी कीमत 1,070 रुपए से अधिक है।

आग में लाखों की संपत्ति जलकर हुई राख

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के उदालबाक्रा में बीती देर रात (मंगलवार) को लगी भीषण आग के चलते अफरा तफरी मच गयी। इस हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आग एक टेंट हाउस से शुरू हुई। जिसमें टेंट हाउस जलकर राख हो गया। दमकल की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने में जुट गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। पुलिस इस संदर्भ में बशिष्ठ थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। वहीं आग कैसे लगी इसका भी पता नहीं चल सका है।

भारी बारिश के कारण उत्तर भारत जाने वाली कुछ ट्रेनें रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर भारत क्षेत्र के कई हिस्सों, विशेषकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा आदि राज्यों में लगातार खराब मौसम और भारी वर्षा ने उक्त क्षेत्रों में सामान्य ट्रेन सेवाओं को प्रभावित किया है। इसके मद्देनजर रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा पर विचार करते हुए उत्तर भारत की ओर जाने वाली कुछ ट्रेनों को पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) द्वारा रद्द किया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि पूसीरे ने श्रावणी मेले के लिए कुछ ट्रेनों का ठहराव कटिहार मंडल के मुकुरिया रेलवे स्टेशन पर दो मिनट के लिए लागू करने का भी निर्णय लिया है, जिससे बाबा गोरखनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। रद्द की गई ट्रेनों में 14 जुलाई को डिब्रूगढ़ से चंडीगढ़ को निर्धारित यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 15903 (डिब्रूगढ़-चंडीगढ़) एक्सप्रेस शामिल है। 16 जुलाई को गुवाहाटी से अपने गंतव्य उदयपुर को अपनी निर्धारित यात्रा करने वाली ट्रेन संख्या 05616 (गुवाहाटी-उदयपुर) समर स्पेशल

रद्द रहेगी। जिन ट्रेनों का मुकुरिया स्टेशन पर अस्थायी ठहराव किया गया है, उनमें ट्रेन संख्या 15719 कटिहार-सिलीगुड़ी और 15720 सिलीगुड़ी- कटिहार इंटरसिटी एक्सप्रेस 2 सितंबर तक मुकुरिया स्टेशन पर क्रमश: 06:51 बजे और 17:13 बजे पहुंचेगी तथा 06:53 बजे और 17:15 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 15463 बालुरघाट-सिलीगुड़ी और 15464 सिलीगुड़ी- बालुरघाट इंटरसिटी एक्सप्रेस 2 सितंबर तक मुकुरिया स्टेशन पर क्रमश: 15:27 बजे और 11:03 बजे पहुंचेगी तथा 15:29 बजे और 11:05 बजे प्रस्थान करेगी।

आमगुरी में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के आमगुरी में ट्रेन की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात महिला का शव रेलवे अधिकारियों ने सुबह जांजी पुल के पास देखा। महिला का शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिला। उसके दोनों पैर से कटे हुए थे। महिला की उम्र करीब 45 साल बताई जा रही है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि महिला किस ट्रेन की चपेट में आई है। महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शिवसागर अस्पताल भेज दिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार शव की पहचान के लिए शिवसागर अस्पताल के मुर्दाघर में 72 घंटे तक इसे रखा जाएगा।

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की हुई हत्या : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। पश्चिम बंगाल में संपन्न हुए पंचायत चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की हत्या हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की है। आज यहां पश्चिम बंगाल चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बंगाल में मतदान हुआ ही नहीं है। सिर्फ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोग ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके हैं। जिस किसी ने भी तृणमूल कांग्रेस का विरोध किया उसकी हत्या कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इतने छोटे से चुनाव में 37 लोगों की हुई हत्या से साफ जाहिर होता है कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं, बल्कि जंगलराज, गुंडाराज चलाया जा रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि ममता बनर्जी को असम से सीख लेनी चाहिए, जहां चुनाव के दौरान कोई हिंसा नहीं होती है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भारत लोकतंत्र का मंदिर है, इसलिए यहां हर कीमत पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर जिस प्रकार कब्जा करके तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने मतदान किया है और राजनीतिक हत्याएं सरेआम हुई है उसे देश के लोगों ने देखा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।

रेफ्रिजरेटर का कम्प्रेसर फटने से भीषण आग, दस की मौत

लाहौर (हि.स.)। पाकिस्तान के लाहौर में एक घर में रेफ्रिजरेटर का कम्प्रेसर फटने से भीषण आग लग गई। आग लगने से छह बच्चों सहित एक ही परिवार के 10 लोगों की जलकर मौत हो गई। परिवार का एक सदस्य कूदकर बचने में सफल हो सका। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर के भाटी गेट इलाके में बुधवार सुबह एक घर में रेफ्रिजरेटर का कंप्रेसर फट गया। इस दौरान घर में भीषण आग लग गई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। घर में जिस वक्त आग लगी, उस दौरान परिवार के 11 सदस्य घर में मौजूद थे। इसमें एक व्यक्ति और उसकी पत्नी, दो अन्य महिलाएं एवं छह बच्चे शामिल थे। छह बच्चों में एक सात महीने का शिशु भी था।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ का कहर : राज्य...

भी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव अभियान जारी है। लखीमपुर जिले में चार मेडिकल टीमों को तैनात किया गया है। बुधवार को बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें 620.21 क्विंटल चावल, 112.53 क्विंटल दाल, 23.87 क्विंटल नमक, 2330.58 लीटर सरसों का तेल, पशुओं के लिए गेहूं का चोकर 192.50 क्विंटल और चावल की भूसी 316.80 क्विंटल शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

अगले 24 घंटे ...

जारी कि अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के सभी जिलों में गरज के साथ बिजली चमकने तथा छिटपुट एवं मध्यम स्तर की बारिश होगी। मौसम विभाग ने दो जिलों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने कई जगह वज्रपात की भी आशंका जताई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि बारिश से कई स्थानों पर जलभराव होने से यातायात प्रभावित हो सकता है, जबकि नदियों में बाढ़ आ सकती है। बारिश के चलते बिजली आपूर्ति भी बाधित हो सकती है और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की भी आशंका है।

साइबर अपराधों ने ...

विशेषज्ञों के बीच सघन चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में साइबर सुरक्षा पर वैश्विक साझेदारी पर जोर दिया जाएगा जिससे साइबर सुरक्षा संबंधी चिंताओं का विस्तृत समाधान कर सुरक्षित साइबर जगत का रास्ता खुलेगा। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक शाह देश के सात प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं में साइबर स्वयंसेवक दस्तों की भी शुरुआत करेंगे। इसके अनुसार विशेष रूप से चिह्नित स्वयंसेवक समाज में साइबर सुरक्षा जागरूकता पैदा करने, हानिकारक सामग्री की पहचान कर उसकी सूचना देने और समाज को साइबर अपराध से सुरक्षित बनाने में तकनीकी सहायता करेंगे। बयान में कहा गया है कि शाह एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी करेंगे और *कांफ्रेंस मेडैलियन* जारी करेंगे। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री के मार्गदर्शन में साइबर-सुरक्षित भारत का निर्माण गृह मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। एक बयान के अनुसार, सम्मेलन की परिकल्पना सुरक्षित साइबरस्पेस बनाने और साइबर सुरक्षा चिंताओं को प्राथमिकता देने के लिए वैश्विक साझेदारी बनाने के अवसर के रूप में की गई है। इसमें कहा गया है कि सम्मेलन साइबर सुरक्षा और एनएफटी, एआई और मेटावर्स जैसी नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में साइबर अपराधों का मुकाबला करने के उपायों पर केंद्रित होगी। साइबर सुरक्षा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा-संबंधी मामलों का एक अनिवार्य पहलू बन गई है और इसके आर्थिक और भू-राजनीतिक निहितार्थों के कारण इस पर पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। बयान में कहा गया है कि जी-20 मंच साइबर सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिए जाने से महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे और डिजिटल सार्वजनिक मंच की सुरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। इसमें कहा गया है कि जी-20 मंच पर साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध की रोकथाम पर विचार-विमर्श से सूचना-साझाकरण ढांचे के विकास में भी मदद मिलेगी।

यूरोपीय संसद में ...

खासकर कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। विपक्षी दल सरकार पर हिंसा रोकने में नाकाम रहने का आरोप लगा रहे हैं। मणिपुर में तीन मई से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय झड़पें देखी जा रही हैं। हिंसा और आगजनी की व्यापक घटनाओं से राज्य में संकट गहराता जा रहा है। 140 से अधिक लोग मारे गए हैं और लगभग 60,000 लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं। विपक्षी दलों ने राज्यों में हिंसा को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए केंद्र और मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारों की आलोचना की है। उन्होंने राज्य का दौरा नहीं करने या वहां की स्थिति पर टिप्पणी नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की है।

भंगोर में आईएसएफ ...

एक अन्य मृतक व्यक्ति का नाम राजू मोल्ला था। उन्होंने बताया कि यह घटना मंगलवार देर रात हुई जब आईएसएफ के सदस्यों ने कोलकाता से लगभग 30 किलोमीटर दूर भंगोर में मतगणना केंद्र के बाहर कथित तौर पर बम फेंके और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कुछ राउंड रबर की गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। उन्होंने बताया, एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, उनके अंगरक्षक और कई अन्य पुलिसकर्मी और साथ ही आईएसएफ के कुछ कथित सदस्य झड़प में घायल हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना में कथित संलिप्तता के लिए कुछ लोगों को मौके से हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि आधी रात के करीब भांगोर स्थित मतगणना केंद्र के बाहर कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने हमारे साथियों को निशाना बनाकर बम फेंके। जवाबी कार्रवाई में और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमारे अधिकारियों ने लाठीचार्ज किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिसकर्मियों को कुछ राउंड आंसू गैस और रबर की गोलियां चलानी पड़ीं। अधिकारी ने कहा, घायल पुलिसकर्मियों और कई आईएसएफ समर्थकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। भंगोर में, खासकर मतगणना केंद्र के बाहर पुलिसकर्मियों की एक बड़ी टीम तैनात की गई है। पुलिसकर्मी ने कहा कि बुधवार सुबह भंगोर के कई इलाकों में देशी बम पाए गए। इसके बाद बम निरोधक दस्ते की एक टीम वहां पहुंची। दुकानें और बाजार बंद रहे क्योंकि स्थानीय लोगों ने घर के अंदर ही रहना पसंद किया। बता दें कि राज्य निर्वाचन आयोग के पंचायत चुनाव की घोषणा करने के बाद आठ जून से ही भंगोर में तनाव व्याप्त है। राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने दो बार हिंसा प्रभावित भंगोर का दौरा किया था और वहां चुनाव संबंधी हिंसा में मारे गए एक व्यक्ति के परिवार के सदस्यों और घायल लोगों से मुलाकात की थी। बोस मंगलवार को नई दिल्ली से लौटने के तुरंत बाद उस क्षेत्र में गए थे, मुख्य रूप से चुनाव मतगणना के संदर्भ में वहां की स्थिति को समझने के लिए। वहीं, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बुधवार को पश्चिम बंगाल में हिंसा से प्रभावित ग्रामीण चुनावों में भारी जीत की ओर बढ़ रही है। रात भर हुई मतपत्रों की गिनती में उसे राज्य चुनाव आयोग द्वारा अब तक घोषित परिणामों में अजेय बढ़त मिली है। पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को हुए पंचायत चुनाव में व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। मतदान के दौरान मत पेटियां लूटी गईं, मतपत्रों में आग लगायी गई और कई स्थानों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बम भी फेंके गए। इन 15 लोगों में से 11 तृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे। राज्य में आठ जून को चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद से हुई हिंसा में 33 लोगों की जान जा चुकी है।

बागेश्वर बाबा के ...

उमस भरी गर्मी से लोगों का बुरा हाल था। जगह न मिलने पर लोग पंडालों के भीतर ही आने-जाने वाले रास्ते में बैठ गए, जिसकी वजह से अव्यवस्था और फैल गई थी। हालत बिगड़ने पर लोग चाहकर भी पंडाल से बाहर नहीं निकल पा रहे थे, जिसके कारण लोगों के बीच धक्का-मुक्की हुई थी। मालूम हो कि जैसी ही लोगों को जानकारी मिली कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दरबार लगने वाला है हजारों की संख्या में लोग उनके दर्शन को पहुंच गए। इसके बाद भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस के पसीने छूट गए। वहीं भारी भीड़ की वजह से गर्मी और उमस ने लोगों की हालत खराब कर दी। इस वजह से लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी और कई श्रद्धालु बेहोश होकर गिरने लगे। पुलिस ने इसके बाद आयोजकों से कार्यक्रम को समाप्त करने की घोषणा की और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का कार्यक्रम समाप्त करना पड़ा। दरअसल आयोजकों की लापरवाही से व्यवस्था चरमराई और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। बता दें दिल्ली एनसीआर में इन दिनों बारिश हो रही है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इसी वजह से बुधवार को भी बारिश की संभावना के चलते दरबार वाली जगह में कोई फैन, कूलर वहां चल नहीं रहा था। इससे भारी भीड़ और उमस की वजह से पंडाल में आए कई लोगों की तबियत खराब हो गई। दरअसल आयोजकों ने भीड़ के लिए वैसे इंतजाम नहीं किए जिसकी अपेक्षा थी। इसी वजह से आयोजकों की लापरवाही का नुकसान लोगों को भुगतना पड़ा। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का दरबार 16 जुलाई तक लगेगा। ग्रेटर नोएडा में 14 जुलाई को सनातन धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिव्य दरबार के लिए बाबा बागेश्वर का सिंहासन सहारनपुर से आया है। वहीं कालीन जम्मू से मांगे गए हैं। धीरेंद्र शास्त्री के मंच को सजाने के लिए फूल वृंदावन से मंगाए गए हैं। इससे पहले ग्रेटर नोएडा में बागेश्वर बाबा की कथा में विवाद हुआ था। पंडाल में लगे निजी सुरक्षाकर्मियों पर आरोप है लगा कि उन्होंने लोगों के साथ मारपीट की।

अमेरिका की तुलना ...

काफी सुरक्षित हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि जब हम तुलना करेंगे कि भारत में क्या हो रहा है और दूसरे देशों में क्या चल रहा है। तब आप देखेंगे कि दूसरे देशों में किस तरह से लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। वेंकैया नायडू ने बताया कि भारत हमेशा से अपने अल्पसंख्यकों का सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखता है। उन्होंने कहा कि जिनको भारत में नहीं रहना था या जो पाकिस्तान जाना चाहते थे, वो पहले ही देश को छोड़कर जा चुके हैं। जो भारत में रहना चाहते थे वो यहां आजादी के पहले और उसके बाद भी रह रहे हैं। वहीं पूर्व राष्ट्रपति ने यहां कश्मीर को भारत का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश का अभिन्न अंग है। मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड शहर में पहला हिंदू मंदिर बनाने की मंजूरी मिल गई है। इसकी मंजूरी ऑक्सफोर्ड की नगर परिषद ने दी है। बताया जा रहा है कि यहां एक स्पोर्ट्स पवेलियन को हिंदू मंदिर में बदल दिया जाएगा। इसके साथ ही सामुदायिक केंद्र भी बनाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारतीय मूल की अमेरिकी गीता राव गुप्ता को अहम पद दिया है। गीता राव को विदेश मंत्रालय में महिलाओं से जुड़ी वैश्विक मुद्दों के लिए एंबेसडर एट लार्ज पद की शपथ दिलाई गई। इस पद के लिए चुनाव में सीनेट में उन्हें 47 के मुकाबले 51 मत मिले।

स्वामी विवेकानंद पर ...

व्यक्तिगत विकल्पों की विविधता के बारे में सजगता की कमी को भी दर्शाती हैं। ये कार्रवाइयां आपसी सम्मान, धार्मिक सहिष्णुता और सद्भाव के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर करती हैं जो एक शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि संगठन टिप्पणियों से दुखी है और कहा कि रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद भारतीय इतिहास और आध्यात्मिकता में अत्यधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। अमोघ लीला दास (43), जो इस्कॉन के द्वारका चैप्टर के उपाध्यक्ष हैं, दिल्ली के एक पंजाबी परिवार से हैं। उन्होंने एक सप्ताह पहले पानीहाटी में यह टिप्पणी की थी। उन्होंने न केवल स्वामी विवेकानंद की आलोचना की बल्कि रामकृष्ण परमहंस की जितने मत उतने पंथ पर भी सवाल उठाया था। इस पर उनकी चौतरफा आलोचना हो रही थी।

एलएटी से जुड़े ...

पहचान रऊफ अहमद वानी पुत्र अब्दुल मजीद वानी निवासी भटंगन खग, हिलाल अहमद मलिक पुत्र गुलाम हसन मलिक निवासी बथिपोरा खग, तौफीक अहमद डार पुत्र नजीर अहमद डार निवासी नवरोज बाबा खग, दानिश अहमद डार पुत्र मंजूर अहमद डार निवासी डार मोहल्ला नवरूढ़ बाबा खग और शौकत अली डार पुत्र अली मोहम्मद डार निवासी बठिपोरा खग के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि यह सभी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि आतंकियों के मददगारों के कब्जों से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। सभी बरामद सामग्रियों को आगे की जांच के लिए केस रिकॉर्ड में ले लिया गया है। इस संदर्भ में पुलिस स्टेशन खग में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला एफआईआर दर्ज किया गया है और जांच शुरू की गई है।

उत्तराखंड : भारी बारिश...

है, जिससे लोग बहुत डरे सहमे हुए हैं। जिला आपदा परिचालन केंद्र के अनुसार भारी बारिश के कारण बद्रीनाथ हाइवे पागल नाला, गुलाब कोटी, हेलंग, पीपलकोटी, छिनका, कंचनगंगा आदि स्थानों पर अवरुद्ध हो गया है। एहतियातन तीर्थयात्रियों को गौचर, कर्णप्रयाग, नंदप्रयाग आदि सुरक्षित स्थानों पर रोका जा रहा है। वर्चुअल पुलिस थाने के अनुसार भारी बारिश के कारण मार्ग खुलने की संभावना कम है। इसलिए यात्रियों को लाउडस्पीकर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर रोके जाने की अपील की जा रही है। बद्रीनाथ हाइवे पर छिनका में पहाड़ी से लगातार पत्थर और मलबा आता जा रहा है, जिससे यहां पर सड़क मार्ग खोलने में काफी दिक्कतें आ रही हैं।

विकास पर तारीफ ...

साथ काम करने के महत्व पर भी समझौता किया गया है। उनके स्रोत और कारण की परवाह किए बिना हमारी विविध दुनिया में शांति और समृद्धि केवल जागरूक और व्यापक नागरिकता के साथ हासिल की जा सकती है। अल ईसा ने बताया कि मैंने इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में अपने व्याख्यान में इस महत्वपूर्ण बैठक के विवरण के बारे में विस्तार से बताया, जो प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद किया गया था। इसमें मुस्लिम और गैर-मुस्लिम दोनों के वरिष्ठ विद्वानों ने भाग लिया था। इससे पहले एक ट्वीट में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने ट्वीट कर बताया था कि पीएम मोदी ने मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव और मुस्लिम विद्वानों के संगठन के अध्यक्ष शेख अल ईसा से मुलाकात की। उन्होंने विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की। साथ ही उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव शांति को आगे बढ़ाने और मानव प्रगति की दिशा में काम करने के लिए चर्चा भी की। बता दें कि मुस्लिम वर्ल्ड लीग (एमडब्ल्यूएल) एक अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय मक्का में है। इसमें सभी इस्लामी देशों और संप्रदायों के सदस्य शामिल हैं। इसका उद्देश्य इस्लाम और उसके सहिष्णु सिद्धांतों को पेश करना, मानवीय सहायता प्रदान करना और सभी के साथ संवाद व सहयोग की नीतियों का विस्तार करना शामिल हैं। इसके अलावा उग्रवाद, हिंसा और बहिष्कार का आह्वान करने वाले आंदोलनों को रोकना है।

ईडी के नए निदेशक ...

और आर्थिक अपराध की जांच में उनके पिछले अनुभवों को देखेगी। कार्मिक विभाग ऐसे सभी अधिकारियों की फाइल तैयार करने में जुट गया है। अगले हफ्ते में होने वाली बैठक में इनमें से लगभग एक दर्जन अधिकारियों की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद तीन अधिकारियों की अंतिम सूची नियुक्ति से संबंधित कैबिनेट कमेटी (एससीसी) को भेजी जाएगी। एससी उन्हीं में से किसी एक को नए निदेशक के लिए चुनेगा। नए निदेशक का पद सरकार के अतिरिक्त सचिव के स्तर का होता है। मौजूदा समय में केंद्र सरकार में 1997 तक के आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त सचिव बनाया जा चुका है। वहीं, आईपीएस में 1994 बैच तक के ही अधिकारी अतिरिक्त सचिव बने हैं। जबकि आईआरएस में 1991 बैच के अधिकारियों को अतिरिक्त सचिव का दर्जा मिल सका है। जानकारों की माने तो ईडी निदेशक के पद की जिम्मेदारी को देखते हुए किसी अनुभवी अधिकारी का ही इसके लिए चयन किया जाएगा। इसीलिए सर्च कमेटी अपनी खोज को 1988 से 1992 बैच के अधिकारियों तक सीमित कर दिया है। ध्यान देने की बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने फैसले में ईडी निदेशक की खोज करने वाली कमेटी को सरकारी हस्तक्षेप से मुक्त बताया था। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार केंद्रीय सतर्कता आयुक्त व अन्य सतर्कता आयुक्त की उपस्थिति सर्च कमेटी की स्वायत्तता सुनिश्चित करती है। केंद्रीय सतर्कता आयुक्त व अन्य सतर्कता आयुक्त के सरकार के दबाव में काम करने की कोई ठोस वजह नहीं है क्योंकि उन्हें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति को रेफरेंस और आरोपों के सत्यापन के बाद ही हटाया जा सकता है।

जीएसटी को पीएमएलए...

सरकार को बताना चाहिए कि जीएसटी को अचानक पीएमलए के दायरे में लाने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएमएलए में जीएसटी लगाकर सरकार छोटे व्यवसाय को नियंत्रित करना चाहती है। सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का कितना दुरुपयोग करती है। ये सब जानते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसकी अधिसूचना आखिर छिपा कर क्यों रखी गई। उन्होंने कहा कि नौ राज्यों ने इसका विरोध किया है, बावजूद इसके इसे लागू किया गया।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

चक्र बैठ योगी बने, बीज मन्त्र गहि लेय।
चक्र नष्ट आसन गिरे, अब कह रह गय ध्येय॥ 19॥

शब्दार्थ : (ध्येय) लक्ष्य (नष्ट) विनाश।

भाष्य : चक्र पर बैठकर बीजमंत्र को ग्रहण कर योग का साधन कर योगी बनने लगे और जब चक्र नष्ट हो जाने पर आसन गिर गया, तब अपना ध्येय साध्य कहां रह गया? अर्थात साधन-भूमि के नष्ट हो जाने पर ध्येय की आराधना कैसे हो सकती हैं? इसलिए प्रकृति-आधार पर चलने वाले सभी योग मन के मंडल में रंजन करते हैं। चेतन की प्राप्ति के लिए चेतन-आधार होना चाहिए। चेतन को चेतन प्राप्त करता है, जड़ चेतन पदार्थ को प्राप्त नहीं कर सकता। दो चेतन सजातीय वस्तु में ही सहज, स्वाभाविक संबंध होता है इसलिए आत्मा और परब्रह्म का चेतन सहज संबंध स्वाभाविक है।

अनहद में लौ लाय कर, मनमुख धोखे सन्त।
अनहद शून्य समाइया, तब फिर क्या गति अन्त॥ 20॥

शब्दार्थ : (अनहद) ब्रह्माण्डी क्षर शब्द (लव) प्रेम (मनमुख) मन से चलने वाला साधन (अन्त) अंतिम (गति) प्राप्ति, फल।

भाष्य : ब्रह्माण्डी अनहद सभी क्षर, नाशवान शब्द हैं जो प्रकृति-मंडल में कान द्वारा सुनाई पड़ते हैं इसलिए क्षर अनहदों में प्रेम लगाकर मनमुखी संत धोके में पड़े हुए हैं। अनहद जब अपने मूलकारण शून्य में लय हो जाएगा, तब फिर अंत में अपने लक्ष्य की प्राप्ति क्या होगी? इसलिए क्षर अनहदों को छोड़कर क्षर-अक्षरपार नि:अक्षर, परम पुरुष की प्राप्ति के लिए सद्गुरु के सहज योग का साधन करें जिससे आत्मा प्रकृतिपाश से छूटकर चेतन परमानंद का उपभोग करे।

श्रीरामपुर में जब्त लाखों रुपए की कोरियन सिगरेट, दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। प्रदेश के कोने-कोने में नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बीती रात पुलिस ने कोकराझाड़ जिला के श्रीरामपुर में नशा विरोधी अभियान चलाया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कोरियन सिगरेट जब्त किया है। कोरियाई सिगरेट को एक ट्रक (आरजे-47जीए-4238) के कंटेनर से जब्त किया गया। जब्त सिगरेट की बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गयी है। घटना के सिलसिले में ट्रक को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने इस संबंध में ट्रक के चालक एवं सह चालक दोनों गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए ड्राइवरों की पहचान राजस्थान निवासी जगेंद्र जोगी और बबलू योगी के रूप में हुई है। घटना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए पुलिस वाहन चालकों से पूछताछ कर रही है। शिमुलटापु थाना प्रभारी संजय कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने बीती रात श्रीरामपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 (सी) पर रोजाना के भांति नियमित तलाशी के दौरान एक कंटेनर ट्रक की जब तलाशी ली गई तो कंटेनर में बने गुप्त चेंबर से भारी मात्रा में कोरियाई सिगरेट बरामद किया। ज्ञात हो कि जब्त की गई विदेशी सिगरेट को असम के गुवाहाटी से राजस्थान ले जाया जा रहा था।

कछार में असम राइफल्स की छापेमारी में 2 करोड़ की हेरोइन बरामद, चार गिरफ्तार

कछार (हिंस)। दक्षिण असम के कछार जिला में असम राइफल्स द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान लगभग 2 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की गई है। हेरोइन तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम राइफल्स के संबंधित प्राधिकारी ने आज एक बयान में इस खबर की जानकारी दी। सूत्रों ने बताया है कि बीती रात अगरतला सेक्टर की असम राइफल्स की श्रीकोना बटालियन ने कछार जिले के लखीपुर उपखंड से 24 साबुनदानी में छिपाकर लाए गए लगभग 2 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन बरामद किए। साथ ही चार तस्करों को भी पकड़ा गया। बयान में यह भी बताया गया कि पिछले सोमवार को भी मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वे सभी तस्कर मणिपुर से असम तक ड्रग्स की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि बरामद नशीले पदार्थ और गिरफ्तार व्यक्तियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए राजस्व खुफिया निदेशालय को सौंप दिया गया है। स्वर्ण त्रिभुज के निकट होने के कारण पूर्वोत्तर में मादक पदार्थों की तस्करी चिंता का एक प्रमुख कारण है। असम राइफल्स, जिसे *पूर्वोत्तर का प्रहरी* कहा जाता है, ने नार्को-आतंकवाद के खिलाफ अपने प्रयास जारी रखे हैं। ड्रग्स क्षेत्र में उग्रवाद को बढ़ावा दे रहा है।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक की मौत से सनसनी

गुवाहाटी (हिंस)। नशा मुक्ति केंद्र में युवक की हुई मौत से गुवाहाटी में सनसनी फैल गई है। राजधानी के काहिलीपारा में आकार नामक नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में यह घटना घटित हुई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि तीन दिन पहले सेंटर में आए नवजीत कलिता नामक युवक की रहस्यमय तरीके से हुई मौत को लेकर व्यापक प्रतिक्रिया व्याप्त है। परिजनों को युवक की हत्या होने की आशंका है।

लगातार बारिश की वजह से चिरांग की सभी नदियां उफान पर

-20 से 25 गांव बाढ़ की चपेट में

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले में लगातार हो रही बारिश की वजह से सारी नदियां उफान पर हैं। जिसकी वजह से लगातार बाढ़ की स्थिति बानी हुई है। इस कड़ी में जिले के नांगलभंगा सहित चिरांग के 20-25 गांव फिर से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। पड़ोसी देश भूटान से पानी नीचे आने के कारण ऐंडी, नांगलभंगा और मकरा नदियों के जलस्तर में वृद्धि के कारण बाढ़ आई है।

भूखे को भोजन के तहत आहार वितरण कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। जरूरतमंदों को आहार प्रदान करने के अपने कार्यक्रम *भूखे को भोजन* कार्यक्रम के तहत लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 डी के *वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी* कार्यक्रम के तहत भांगागढ़ स्थित *गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल* के प्रांगण में आहार वितरण का कार्यक्रम संपन्न किया। क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका की अध्यक्षता में कार्यक्रम की संयोजिका लायन बबीता चौधरी सहित क्लब के सदस्यों ने भारी संख्या में भाग लेकर तकरीबन 350 जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। कार्यक्रम की सह संयोजिका लायन पूनम अग्रवाल और लायन रोमिल गग्गड़ सहित लायन ज्योति अग्रवाल, लायन अशोक अग्रवाल, लायन नीरु काबरा, लायन सुरेश गग्गड़, लायन रूपा गग्गड़ आदि सदस्यों ने उपस्थित होकर भरपूर सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।

पांडू बंदरगाह पहुंचा एमवी टाइडल वेव-4 जहाज

गुवाहाटी (हिंस)। नुमलीगढ़ रिफाइनरी क्षमता संवर्धन और विस्तार के परियोजना के लिए आवश्यक लगभग 700 मीट्रिक टन भारी वजन को लेकर कार्गो एमवी टाइडल वेव-4 आज (बुधवार) शाम को पांडू बंदरगाह पहुंचा। यह जहाज गत 6 जुलाई को भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल के तहत समुद्री रास्ते से होते हुए धुबड़ी पहुंचा था। जहां से इसने 2 नंबर राष्ट्रीय जलमार्ग अर्थात ब्रह्मपुत्र के रास्ते 7 जुलाई को पांडू की ओर अपनी यात्रा शुरू की थी। एमवी टाइडल वेव-4 जहाज 11 जून को कोलकाता के हेम नगर सीमा शुल्क प्वाइंट से रवाना हुआ और 4 जुलाई को भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल जलमार्ग पर शिलमारी सीमा शुल्क प्वाइंट में प्रवेश किया था। गुजरात की कृष्णा शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स कंपनी के स्वामित्व वाला यह जहाज बीते 6 जून को कोलकाता के डायमंड हार्बर बंदरगाह से रवाना हुआ था। इस अवसर पर पांडू पोर्ट के डायरेक्टर ए सिलवा कुमार ने कहा कि केंद्रीय बंदरगाह, जहाज एवं जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्बानंद सनोवाल ने जलमार्ग के माध्यम से यह एक नए बदलाव की शुरुआत की है।

सजल फाउंडेशन की मदद से ग्रामीणों ने बनाया बांस का पुल

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के सालफागुड़ी इलाके के सालफागुड़ी वीसीडीसी के अंतर्गत दो नंबर सालफागुड़ी गांव के बॉस के पुल निर्माण के लिए सजल फाउंडेशन ने 10, 000 रुपए की आर्थिक मदद दिया। इस ममद से ग्रामीणों ने बांस का पुल बनाकर तैयार किया। उक्त निर्माण पुल को देखने के लिए आज बीटीसी के एमसीएलए सजल सिंह ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी और बारिश में खराब हुए सड़कों के निर्माण के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने जल्द से जल्द सड़कों व पुलों को पक्कीकरण के लिए आश्वासन भी दिया।

पुलिस मुठभेड़ में ड्रग्स माफिया घायल

मोरीगांव (हिंस)। पुलिस की गोली से एक ड्रग्स माफिया घायल हो गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मोरीगांव के जिले के धरमतुल पुलिस की गोली से ड्रग्स तस्कर घायल हुआ है। पुलि सूत्रों ने आज बताया है कि बीते कल गिरफ्तार मोफिजुल हक नामक ड्रग्स माफिया के पास से पुलिस एसटीएफ की एक टीम ने 1.5 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की थी। पुलिस ने 145 साबुनदारी में सप्लाई किए गए ड्रग्स को जब्त करने के तुरंत बाद अन्य आरोपितों को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया था। इसी कड़ी में बीती रात को मोफिजुल को लेकर पुलिस टीम अभियान चलाने के लिए निकली थी। बीच रास्ते में ड्रग्स माफिया मोफिजुल पुलिस पर हमला कर हथियार लेकर भागने की कोशिश करने लगा। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने फायरिंग की। पुलिस की दो गोलियां लगने से आरोपी घायल हो गया। फरार होने की कोशिश में मोफिजुल ने हमला कर इंद्रजीत गोगोई नामक एक पुलिस कांस्टेबल को घायल कर दिया। इलाज के लिए ड्रग्स माफिया और पुलिस कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ड्रग्स के धंधे में शामिल अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

दरंग में अवैध रूप से यूरिया खाद ले जा रहा ट्रक जब्त

दरंग (हिंस)। वर्तमान में सरकार शाली धान सीजन में किसानों की मांग के अनुसार यूरिया खाद की आपूर्ति कर रही है। असम सरकार के निर्देशों के अनुसार यूरिया उर्वरक की बाजार में सीधे बिक्री को रोक दिया गया है। असम कृषि उत्पाद विपणन बोर्ड के माध्यम से खुदरा विक्रेताओं को यूरिया उर्वरक की आपूर्ति की जा रही है। डीलरों द्वारा आधार कार्ड के माध्यम से किसानों को सस्ती कीमतों पर यूरिया उर्वरकों की आपूर्ति करने की व्यवस्था की गई है। लेकिन, ऐसा न करते हुए, कुछ डीलर कुछ दुकानदारों को गुप्त रूप से यूरिया उर्वरक बेच रहे हैं, जो अवैध हैं। इनके पास बेचने की आईडी नहीं है। पुलिस ने आज बताया कि दलगांव थाना पुलिस

ने बीती रात (मंगलवार) करीब 443 बोरियों में यूरिया से भरा एक ट्रक जब्त किया। ट्रक चालक के अनुसार, खारुपेटिया के रहमान एग्रो नामक एजेंसी को प्राप्त यूरिया खाद का आधा हिस्सा खारुपेटिया में डंप नहीं किया गया था और बाकी दलगांव थाना अंतर्गत सियालमारी बाजार क्षेत्र में एक व्यवसायी को देने के लिए ले जाया गया था। गौरतलब है कि खारुपेटिया डीलरों को आवंटित यूरिया उर्वरक कैसे सियालमारी बाजार में पहुंच रहा है। असली रहस्य का खुलासा कृषि विभाग के साथ-साथ पुलिस की जांच के बाद ही होगा। विदित हो कि दरंग जिले के खारुपेटिया में सफेद खाद का जमकर काला कारोबार चल रहा है। खारुपेटिया में दो दिन पहले पुलिस ने बड़ी मात्रा में नकली खाद जब्त कर नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्री को खाली कराया था। कृषि क्षेत्र खारुपेटिया में कुछ खाद कारोबारियों पर किसानों को ठगने के लिए नकली खाद, नकली बीज के साथ-साथ नकली यूरिया खाद चलाने का आरोप लग रहा है।

नगांव में हेरोइन समेत तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव पुलिस ने हेरोइन की तस्करी में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि नगांव थाने की पुलिस टीम ने जाजोरी थानांतर्गत बालुगुटी और बोगुरीगुड़ी में छापेमारी करते हुए मोहम्मद इब्राहिम अली नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से कुल 12 साबुनदानी बरामद किए, जिनमें 147 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद किया गया। घटना के संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भास्कर रंजन दास को अखिल भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष का पद संभालने पर सम्मानित

गुवाहाटी। असम तैराकी संघ के महासचिव के रूप में कार्य करने वाले भास्कर रंजन दास के मजबूत नेतृत्व में असम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तैराक पैदा करने में सक्षम हुआ है। भास्कर रंजन दास को हाल ही में संपन्न अखिल भारतीय तैराकी महासंघ की बैठक में अखिल भारतीय तैराकी महासंघ उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया है। असम तैराकी संघ के अध्यक्ष रंजीत बोरगोहाई की अध्यक्षता में 30वीं असम एक्वाटिक चैंपियनशिप असम तैराकी संघ की ओर से औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष पद पर आसीन भास्कर रंजन दास को नलबाड़ी, तेजपुर, कामरूप, बजाली, शिवसागर, डिब्रूगढ़ सहित हर जिले के अधिकारियों ने मनपत्र, फुलाम गामोछा और जापी देकर सम्मानित किया। इससे पहले 30वीं असम एक्वाटिक चैंपियनशिप के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में

असम की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गारलोसा ने खेल संगठक भास्कर रंजन दास के प्रयासों की बहुत सराहना की। भास्कर रंजन दास के कार्यकाल के दौरान असम भारतीय तैराकी की दुनिया में सबसे मजबूत रूप में उभरा। असम की शिवांगी शर्मा ने एशियाई खेलों में जगह बना ली है। इसी तरह आस्था चौधरी, विक्रम संगमाइ, जाह्नवी कश्यप और अन्य उभरते राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तैराकी में पदक जीतकर असम और भारत में खेल की दुनिया का नाम रोशन करने में सक्षम रहे हैं। भास्कर रंजन दास का नवीनतम प्रयास डाइविंग, वाटर पोलो गेम्स है। नतीजतन, असम के जल क्रीड़ा जगत के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा विकसित करने के लिए नयी अवसर मिले हैं।

राज्यभर में महंगाई को लेकर एआईपीसी के अध्यक्ष ने जताई चिंता

गुवाहाटी (विभास)। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआईपीसी) असम राज्य इकाई ने असम में सब्जियों की कीमतों और मुद्रास्फीति में खतरनाक वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बढ़ती लागत आम लोगों पर अत्यधिक बोझ डाल रही है, जो पहले से ही असम में भीषण बाढ़ के कारण बढ़ी आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए राज्य कांग्रेस सचिव और एआईपीसी असम राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव सोमानी ने कहा कि असम सरकार की नाकामी इस मामले में स्पष्ट दिख रही है। उनके पास किसानों और उद्यानिकाओं के हितों की रक्षा के लिए कार्यक्रम नहीं हैं। उन्होंने कोई ऐसी प्रभावी कार्रवाई नहीं की है, जो कीमतों को संतुष्टिग्रस्त रख सके और फल और सब्जियों के सामान्य लोगों के लिए सुलभ बना सके। इसके परिणामस्वरूप, असम के लोगों को अत्यधिक आर्थिक कष्ट का सामना करना पड़ रहा है। इस परिस्थिति को देखते हुए हम असम सरकार से निवेदन करते हैं कि वे तत्परता से इस मुद्दे पर ध्यान दें और जनता के हित में कार्यवाही करें। इसके अलावा, परिवहन व्यवधानों को दूर करने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने में भाजपा सरकार की विफलता ने इस मुद्दे को और भी खराब कर दिया है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक सब्जियों की आवाजाही गंभीर रूप से बाधित हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप आपूर्ति सीमित हो गई है और कीमतें आसमान छू रही हैं। कांग्रेस नेता सोमानी ने कहा कि सरकार को स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए और प्रभावित आबादी को राहत देने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। विपक्षी दल सत्तारूढ़ सरकार से आह्वान करता है - किसानों के पुनर्वास के लिए एक व्यापक योजना विकसित करें और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण फसल क्षति से उबरने के लिए उन्हें आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करें। खेतों से बाजारों तक सब्जियों की सुचारू आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार करें।

पिकअप वैन के साथ 17 गाय जब्त, दो गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। जिले के गोलकगंज के हालाकुरा में एक बोलेरो पिकअप वैन (एएस-17सी-5111) के साथ 17 गायों को जब्त कर लिया गया है। इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालाकुरा पुलिस ने उन्हें उस समय गिरफ्तार किया जब वे पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से भीतरी रास्तों से होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पकड़कर गौरीपुर की ओर जा रहे थे। हालाकुरा पुलिस चौकी के सहायक उप निरीक्षक के नेतृत्व में सोनाखुली में राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर चलाए गए अभियान के दौरान गाय के साथ बोलेरो पिकअप वैन को जब्त किया गया। हिरासत में लिए गए दोनों लोगों की पहचान आमिर हुसैन और आयनाल हक के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों का घर धुबड़ी जिला के फलीमारी में है। इस बीच, जब्त की गई 17 गायों में से दो की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

No-PHEE/MRG/JJM-110/2023-24/957

ADVERTISEMENT NOTICE

(For Laboratory Assistant under Jal Jeevan Mission, Morigaon)

In compliance to the Mission Director, JJM, Assam letter Memo No. JJMA-01/HRD/2020/1414 dtd. 15-06-2023, the O/o the Executive Engineer (PHE) cum Member Secretary, DWSM, JJM, Assam Morigaon Division, Morigaon invites application from eligible Indian citizens for Walk In Interview to fill up the below mentioned posts as per terms and condition mentioned :

Name of Post	Remuneration in Rs. Per Month	Required Qualification & Age	Date & Time of Walk-in Interview	Venue
Laboratory Assistant No of Posts : 2 nos	Rs.15,000.00 (Rupees Fifteen Thousand) only	1) Higher Secondary or 10+2 in Science Stream with Chemistry as one of the subject from recognised Board/ University/Institute. 2) Minimum age is 18 years and maximum age is 38 years as on 01-08-2022.	Date :- 17-07-2023 Time :- 11:00 A.M.	Office of the District Mission Director, JJM, cum Executive Engineer(PHE), Morigaon Division, Morigaon.

For further details, please visit the website of Jal Jeevan Mission, Assam.
URL: https://jjmassam.in/index.php/main/pg/Recruitment

Terms and Conditions:

1) The engagement for both the post is purely contractual.
2) The contract period of the above mentioned post, that is, Laboratory Assistant, is for a period of 11 (Eleven) months. The services may be extended based on performance appraisal of the incumbent from the date of the joining subject to the terms and conditions.
3) The applicant should attend the Walk-In-Interview on 17 July,2023 with their Bio data supported by the original testimonials along with self attested copies and submit it to the office on the date of the interview for verification.
4) No TA/DA would be admissible to the candidates for appearing in the Walk-In-Interview.

Executive Engineer (PHE) cum District Mission Director, JJM Morigaon Division, Morigaon

-- Janasanyog /D/ 6686 / 23

असम पुलिस ने डकैतों के गिरोह का किया भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में पुलिस ने डकैतों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है और छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम के करीमगंज जिले में मंगलवार को एक ऑपरेशन के दौरान तसरूफ अली, असब उद्दीन, मनीर अली, नुरुल हक, खैरुल इस्लाम और अब्दुल लतीफ को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली कि डकैतों का गिरोह एक *महत्वपूर्ण डकैती* करने की योजना बना रहा है। उनके पास से कई सामान मिले। बरामद सामानों में चार जिंदा कारतूस, एक घरेलू पिस्तौल और अन्य सामग्रियां शामिल हैं।वे कथित तौर पर कई डकैतियों में शामिल थे।

राउंड टेबल इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संभाला पदभार

गुवाहाटी (विभास)। गैर सरकारी संस्था राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इस बार रॉबिन अग्रवाल ने कार्यभार संभाला। 62 वर्षों में संगठन की स्थापना के बाद से यह पहला मौका है जब पूर्वोत्तर भारत से किसी ने राउंड टेबल इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कमान सभाली। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अलावा देश भर से 300 से अधिक सदस्य उपस्थित थे। राउंड टेबल इंडिया वंचित बच्चों को शिक्षित करने के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है और इस संस्था ने विभिन्न अन्य धर्मार्थ गतिविधियों के अलावा, पिछले 25 वर्षों में भारत भर में 8600 से अधिक कक्षाओं का निर्माण किया है। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता शिशिर शर्मा को क्रमश: ब्रांड एंबेसडर तथा मोटिवेशनल स्पीकर व लाइफ कोच आशना धानुका को राउंड टेबल इंडिया का यूथ ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। राउंड टेबल इंडिया की सहयोगी महिला संस्था लेडीज सर्कल इंडिया (एलसीआई) की राष्ट्रीय अध्यक्ष आंचल खुल्लर से नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष चेरिल

संतोष ने भी पदभार ग्रहण किया। आरटीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रॉबिन अग्रवाल व एलसीआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष चेरिल संतोष दोनों ने सत्र 2023-24 के लिए अपनी-अपनी टीमों की घोषणा करते हुए सेवा कार्यों को जारी रखने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का आयोजन आदित्य अग्रवाल के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा शानदार तरीके से किया गया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री 13-15 जुलाई तक फ्रांस और यूएई के दौरे पर

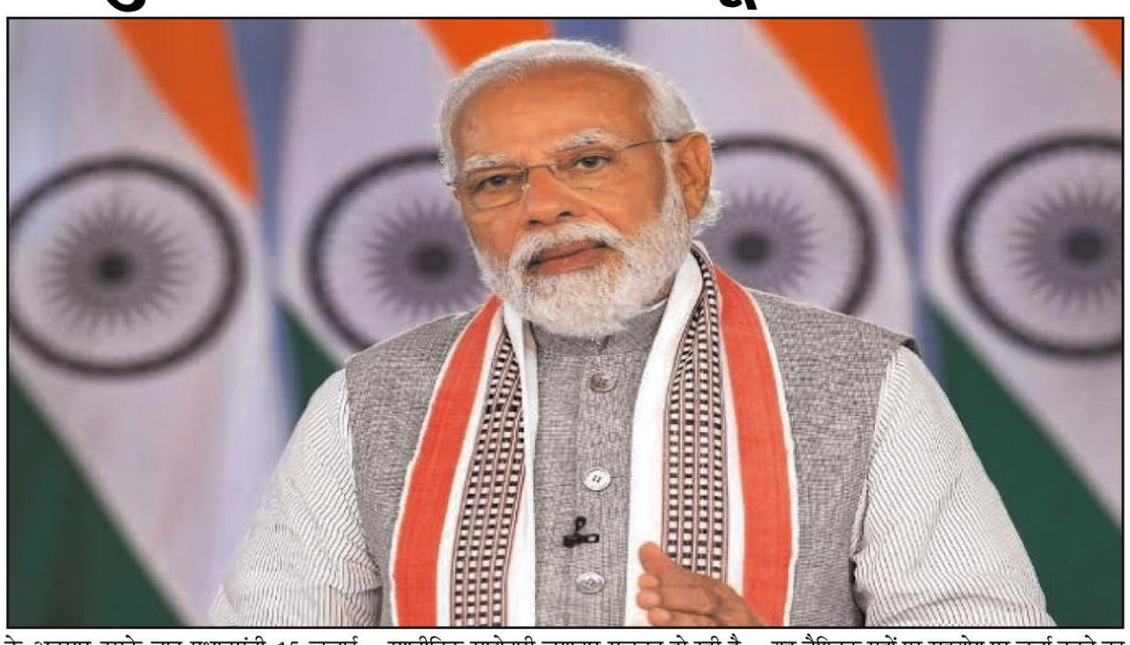

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-15 जुलाई तक फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 13-14 जुलाई तक पेरिस का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री 14 जुलाई को बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि होंगे, जहां भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं की टुकड़ी भाग लेंगी। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मैक्रों से औपचारिक बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति मैक्रों प्रधानमंत्री के सम्मान में एक राजकीय भोज के साथ-साथ एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। प्रधानमंत्री का फ्रांस के प्रधानमंत्री के साथ-साथ फ्रांस की सीनेट और नेशनल असेंबली के अध्यक्षों से भी मिलने का कार्यक्रम है। वह फ्रांस में भारतीय प्रवासियों, भारतीय और फ्रांसीसी कंपनियों के सीईओ और प्रमुख फ्रांसीसी हस्तियों के साथ अलग से बातचीत करेंगे। इस वर्ष भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ है। इसके मद्देनजर प्रधानमंत्री की यात्रा रणनीतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य के लिए साझेदारी की रूपरेखा तैयार करने का अवसर प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार इसके बाद प्रधानमंत्री 15 जुलाई को अबू धाबी का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बातचीत करेंगे। भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है और प्रधानमंत्री की यात्रा ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य सुरक्षा, फिनटेक, रक्षा और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इसे आगे बढ़ाने के तरीकों की पहचान करने का अवसर होगी। यह वैश्विक मुद्दों पर सहयोग पर चर्चा करने का भी अवसर होगा, विशेष रूप से यूएनएफसीसीसी के सीओपी-28 में यूएई की अध्यक्षता और भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी के संदर्भ में, जिसमें यूएई एक विशेष आमंत्रित सदस्य है।

मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इस्सा ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर आए डॉ. अल-इस्सा का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत सहिष्णु मूल्यों, चेतना के संयम और अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा देने में मुस्लिम विश्व लीग की भूमिका और उद्देश्यों की सराहना करता है। उन्होंने कहा कि भारत एक बहु-सांस्कृतिक, बहुभाषी, बहु-जातीय और बहु-धार्मिक समाज के रूप में विविधता में एकता का जश्न मनाता है। हमारे 20 करोड़ से अधिक भारतीय मुस्लिम भाई-बहन हमें दुनिया में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सऊदी अरब के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है। दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर आधारित सौहार्द्रपूर्ण संबंधों का एक लंबा इतिहास है। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों के पास दुनिया के साथ साझा करने के लिए मूल्यवान शिक्षाएं हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और सऊदी अरब दोनों आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ "शून्य सहिष्णुता" का आह्वान कर रहे हैं। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है और यह केवल उदारवादी विचारधारा के साथ जुड़कर ही संभव है। राष्ट्रपति ने उग्रवाद, आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ डॉ. अल-इस्सा के रुख की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी भारत यात्रा मुस्लिम विश्व लीग के साथ सहयोग के लिए और अधिक अवसर प्रदान करेगी।

केंद्र सरकार 14 जुलाई से दिल्ली-एनसीआर में बेचेगी सस्ता टमाटर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों को राहत देने वाली की खबर है। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में रियायती दरों पर टमाटर बेचने का फैसला किया है। खुदरा बाजार में टमाटर का भाव 180 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में शुक्रवार से खुदरा दुकानों के जरिए कम दरों पर उपभोक्ताओं को टमाटर दिए जाएंगे। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ को आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के थोक मंडियों से टमाटर खरीदने और प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों के माध्यम से वितरित करने का निर्देश दिया है। बयान के मुताबिक उपभोक्ता मामलों के विभाग को टमाटर के बढ़ते खुदरा मूल्य पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख उपभोग केंद्रों में वितरण के लिए आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से टमाटर की खरीदने का निर्देश दिया गया है। सरकारी एजेंसी नेफेड इन राज्यों के मंडियों से टमाटर की खरीदारी करेगी। इसको दिल्ली-एनसीआर क्षेत्रों सहित अनुपलब्धता वाले इलाकों में उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर वितरित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारी बारिश की वजह से देश के अधिकांश हिस्सों में टमाटर की कीमत बढ़कर 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। थोक मंडियों में इसके भाव 150 रुपये से 180 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने माहरा से उत्तराखण्ड के आपदाग्रस्त क्षेत्रों की ली जानकारी

देहरादून, (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा से दूरभाष पर बातचीत कर उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और आपदा प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी ली। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन और प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि आज मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा से दूरभाष पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारी बरसात के कारण उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में आई दैवीय आपदा की जानकारी ली। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकताओं से पीडितों की सहायता के निर्देश दिये। खडगे ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माहरा से चर्चा करते हुए कांग्रेस कार्यकताओं से आपदाग्रस्त क्षेत्र के लोगों की हर संभव सहायता का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी इस आपदा की घडी में पीड़ित और प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। प्रदेश अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को राज्य की स्थिति की पूरी जानकारी दी। उन्होंने ने यह भी बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी जिला और महानगर अध्यक्षों से दूरभाष पर वार्ता कर प्रदेशभर में बरसात के चलते दैवीय आपदा से हुए नुकसान की जानकारी ली। जोशी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बरसात के कारण आई दैवीय आपदा से हुए जानमाल के नुकसान पर चिन्ता प्रकट करते हुए क हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री ने नेपाल के प्रधानमंत्री की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की पत्नी सीता दाहाल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और नेपाल के प्रधानमंत्री के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ट्वीट किया; ह्यश्रीमती सीता दाहाल के निधन के बारे में जानकर बेहद दुख हुआ। मैं पुष्प कमल दाहाल प्रचंड के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शाश्वत शांति मिले। ॐ शांति।"

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को सजा दिलाने वाले पूर्णेश मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की कैविएट

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। मोदी सरनेम को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराने वाले पूर्णेश मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की है। पूर्णेश मोदी ने कोर्ट से मांग की है कि अगर दोषी ठहराए जाने वाले फैसले पर रोक की मांग को लेकर राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हैं तो कोर्ट बिना उनका पक्ष सुने कोई एकतरफा आदेश पास न करे। उल्लेखनीय है कि गुजरात हाई कोर्ट ने मोदी सरनेम के मामले में निचली अदालत द्वारा दोषी करार देने के आदेश को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दी थी। निचली अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाने के बाद उनकी संसद सदस्यता चली गई थी।

आरोपित पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को पांच मामलों में जमानत

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगे के आरोपित ताहिर हुसैन को पांच मामलों में जमानत दी है। जस्टिस अनीश दयाल ने जमानत देने का आदेश दिया। ताहिर हुसैन को दिल्ली दंगों के पांच मामलों में जमानत मिली है लेकिन वो जेल से बाहर नहीं निकल सकेगा क्योंकि दिल्ली दंगों की साजिश रचने और दूसरे मामलों में एफआईआर दर्ज है जिसमें वो जेल में बंद है। बता दें कि 21 अगस्त 2020 को कड़कड़डूमा कोर्ट ने ताहिर हुसैन के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज एफआईआर में दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। चार्जशीट में ताहिर हुसैन समेत 15 लोगों को आरोपित बनाया गया है। चार्जशीट में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया है। करीब 1700 पन्नों की चार्जशीट में पार्षद ताहिर हुसैन के भाई शाह आलम समेत 15 लोगों को आरोपित बनाया गया है। क्राइम ब्रांच ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि हिंसा के वक्त आरोपित ताहिर हुसैन अपनी छत पर था। ताहिर हुसैन पर हिंसा की साजिश रचने का आरोप है। चार्जशीट में कहा गया है कि हिंसा कराने के लिए ताहिर हुसैन ने एक करोड़ 30 लाख रुपये खर्च किए थे। ताहिर हुसैन के खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी दर्ज किया है। ताहिर हुसैन के खिलाफ धोखाधड़ी, फजीर्वाड़ा और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। ईडी ने कई स्थानों पर छापा मारा जिसमें कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस मिले। ताहिर हुसैन के पास से व्हाट्स ऐप चैट, फर्जी बिल बरामद किए गए। ईडी ने कहा है कि ताहिर हुसैन ने आपराधिक साजिश रचते हुए कई कंपनियों के खाते से पैसे ट्रांसफर किए। इन पैसों से अपराध को अंजाम दिया गया।

शिमला जिला के रामपुर में हाइवे धंसा, गुजर रहे कार सवार चार लोग सतलुज नदी में समा गए

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा से भूस्खलन और सड़कें ध्वस्त होने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। वर्षा जनित हादसों में जानमाल की क्षति हो रही है। शिमला जिला के रामपुर उपमंडल में मंगलवार रात नोगली में एनएच-पांच धंसने से ऑल्टो कार (एचपी 06-0469) उफनती सतलुज नदी में जा गिरी। नदी के तेज बहाव में समाई कार का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। इस कार में एक परिवार के चार सदस्य हैं। इसकी पुष्टि रामपुर की डीएसपी शिवानी मेहला ने की है। पुलिस के अनुसार सतलुज नदी उफान पर है। न तो कार दिखाई दे रही और न ही उसमें सवार लोग। यह लोग ननखड़ी तहसील के लाहडु गांव के रहने वाले थे। इनमें राजीव (33) पुत्र लायक राम, मेहर सिंह (30) पुत्र ईश्वरदास, शीतला देवी (32) पत्नी मेहर सिंह और सुंदला देवी (56) पत्नी लायक राम शामिल हैं। सुंदला देवी की तबीयत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल खनेरी लेकर जा रहे थे। इस बीच सभी हादसे का शिकार हो गए। डीएसपी शिवानी मेहला के मुताबिक राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के साथ पुलिस मौके पर है। सतलुज का जलस्तर अधिक होने से बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने 24 जून को प्रदेश में दस्तक दी थी। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून सीजन के 18 दिनों में प्रदेश भर में वर्षाजनित हादसों में 80 लोगों की मौत हो चुकी है। 92 लोग घायल हुए हैं और 12 लोग अभी लापता हैं। भूस्खलन, बाढ़ व बादल फटने की घटनाओं में 26 लोग मारे गए हैं। सड़क दुर्घटनाओं समेत अन्य वर्षा जनित हादसों में 70 लोगों की मौत हुई। शिमला में सबसे ज्यादा 17 लोगों की मौत हुई। कुल्लू में 16, चम्बा में सात, हमीरपुर में चार, सिरमौर में तीन, बिलासपुर, किन्नौर, मंडी और सोलन में दो-दो और ऊना जिला में एक मौत हुई है। इसके अलावा सड़क हादसों में 24 लोगों की जान गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को करेंगी बाबा खाटूश्याम के दर्शन

सीकर, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 जुलाई (शुक्रवार) को सीकर के विश्व प्रसिद्ध बाबा खाटूश्याम मंदिर में दर्शन करने आएंगी। बुधवार को खाटू ग्राम में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर वायुसेना के तीन हेलीकॉप्टरों का ट्रायल किया गया। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए मंगलवार को खाटू ग्राम में केंद्रीय एजेंसियों के दल ने दौरा कर जिला प्रशासन के साथ तैयारियों का जायजा लिया। राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे को लेकर जारी अधिकृत कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार दोपहर 01 बजे हेलीकाप्टर से वे खाटूग्राम पहुंचेगी। दोपहर डेढ़ बजे लखदातार बाबा श्याम मंदिर में दर्शन और आरती कर प्रसाद ग्रहण करेंगी। करीब सवा 03 बजे राष्ट्रपति मुर्मू खाटू से प्रस्थान करेंगी। जिला प्रशासन के अनुसार राष्ट्रपति के दौरे की व्यवस्थाएं प्रोटोकॉल के अनुसार होगी। इसके लिए खाटू में ग्रीनहाउस भी डवलप किए गए हैं। दौरे के दौरान पुलिस के राज्यस्तरीय अधिकारियों के साथ करीब एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

अमरनाथ यात्राः कड़ी सुरक्षा के बीच 7,800 से अधिक श्रद्धालुओं का 10वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, (हि.स.)। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार को 7,800 से अधिक श्रद्धालुओं का 10वां जत्था जम्मू आधार शिविर से कश्मीर के जुड़वां आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। यह अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए जम्मू से जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा जत्था है। बुधवार सुबह 7,805 श्रद्धालु 339 वाहनों के काफिले में जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हुए। 4,677 श्रद्धालु 207 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए गए और 3,128 श्रद्धालु 132 वाहनों के काफिले में बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए हैं। इसके साथ ही 30 जून से अब तक 56,303 श्रद्धालु जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना कर चुके हैं। इसी बीच 1 जुलाई से अब तक कुल 1,37,353 श्रद्धालु अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि 8 और 9 जुलाई को लगातार बारिश के कारण राजमार्ग को अभूतपूर्व क्षति हुई, विशेषकर रामबन जिले में एक हिस्से को जिससे इसे बंद करना पड़ा। रामबन में मरम्मत के लिए जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने के कारण तीन दिनों तक निलंबित रहने के बाद यात्रा 11 जुलाई दोपहर को जम्मू आधार शिविर से फिर से शुरू हुई थी।

दिल्ली हिंसा के आरोपित उमर खालिद की जमानत पर सुनवाई 24 जुलाई के लिए मुल्तवी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हिंसा के आरोपित उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 24 जुलाई को करने का आदेश दिया। 18 मई को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। इससे पहले 18 अक्टूबर, 2022 को दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा दिसंबर 2019 और फरवरी 2020 के बीच हुई बैठकों का नतीजा थी, जिनमें उमर खालिद भी शामिल हुआ था। हाई कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद का नाम साजिश की शुरूआत से लेकर दंगा होने तक आता रहा। उमर खालिद व्हाट्सऐप ग्रुप डीपीएसजी और मुस्लिम स्टूडेंट्स ऑफ जेएनयू का सदस्य था। उमर खालिद ने कई बैठकों में हिस्सा लिया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर चार्जशीट पर भरोसा किया जाए तो ये साजिश की ओर साफ-साफ इशारा कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में होने वाले आम राजनीतिक प्रदर्शन की तरह नहीं था बल्कि ये एक खतरनाक था, जिसके गंभीर परिणाम हुए। पुलिसकर्मियों पर महिला प्रदर्शनकारियों पर हमला किया गया, जिससे इलाके में दंगा फैला, जो कि निश्चित रूप से एक आतंकी कार्रवाई थी।

वक्फ बोर्ड भर्ती में गड़बड़ीः विधायक समेत 11 आरोपितों के खिलाफ 21 जुलाई को सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने वक्फ बोर्ड की भर्ती गड़बड़ियों में आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान समेत 11 आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई टाल दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को करने का आदेश दिया। इस मामले में कोर्ट ने 1 मार्च को सभी आरोपितों को जमानत दे दी थी। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान के अलावा जिन आरोपितों को जमानत दी थी, उनमें दिल्ली वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सीईओ महबूब आलम, हामिद अख्तर, किफायतुल्लाह खान, रफीऊशान खान, इमरान अली, मोहम्मद अबरार, आकिब जावेद, अजहर खान, जाकिर खान और अब्दुल मन्नर शामिल हैं। 3 नवंबर, 2022 को कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने इन आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2), 13((1)(डी) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था। इस मामले में 23 नवंबर 2016 को एफआईआर दर्ज की गई थी। जांच के बाद सीबीआई ने 21 अगस्त 2022 को चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई के मुताबिक दिल्ली वक्फ बोर्ड के सीईओ और संविदा पर दूसरी नियुक्तियों में गड़बड़ियां की गई। चार्जशीट में कहा गया है कि इन नियुक्तियों के लिए अमानतुल्लाह खान ने महबूब आलम और दूसरे आरोपितों के साथ साजिश रची, जिन्हें वक्फ बोर्ड में विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया था। चार्जशीट के मुताबिक इन नियुक्तियों में मनमानी की गई और अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम ने अपने पद का दुरुपयोग किया।

पंजाब में बारिश से तबाही जारी, कई नदियों के तटबंध टूटे, सीमावर्ती कई गांवों का संपर्क कटा

- बीबीएमबी आज खोलेगा भाखड़ा के गेट

चंडीगढ़। पंजाब में बारिश से तबाही का दौर जारी है। राज्य की औद्योगिक राजधानी लुधियाना में बुड्ढा दरिया का तटबंध टूट गया है। सेना के जवान रातभर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे रहे। लुधियाना में ताजपुर रोड पर बसे गांव भूखड़ी कलां में एक और गंदे नाले पर बना पुल टूट गया है। यह पुल पिछली सरकार के समय करीब दो साल पहले ही बना था। अभी तक नाले पर बने तीन पुल टूट चुके हैं। उधर, गुरदासपुर में बाढ़ के पानी के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे कई गांवों का संपर्क कट गया है। दरिया का तटबंध टूटने से पानी तेजी से आसपास के इलाकों में घुस गया है। ताजपुर रोड पर कई डेयरियां पानी में डूब गई हैं। संगरूर जिले में मूनक के बीच घग्गर नदी का तटबंध दो जगहों पर टूट गया है। इसकी वजह से घग्गर नदी का पानी हरियाणा के फतेहाबाद के गांवों में पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। सिंचाई विभाग के कर्मचारी पानी रोकने के लिए प्रयासरत हैं। गुरदासपुर में रावी नदी में बाढ़ आने से भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे कई गांव पंजाब से कट गए हैं। सेना के जवानों द्वारा रातभर रेस्क्यू आपरेशन चलाकर करीब 500 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इस दौरान भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने पंजाब सरकार को पत्र लिखकर सूचित किया है कि गुरुवार को भाखड़ा बांध के गेट खोले जाएंगे। इससे सतलुज नदी के अलावा अन्य खड्ड और निचले क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या उत्पन्न होगी। भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड द्वारा पंजाब सरकार को भेजे गए एक संदेश में कहा गया है कि भाखड़ा बांध में जलस्तर बढ़ने के कारण नंगल डैम में पानी छोड़ा गया है लेकिन डैम में पानी अधिक होने से 13 जुलाई को इसके गेट भी खोलने पड़ेंगे। भाखड़ा से मौजूदा रिलीज 19 हजार क्यूसेक है। पानी की अधिक आवक को देखते हुए 16 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ने का फैसला किया गया है। 13 जुलाई को टरबाइन के जरिए भाखड़ा से 10 घंटे में कुल 35 हजार क्यूसेक पानी रिलीज किया जाएगा। इससे सतलुज नदी में नंगल डैम से नीचे की ओर पानी छोड़ा जाना चाहिए और लगभग 20 हजार क्यूसेक के 640 क्यूसेक समेत इसे चरणों में बढ़ाया जाएगा। बीबीएमबी ने इस संबंध में पंजाब के रूपनगर, होशियारपुर और जालंधर आदि जिलों को अलर्ट कर दिया है।

ज्योति मौर्य प्रकरण: होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे निलंबित

लखनऊ, (हि.स.)। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के मामले में होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के खिलाफ करायी गई जांच रिपोर्ट में दोषी पाए जाने पर होमगार्ड महानिदेश-ाक विजय कुमार मौर्य के संस्तुति के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। ज्योति प्रकरण में होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे का नाम सामने आया था। उन पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। इस मामले की जांच को लेकर डीजी होमगार्ड ने पुलिस महानिरीक्षक होमगार्ड प्रयागराज रेंज संतोष कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की थी। डीआईजी होमगार्ड ने अपनी रिपोर्ट डीजी को सौंपी थी। इसके बाद वही रिपोर्ट डीजी होमगार्ड ने शासन को भेजी। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, मनीष मोबाइल पर ज्योति से उसके पति आलोक को रास्ते से हटाने की बात कह रहे हैं। उनके खिलाफ कई साक्ष्य मिले हैं। महिला होमगार्ड ने भी उन पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। आलोक को धमकाने को लेकर जब मनीष से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह आलोक से तलाक की बात कह रहे हैं। इसकी पुलिस जांच होना अति आवश्यक है। जांच के दौरान मिले साक्ष्य के आधार पर मनीष दुबे को निलंबित और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की गई थी। जांच रिपोर्ट के बाद शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया है।

माफिया की पहचान रखने वाले मऊ में खुला रहा मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री योगी ने जारी की नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग, क्यूसीआई ने किया है परीक्षण

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए बुधवार के दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में एक ओर जहां शामली और मऊ जिले में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए अनुबंध हुए, वहीं मिशन निरामयाः के तहत प्रदेश के सभी नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग जारी की गई। यही नहीं, नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता सुधार के लिए अपनाई गई 'मेंटॉर-मेंटी' प्रक्रिया के तहत 08 नए संस्थानों को मेंटॉर का प्रमाण पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में मात्र 12 मेडिकल कॉलेज थे। प्रधानमंत्री की 'एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना को साकार करते हुए आज उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है। आज 45 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि 16 जिलों में निमार्णाधीन हैं। मऊ और शामली जैसे जिले, जो आज से 06 वर्ष पहले अन्य कारकों से जाने जाते थे, वहां आज मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे हैं। मऊ माफिया के कारण भयभीत रहता था तो शामली में पलायन का दंश था। आज इन दोनों ही जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है। यह किसी सपने के साकार होने जैसा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने पैरामेडिकल और नर्सिंग संस्थानों को उपेक्षित रखा था। स्टेट मेडिकल फैकल्टी खुद बीमार थी और गुणवत्तापरक शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं था। ऐसे में 'मिशन निरामयाः' की आवश्यकता थी, जिसे सरकार ने बढ़ाया। इसके तहत 12 अच्छे संस्थानों को मेंटॉर के रूप में चिन्हित किया गया। मेंटॉर-मेंटी की नीति के साथ आगे बढ़ी सुधार की प्रक्रिया का ही परिणाम है कि आज 08 और संस्थान मेंटॉर के रूप में अपग्रेड हो गए हैं। यह बदलती हुई व्यवस्था का प्रमाण है। शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मे-डिकल कॉलेज हो या हॉस्पिटल, नर्सिंग हो या पैरामेडिकल कॉलेज, अगर गुणवत्ता है, मानक पूरा है तो उसकी शासन की सभी पात्र योजनाओं का लाभ बिना विलंब मिलना चाहिए। अगर वह मानक पूरा नहीं करता तो ऐसे संस्थानों को अपनी सूची से बाहर किया जाना चाहिए। क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया द्वारा शुचिता और पारदर्शिता के साथ की गई नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता रैंकिंग अन्य संस्थानों को भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 16 असेवित जनपदों में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) आधार पर मे-डिकल कालेज की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया गया था। इस क्रम में महाराजगंज एवं संभल में निजी निवेश कताओं का चयन पूर्व में किया जा चुका है। दोनों स्थान पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण प्रगति पर है। आज मऊ में राजीव सामाजिक शिक्षा सेवा संस्थान को तथा जनपद शामली में चिन्हित प्राईवेट पार्टनर-ज्ञान चेतना एजुकेशलन सोसाइटी एवं उत्तर प्रदेश शासन के बीच एग्रीमेण्ट हस्ताक्षरित हुआ है। प्रत्येक स्थान पर निजी निवेशकर्ता लगभग 250 करोड़ रुपए के निवेश से एक निजी मेडिकल कॉलेज स्थापित करेंगे। दोनों सामाजिक संस्थानों को मेरी शुभकामनाएं। योगी ने कहा कि मिशन निरामयाः के तहत नर्सिंग व पैरामे-डिकल संस्थाओं की गुणवत्ता सुधार हेतु अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत एक प्रयास यह है कि प्रदेश में स्थापित समस्त नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज (सरकारी एवं निजी) का निरीक्षण क्वालिटी काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा कराया जाए। इसके आधार पर संस्थाओं को एक एक्रीडेशन रैंकिंग स्कोर प्रदान किया जाए। उक्त एक्रीडेशन रैंकिंग एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित की गयी है। उत्तर प्रदेश इस उपलब्धि को हासिल करने वाला पहला राज्य है। स्टेट मेडिकल फैकल्टी के कायाकल्प की आवश्यकता है। इस दिशा में अच्छे प्रयास भी हुए हैं। किसी भी फाइनेंसियल ट्रांजैक्शन हेतु अब किसी भी निजी संस्था व राजकीय संस्था अथवा चिकित्सा व्यवसायी को स्टेट मेडिकल फैकल्टी का शुल्क जमा करने हेतु भौतिक रूप से आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि सभी ट्रांजैक्शन के लिए एक आनलाइन पेमेंट गेटवे की व्यवस्था की गयी है। इसका भी आज शुभारम्भ किया गया है। यह हर्ष का विषय है। 'मिशन निरामयाः' जैसे अभिनव प्रयास के लिए मुख्यमंत्री के विजन को प्रेरक बताते हुए क्यूसीआई के सेक्रेटरी जनरल आरपी सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के इस प्रयास का अनुकरण करते हुए नीति आयोग ने इंडियन नर्सिंग कॉउंसिल को ऐसी ही व्यवस्था पूरे देश में लागू करने का परामर्श दिया है। इससे पहले, क्यूसीआई सेक्रेटरी जनरल ने रेटिंग तय करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 34 दिन के भीतर क्यूसीआई की टीम प्रदेश के हर संस्थान नर्सिंग व पैरामे-डिकल संस्थान में गई, वहां तय मानकों पर शैक्षिक गुणवत्ता की परख की गई। शुचिता का ध्यान रखते हुए परीक्षकों ने बॉडी वार्न कैमरे लगाए हुए थे और पूरे परीक्षण प्रक्रिया की विधिवत रिकॉर्डिंग की जा रही थी। परीक्षण के बाद 267 संस्थानों ने अपनी अपील सबमिट की थी। सभी को उनके वीडियो दिखाकर उनकी आपत्तियों का समुचित समाधान किया गया। इसमें 64 ने अपनी समस्याएं भी रखीं और अंततः सभी की आपत्तियों, जिज्ञासा का समाधान करते हुए अन्तिम रूप से संस्थानों और पाठ्यक्रमों की रेटिंग तैयार की गई। आज एक भी संस्थान ऐसा नहीं जो अपनी रेटिंग से असंतुष्ट हो। उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक ने पैरामेडिकल व नर्सिंग संस्थानों की आवश्यकता पर जोर देते हुए हर मे-डिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थान स्थापना की नीति के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया और गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा के लिए हर जरूरी प्रयास करने के लिए मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से गुजरने पर अब वाहन सवारों को देना होगा टोल टैक्स

जालौन, (हि.स.)। बुंदेलखंड के सात जिलों चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, इटावा से होकर गुजरने वाले 296 किमी. लंबे इस एक्सप्रेसवे पर पिछले 12 महीनों से मुसाफिरों को कोई टोल टैक्स नहीं चुकाना पड़ रहा था। लेकिन टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब यहां पर वाहनों को टोल टैक्स चुकाना होगा। पांच अलग-अलग श्रेणी के वाहनों के लिए टोल टैक्स की दरें तय की गई हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर मुफ्त सफर करने के बाद अब टोल टैक्स भरने को तैयार हो जाइए। यूपीडा की बोर्ड बैठक में तीन कंपनियों के प्रस्ताव पेश किए गए थे, जिसमें इंद्रदीप कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रस्ताव पर मुहर लगी है। इस कंपनी ने सबसे ज्यादा 68.38 करोड़ रुपये का आ-ंफर किया है। टोल टैक्स की अनुमानित दरें माने तो सामान्य ट्रक व निर्माण में काम आने वाले भारी मशीनों को करीब 3000 और सात एक्सेल से ज्यादा बड़े वाहनों को लगभग 3900 रुपये टोल देना होगा। वहीं, यात्री बसों को लगभग 950 और चार पहिया वाहनों को 600 रुपये टोल चुकाना होगा। टोल टैक्स वसूलने वाली कंपनी इंद्रदीप कंस्ट्रक्शन को एक्सप्रेसवे की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई हैं। नियमों के मुताबिक कंपनी हर साल 10 फीसदी टैक्स में बढ़ोतरी करेगी। एक्सप्रेस वे पर छह टोल प्लाजा और सात रैंप प्लाजा तैयार हो गए हैं। एक्सप्रेस वे पर जल्द छह एंबुलेंस और 12 पेट्रोल वाहन रात-दिन गश्त करेंगे।

लोकतंत्र नहीं, प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए बेचैन हैं राहुल गांधी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। बंगाल में पंचायत चुनाव के बाद हुई हिंसा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को तंज कसा है। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ जहर उगलने वाले राहुल गांधी तथाकथित प्रेम पुजारी के मौन से स्पष्ट है कि वह लोकतंत्र के लिए नहीं, प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए बेचैन हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में भाजपा कार्यकताओं ने तृणमूल कांग्रेस के गुंडों से लोकतंत्र की लड़ाई लड़ी, कई सीटों पर जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा गठबंधन की ताकत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में निरंतर बढ़ रही है।

उप्र में मौसम विभाग का हाई अलर्ट, 57 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

- पहाड़ों में हुई भारी बारिश के चलते युमना में आए उफान के चलते पश्चिमी उप्र के कई जिलें जलभराव से हैं प्रभावित

लखनऊ, (हि.स.)। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से युमना उफान पर है। इस दौरान उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश ने भी हालात बिगाड़ दिए हैं। प्रदेश के पश्चिमी उप्र से लेकर पूर्वांचल तक लोगों को भारी बारिश से गर्मी और उमस से तो राहत मिली है, लेकिन अब इस बरसात ने लोगों के लिए मु-श्किलें पैदा कर रही है। बारिश का असर ऐसा है कि अब उप्र के कई शहरों में जलभराव की स्थिति है जिससे लोगों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक उप्र में बारिश का सिलसिला ऐसे ही जारी रहेगा।

छह जिलों में ऑरेंज और 51 जिलों में येलो अलर्ट - मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के 06 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 51 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि रामपुर, बरेली, पीलीभीत, मथुरा, हाथरस और आगरा में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए चेतावनी जारी की गई है। विभाग ने इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है यानी इन सभी 06 जिलों में 50 प्रतिशत से ज्यादा बारिश की संभावना जताई गई है।

इन जिलों में अलर्ट जारी - मौसम विभाग ने सहारनपुर, मुजफ्फरपुर, मेरठ, बागपत, बिजनौर, अमरोहा, मु-रादाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़, बदायूं, कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, फरुर्खाबाद, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, कन्नौज, औरैया, इट-ावा, बहराइच, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, कानपुर देहात, कानपुर नगर, रायबरेली, बाराबंकी, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर, अमेठी, प्रतापगढ़, आजमगढ़, गाजीपुर, मऊ, बलिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर में अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेने के लिए 18 ने किया आवेदन

कानपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत कानपुर में अब तक कुल 18 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। यह जानकारी बुधवार को कानपुर के सहायक निदेशक मत्स्य एन.के.अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पहले वर्ष तालाबों पर पट्टा धारक किसानों को 40 प्रतिशत अनुदान राशि देने का प्रावधान किया गया है। योगी सरकार ने अधिकतम इकाई लागत 4 लाख रुपये निर्धारित की है। जिस पर एक लाख 60 हजार रुपए किसान के खाते में ऑनलाइन अनुदान दिया जाएगा। इस अनुदान में भी दो चरण निर्धारित किए गए है। पहले चरण में एक वर्ष में 500 हेक्टेयर पर बने तालाबों का आवंटन होगा। इस योजना का लाभ पहले मछुआरा समाज और उसके बाद एस.सी और महिलाओं को अनुदान राशि दी जाएगी। इस योजना में अब तक कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए है। हालांकि अभी 15 जुलाई तक मछली का का-रोबार करने के लिए 15 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। यह योजना पहली बार शुरू हुई है, हालांकि इसके प्रचार प्रसार का पूरा जोर दिया जा रहा है।

धनबाद में आरएसएस कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

धनबाद, (हि.स.)। शहर के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के जाने-माने आर-एसएस कार्यकर्ता एवं ग्राम रक्षा दल के सदस्य और दूमा गांव के रहने वाले शंकर प्रसाद की बदमाशों ने मंगलवार की देर रात गोली मारकर हत्या कर दी। वे रात को शहरपुरा जा रहे थे। इस बीच दुमा कब्रिस्तान के पास उन्हें गोली मार दी गई। शंकर प्रसाद पिछले तीन दशक से संघ से जुड़े हुए थे। वे धनबाद जिला वनवासी कल्याण केन्द्र के जिला कार्य प्रमुख थे। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। ग्रामीण हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस वारदात की जांच-पड़ताल कर रही है।

जमीन घोटाले के आरोपित अफसर अली की जमानत याचिका पर 19 को होगी सुनवाई

रांची, (हि. स.)। सेना के कब्जे वाली जमीन सहित अन्य भूमि की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े जमीन घोटाले के आरोपित अफसर अली की जमानत याचिका पर ईडी की विशेष अदालत में 19 जुलाई को सुनवाई होगी। आरोपित अफसर अली की ओर से अधिवक्ता शम्भू अग्रवाल और अक्षय शर्मा पक्ष रखेंगे जबकि ईडी की तरफ से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार बहस करेंगे। इससे पूर्व अफसर अली ने 11 जुलाई को ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में जमानत याचिका दायर की थी। उल्लेखनीय है कि रांची में अवैध तरीके से जमीन की बड़े पैमाने पर हुई खरीद-फरोख्त के मामले में ईडी ने बीते 13 अप्रैल को झारखंड, बंगाल और बिहार के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस मामले में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन अफसर अली सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। अब तक की जांच में ईडी अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है। अफसर अली से पहले अमित अग्रवाल और दिलीप घोष ने भी जमानत याचिका दाखिल की थी लेकिन ईडी कोर्ट ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

एक सौ श्मशान घाटों के सौंदर्यीकरण का लक्ष्य : संजय सेठ

रांची, (हि. स.)। सांसद संजय सेठ ने कहा कि अपने पहले कार्यकाल में लोकसभा क्षेत्र के एक सौ श्मशान घाटों के निर्माण और सौंदर्यीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे तेजी के साथ पूरा किया जा रहा है। सेठ बुधवार को वार्ड संख्या 34 स्थित हेहल में सीसीएल के सहयोग से लगभग 46 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे श्मशान घाट निर्माण कार्य के शिलान्यास के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने रांची लोकसभा क्षेत्र में केंद्र सरकार के सहयोग से लगभग 1000 करोड़ रुपये से अधिक राशि की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गेल इंडिया के सहयोग से कचरा निस्तारण के लिए प्लांट लगाया जा रहा है, जो अगले वर्ष से काम करना शुरू कर देगा। सेठ ने केंद्र सरकार की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। स्थानीय लोगों के बीच पम्फलेट का भी वितरण किया। साथ ही पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद विनोद सिंह, डॉक्टर भीम प्रभाकर और शशांक शेखर ने भी विचार रखे। इस मौके पर बिदेश्वर वेग, मंटू केसरी, अजीत भगत, सोनू श्रीवास्तव, संतोष सिंह आलोक सिंह परमार, सतीश चौधरी, प्रदीप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधानसभा का घेराव करने निकले किसान सलाहकारों पर पुलिस ने बरसायी लाठियां

पटना, (हि.स.)। राज्य भर के किसान सलाहकार अपनी मांगों को लेकर बुधवार को पटना में विधानसभा का घेराव करने सड़कों पर उतरे। इस दौरान किसान सलाहकारों ने राजधानी पटना की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया लेकिन विधानसभा पहुंचने से पहले उन्हें पुलिस की लाठियां खानी पड़ी। पटना के आर ब्लॉक के पास बुधवार को हजारों किसान सलाहकार अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। जनसेवक के पद पर समायोजित करने की मांग को लेकर सभी विधानसभा घेराव करने निकले थे। पुलिस ने सभी को लौटने के लिए कहा लेकिन वो नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इसके बाद सभी को वहां से लाठियां बरसाते हुए पुलिस ने खदेड़ा। लाठीचार्ज में कई लोग घायल हुए हैं। महिलाओं को भी चोटें आई हैं। किसान सलाहकारों का कहना है कि अगर हम लोगों को आपने जन्म दिया है तो पोषण भी दो। पिछले 13 साल से बिहार सरकार हम लोगों को ठग रही है। हम लोगों को जनसेवक का दर्जा दिया जाए। अपनी मांग को लेकर हम विधानसभा घेराव के लिए निकले हैं। नीतीश सरकार से अपील है कि हम लोगों की मांग को गंभीरता से ले। हम लोगों ने पहले भी कई बार सरकार ने अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की है लेकिन सरकार ने अब तक इस पर ध्यान नहीं दिया। एसडीएम सदर श्रीकांत कुंडलीक खांडेकर ने कहा शुरूआत में हल्का-फुल्का बल प्रयोग किया गया है। उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए हमने पहले उन्हें समझाने की कोशिश की। सभी से अपील थी कि आप लोगे गर्दनीबाग धरना स्थल चले जाएं, लेकिन जब वह नहीं माने तो उन पर हमें हल्का-फुल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

नगर पार्षद राजू राम नप कार्यालय में बैठे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

अररिया (हि.स.)। अररिया नगर परिषद के वार्ड संख्या 23 के पार्षद राजू राम नगर परिषद में व्याप्त कुव्यवस्था और प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले कर्मचारियों को हटाए जाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए हैं। नगर परिषद कार्यालय परिसर में धरना पर बैठे राजू राम ने कहा कि उनके वार्ड में साफ सफाई और अन्य विकास कार्यों को अनदेखी की जाती है। साथ ही नगर परिषद के कर्मचारी और जमादार जिसे ड्यूटी में लगाया जाता है, वह अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करते हैं और जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों से दुर्व्यवहार करते हैं। इसी को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठने के लिए विवश हुए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी समेत मुख्य पार्षद और उप मुख्य पार्षद को भी कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत दर्ज करा चुके हैं।लेकिन किसी तरह की न तो सुनवाई हुई और न किसी तरह की कार्रवाई। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के कर्मचारी आदर्श शिवम उर्फ बब्बू, संतोष वाल्मीकि, ओमप्र-काश और चालक जावेद के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर हैं। उन्होंने इन कर्मचारियों के ऊपर काम में लापरवाही और कर्तव्यहीनता के साथ प्रतिनिधियों से अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। मामले पर अररिया नगर परिषद के मुख्य पार्षद विजय मिश्रा ने कहा कि पार्षद राजू राम का कहना बिलकुल सही है।पूरे नगर परिषद में घुन लगा हुआ है और कर्मचारी काम नहीं करना चाहते हैं उन्होंने कहा कि नगर परिषद की स्थिति के सुधार में वे लगातार लगे हुए हैं और इस मसले पर भी समुचित कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं को पिंजरे में बंद रखना चाहते हैं असदुद्दीन ओवैसी : राकेश सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। राज्यसभा स-ांसद प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा है कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी आज के युग में भी महिलाओं को पिंजरे में बंद रखना चाहते हैं। वह संविधान के दायरे वाले कानून के संबंध में उल-जलूल बात कर लोगों के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं। अपने गृह जिला बेगूसराय के प्रवास पर आए प्रो. राकेश सिन्हा ने बुधवार को कहा कि असदुद्दीन ओवैसी भारत के संविधान में आस्था नहीं रखते हैं। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) संविधान का हिस्सा है। संविधान सभा में बहस के बाद इसे राज्य के नीति निर्देशक तत्व में शामिल किया गया। समान नागरिक संहिता 1950-60 के दशक में ही बन जाना चाहिए था। जब हिंदुओं के सभी कानून और सभी संहिताओं का अध्ययन करके उसका कोडिफिकेशन कर हिंदू कोड बिल बन गया, तो बाकी धर्म का क्यों नहीं बना। सवाल धर्म का नहीं है। सवाल है कि लैंगिक समानता की जो बात की जाती है उसे दायरे में लाना। र-ाकेश सिन्हा ने कहा कि विवाह, तलाक और उत्तराधिकार के मामले में संवैधानिक तरीके से निर्णय लेकर समानता स्थापित करना है। कोई न्याय जब एक धर्म की महिला को मिल रहा है तो वह न्याय दूसरे धर्म की महिला को भी मिलना चाहिए। लेकिन कुछ लोगों को यह पसंद नहीं है। असदुद्दीन ओवैसी पितृसत्तात्मक धर्म को और मजबूत बनाना चाहते हैं। वह महिलाओं को पिंजरे में बंद रखना चाहते हैं, जो कि अब संभव नहीं है। हम लोकतांत्रिक तरीके से विमर्श करके समान नागरिक संहिता लाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस पर चर्चा का उद्देश्य है कि आम लोग इस चर्चा में भागीदारी दिखाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्देश्य है कि आम लोगों की भावना और विवेक में यह बात जानी चाहिए कि संविधान के अंदर दी गई धारा, दिए गए प्रावधान और भावनाओं के अनुरूप पूरे देश में एक कानून बने। लेकिन ओवैसी कहते हैं कि देश में हमारी पहचान मिटाने के लिए यूसीसी लागू किया जा रहा है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार का कहर

भारी मूसलाधार बारिश और बाढ़ के हालात सिर्फ आसमानी कहर नहीं हैं, बल्कि ये व्यापक भ्रष्टाचार के नतीजे हैं। इमें हड़प्पा, मोहनजोदड़ो सभ्यता के बारे में पढ़ाया जाता रहा है। सभ्यता के उस दौर में भी ड्रेनेज सिस्टम बेहतर था। आज हम आधुनिकता, तकनीकी विकास और वैज्ञानिक प्रयोगों के दौर में जी रहे हैं, लेकिन मानसून की बारिश के सामने अक्षम, लाचार, बेबस हैं। आखिर इसका बुनियादी कारण क्या है? राजधानी दिल्ली का ही उदाहरण लें, तो बीती 28 जून तक सभी नालों की सफाई का लक्ष्य हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन 30 जून तक करीब 68 फीसदी काम ही हो पाया था। जब तेज बारिश हुई, तो कलई खुल गई, क्योंकि अधिकतर नाले ब्लॉक पड़े थे। नतीजतन दिल्ली की जो दुर्दशा हुई, उसकी एक बानगी हम कल के संपादकीय में पेश कर चुके हैं। अब इसका भ्रष्ट आयाम भी देखिए। दरअसल दिल्ली में हर साल 1500 करोड़ रुपए बारिश की तैयारियों, ड्रेनेज, सीवर, नालों की सफाई आदि पर खर्च किए जाते हैं। पानी की सहज निकासी के लिए हजारों पंप खरीदे जाते हैं। यदि यह बजट ईमानदारी से खर्च किया जाता है, तो फिर राजधानी दिल्ली जैसा महानगर पानी में डूबने क्यों लगता है? सब कुछ ठहर-सा क्यों जाता है? इसी तरह गुरुग्राम सरीखे साइबर और आधुनिक शहर में, बारिश की तैयारी के मद्देनजर, करीब 150 करोड़ रुपए का प्रावधान है, लेकिन बरसात में इस शहर की दुर्दशा और गंदे दरिया वाली स्थिति क्यों बन जाती है? गुरुग्राम मलबे का तालाब बन जाता है, जिसमें से वाहनों की आवाजाही ऐसी होती है मानो किसी 'चक्रव्यूह' से निकल रहे हों! वाकई शोचनीय और अपमानजनक है। वह पैसा भी कहां जाता है? अजीब विरोधाभास है कि गुरुग्राम में संभ्रान्त सोसायटी के फ्लैट 5-8-10 करोड़ रुपए में बिकते हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के दफ्तर यहां हैं, लेकिन मुख्य सड़कों पर पानी और मलबा ही दिखाई देते हैं। यह नालायकी और कोताही क्यों है? आखिर कौन, किसकी जिम्मेदारी तय करेगा? विश्व स्तर पर यह निंदनीय और शर्मनाक स्थिति हो सकती है। दरअसल राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में अंग्रेजों के जमाने के सिस्टम मौजूद हैं, लिहाजा वे कारगर नहीं हैं और जर्जर हो चुके हैं। दिल्ली में 1976 का ही मॉडल लागू है, जब उसकी आबादी करीब 60 लाख होती थी। वह आज 2.5 करोड़ से अधिक है। फिर दिल्ली 'दरिया' क्यों नहीं बनेगी? समस्या अवैध और अनियमित कॉलोनियों की भी है। इन आवासीय कॉलोनियों में सड़क, नाली, सीवर आदि की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती, नतीजतन बारिश के मौसम में वहां पानी ठहरता रहता है। इससे शहर के अन्य इलाके भी प्रभावित होते हैं। एक और बुनियादी स्थिति यह है कि शहरी नियोजन में प्राकृतिक जल-निकासी की लगातार अनदेखी की जाती रही है। इसके अलावा, सीवर ओवरफ्लो भी गंभीर समस्या है। कई जगह सीवर और सीवेज निस्तारण वाले स्थान में असमानता होती है। राजधानी दिल्ली में आईटीओ चौक के करीब सीवर का गंदा पानी और बारिश का पानी मिल कर पुलिस मुख्यालय से लेकर रिंग रोड तक को जलमग्न कर देता है। यह हाल तो देश की राजधानी का है। एक बेहद गंभीर समस्या मकानों के निर्माण-कार्य, मरम्मत, तोड़-फोड़ आदि से निकलने वाले कूड़ा-कर्कट और मलबे की है। ये लगातार पानी के प्रवाह को अवरुद्ध करते हैं और बारिश के दिनों में यही मलबा सड़कों पर फैल जाता है। इन तमाम स्थितियों के गर्भ में भ्रष्टाचार है। पहाड़ों को छोड़ भी दें, तो दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उप्र का एक हिस्सा और बिहार आदि राज्य अब भी 'अलर्ट' पर रखे गए हैं। बारिश और बाढ़ से अभी तक करीब 100 मौतें हो चुकी हैं। ये कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। आखिर देश का नागरिक मर रहा है। ऐसी स्थिति क्यों आई है? दो माह बाद दिल्ली में जी-20 देशों का शिखर सम्मेलन है। उसमें दुनिया के 20 बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों को दिल्ली में आना है।

> दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के दफ्तर यहां हैं, लेकिन मुख्य सड़कों पर पानी और मलबा ही दिखाई देते हैं। यह नालायकी और कोताही क्यों है? आखिर कौन, किसकी जिम्मेदारी तय करेगा? विश्व स्तर पर यह निंदनीय और शर्मनाक स्थिति हो सकती है। दरअसल राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में अंग्रेजों के जमाने के सिस्टम मौजूद हैं, लिहाजा वे कारगर नहीं हैं और जर्जर हो चुके हैं। दिल्ली में 1976 का ही मॉडल लागू है, जब उसकी आबादी करीब 60 लाख होती थी। वह आज 2 .5 करोड़ से अधिक है। फिर दिल्ली 'दरिया' क्यों नहीं बनेगी? समस्या अवैध और अनियमित कॉलोनियों की भी है। इन आवासीय कॉलोनियों में सडक, नाली, सीवर आदि की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती, नतीजतन बारिश के मौसम में वहां पानी ठहरता रहता है। इससे शहर के अन्य इलाके भी प्रभावित होते हैं।

कुछ अलग

जीने की मिट्टी को संभालिए

यूं तो मानसून का अपना सीजन व अपनी हिदायतें हैं, लेकिन जिंदगी की जहमत में सारा माहौल परेशान है। हिमाचल में बुरी खबरों का आलम हर छत को छू रहा है, तो आधुनिक निर्माण की भूमिका नजरअंदाज मानदंडों को कोस रही है। विभागीय कौशल के सारे नमूने, पीडब्ल्यूडी से जल शक्ति विभाग तक के कारनामे और तरक्की की उलफत में विकास के नगीने भरी बरसात में भयभीत हैं, तो इसलिए कि कहीं हमसे चूक हो गई है, हो रही है। यानी एक बरसात हर बार अब आएगी, तो मालूम होगा कि हमें कितना, कैसा और कहां-कहां विकास चाहिए। शहरी और ग्रामीण विकास को अब निरंकुश नहीं छोड़ा जा सकता। कायदे-कानून की परिभाषा के तहत जिंदगी के सामुदायिक, सामूहिक और सार्वजनिक अनुशासन तय हो जाने चाहिएं। लगातार थुनाग बाजार में पहाड़ से आती बाढ़ में बहता मलबा बार-बार बता रहा है कि कहीं जीने की मिट्टी खराब है, तो करोड़ में डूबी कैंपिंग साइट बता रही है कि पर्यटन की तलाश में हम कहीं चूक कर रहे हैं। पानी के बहाव में बहते वाहन बता रहे हैं कि प्रकृति का ध्वंस कहीं जरूरत से ज्यादा घाव दे रहा है। कहीं तो बरसात ने माहौल को इतना रुला दिया कि पांव के आंसू अब गली-कूचों में बह रहे लगे। इस पर भी राजनीतिक विरोध का तुर्रा यह कि हिमाचल में कायदे-कानून अमल में न आएं। सरकार अगर सड़कों के किनारे निर्माण को टीसीपी कानून के दायरे में लाना चाहती है, तो विपक्ष चाहता है कि ऐसे मंतव्य की अर्थी ही उठ जाए। यही नहीं, जहां एरिया विकास एजेंसी यानी साडा का गठन भी हुआ, उसके मायने ही खत्म कर दिए गए। शहरी विकास योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों को बाहर निकालने का सियासी दांव पेंच इस कदर हावी है कि टीसीपी कानून की धज्जियां उड़ा दी गईं। पहाड़ छीले जा रहे हैं, क्योंकि वाहनों को गुजरने के लिए गति और सड़क की चौड़ाई अधिक चाहिए। हिमाचल के हिस्से में आई जमीन का सार्वजनिक प्रयोग तो वन ने छीन लिया। सत्तर फीसदी वन क्षेत्र के बाद जो जमीन बची, वही हमारे आगे बढ़ने का विकल्प है। घटती जमीन ने विकास का पर्याय पहाड़ की खुदाई में ढूंढा और इस तरह प्रकृति के खिलाफ मजबूरन युद्ध होने लगा है। पिछले पचास सालों से सेटेलाइट टाउन की मांग हिमाचल में होती रही, लेकिन हुआ कुछ भी नहीं। इसी दौरान हिमाचल की जीवन शैली ने अबाधित निर्माण के तहत गांव-देहात तक कई मिनी टाउनशिप बना दिए, जबकि शहरों और धार्मिक स्थलों ने जल निकासी को अवरुद्ध करके नवनिर्माण के घातक चमत्कार कर दिए। नए बाजारों या फैलते बाजारों ने यह ध्यान नहीं दिया कि बढ़ती गतिविधियों के कारनामों ने जमीन को खोद कर खंजर बना दिया है। इसी तरह पर्यटन क्षेत्र में आ रहा उछाल अब निर्माण की भुजाओं से दुरूह क्षेत्रों का बेतरतीब दोहन कर रहा है। पर्यटन की इकाइयां न कोई मर्यादित आचरण बना और न ही विभागीय नियम सामने आए। ऐसे में पर्यटकों की संख्या को पांच करोड़ तक पहुंचाने के मायने मनाली में फंसे पर्यटकों से पूछें या दरकती सड़कों की हालत से जान लें। अगर बरसात में हम सत्तर लाख हिमाचलवासियों को भय से मुक्त नहीं कर पा रहे, तो पांच करोड़ पर्यटकों की वार्षिक आमद को चिंतामुक्त करने के लिए आपदा प्रबंधन की व्यापक तस्वीर बनानी पड़ेगी। विडंबना यह है कि सरकार एक अदद हेलिकाप्टर को हासिल करने के लिए अपनी शर्तें नहीं मनवा पा रही, तो केंद्रीय मदद और आपदा प्रबंधन के राष्ट्रीय मानक हिमाचल के प्रति कब उदार होंगे। पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर हिमाचल को ऐसी आपदाओं के समय हेलिकाप्टर की कई उड़ानें चाहिएं, तो ये सत्तर फीसदी जंगल उगाने वाले राज्य को केंद्र की तरफ से मुफ्त उपलब्ध करानी चाहिए। इस आपदा ने हिमाचल की एक सामाजिक एवं मानवीय तस्वीर भी पेश की है। मनाली, शिमला, धर्मशाला व कई अन्य स्थानों के होटल मालिकों-टैक्सी यूनियनों ने अपनी ओर से यहां-वहां फंस गए पर्यटकों को मुफ्त सुविधाएं देने का ऐलान किया है।

स्कूली शिक्षा एक ऐसी पूंजी है जिसको हर कोई पाना चाहता

कैसी हो हमारी स्कूली शिक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

> राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शिक्षण व्यवस्था के लिए पीजीआई जारी होता है। 1000 नंबर में से मिले नंबर से रैंकिंग तय की जाती है। इंडेक्स में लर्निंग आउटकम, समानता और बुनियादी ढांचे और अन्य आधार पर 1000 में से प्राप्त नंबर के आधार पर दस ग्रेड में रैंकिंग की जाती है। लेकिन पहले पांच लेवल (701 से 1000 नंबर) में किसी राज्य को जगह नहीं मिली है। सबसे ऊपर रैंकिंग वाले चंडीगढ़ और पंजाब को छठे लेवल इफर्ट-2 में जगह मिली है। यह 1000 में से 641-700 के बीच स्कोर को दिखाता है। पिछले साल सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों-केरल, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश ने 1000 में से 901 और 950 अंक के बीच स्कोर किया था।

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की तरफ से स्कूली शिक्षा को लेकर परफॉर्मिंग ग्रेड इंडेक्स (पीजीआई) जारी किया गया है। इस साल चंडीगढ़ और पंजाब सबसे ऊपर हैं। केरल और महाराष्ट्र संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शिक्षण व्यवस्था के लिए पीजीआई जारी होता है। 1000 नंबर में से मिले नंबर से रैंकिंग तय की जाती है। इंडेक्स में लर्निंग आउटकम, समानता और बुनियादी ढांचे और अन्य आधार पर 1000 में से प्राप्त नंबर के आधार पर दस ग्रेड में रैंकिंग की जाती है। लेकिन पहले पांच लेवल (701 से 1000 नंबर) में किसी राज्य को जगह नहीं मिली है। सबसे ऊपर रैंकिंग वाले चंडीगढ़ और पंजाब को छठे लेवल इफर्ट-2 में जगह मिली है। यह 1000 में से 641-700 के बीच स्कोर को दिखाता है। पिछले साल सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों-केरल, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश ने 1000 में से 901 और 950 अंक के बीच स्कोर किया था। इस बार इफर्ट-3 लेवल में शामिल पंजाब और चंडीगढ़ के बाद गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पुडुचेरी और तमिलनाडु का नाम है। इन राज्यों को इफर्ट-3 (581-640) लेवल में शामिल किया गया है। इसके बाद एसपिरेंट-1 लेवल (521-580) में अंडमान निकोबार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, सिक्किम, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और हिमाचल हैं। एसपिरेंट-2 (461-520) की लिस्ट में असम, नागालैंड, बिहार, ओडिशा, जम्मू और कश्मीर, तेलंगाना, झारखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड हैं। अंतिम लेवल एसपिरेंट-3 (401-460) में तीन राज्य अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम को शामिल किया गया है। 10 पैमानों पर कोई राज्य खरा नहीं उतरा। नई शिक्षा नीति आने के बाद 2021-22 में पीजीआई को पुनर्गठित किया गया है। हालांकि सभी 10 पैमानों पर किसी भी राज्य को पूरे अंक नहीं मिले हैं। स्कूली शिक्षा का हमारे देश के लिए बड़ा महत्त्व है। शिक्षा एक व्यापक लक्ष्य है। शिक्षा बच्चों के अंदर विचार और कर्म की स्वतंत्रता विकसित करती है। दूसरों के कल्याण और उनकी भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न करती है। शिक्षा हर वर्ग के लिए अनिवार्य है। वास्तव में शिक्षा पर होने वाले विचार-विमर्श को इनकी वास्तविकताओं के संदर्भ में रखकर देखा जाए। शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने की सोच और यह विचार कि सभी बच्चों को स्कूल जाना चाहिए, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में काम कर रहे हम में से

अधिकांश लोगों के दिलो-दिमाग पर छाया हुआ है। स्कूली शिक्षा दुनिया भर के देशों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बच्चों को स्कूल जाने में मदद करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने की पहल विकास और समृद्धि के परिदृश्य को बदल सकती है। वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर 6-14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए, निजी स्कूलों में नामांकन 2018 में 32.5 फीसदी से घटकर 2021 में 24.4 प्रतिशत हो गया है। निरंतर विकास दर्ज करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कुछ उपाय किए जाने चाहिएं। किसी भी समाधान और परिवर्तन के साथ शुरुआत करने के लिए समस्या के मूल कारण की पहचान करना महत्त्वपूर्ण है। शिक्षा का निम्न कारणों से पतन हुआ है, जैसे कि उचित बुनियादी ढांचे का अभाव, खराब अध्यापन कौशल, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव, ज्ञान प्रदान करने में सैद्धांतिक दृष्टिकोण का उपयोग करना, बच्चे के सीखने का खराब आकलन/मूल्यांकन व स्कूलों के बीच उच्च प्रतिस्पर्धा इत्यादि, इन चुनौतियों पर काबू पाने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूलों के लिए कुछ सुझाव हैं। पहले तो एक स्कूल को मानदंडों के अनुसार आवश्यक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके छात्रों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसमें फर्नीचर, बोर्ड, बिजली की फिटिंग, साफ और स्वच्छ शौचालय, एक गतिविधि और खेल क्षेत्र, प्रयोगशालाएं और एक कंप्यूटर लैब के साथ एक विशाल कक्षा होना चाहिए। लेकिन उनके उचित उपयोग और रखरखाव के बिना उन सभी सुविधाओं का होना एक बच्चे को स्कूल जाने से हतोत्साहित कर सकता है। सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा सीखने का माहौल बनाता है। शिक्षाशास्त्र कौशल को ही लें। यहां सीखने, अनसीखने और दोबारा सीखने की अवधारणा को लागू करने की जरूरत है। हमें रटने की बजाय वैचारिक तरीकों की ओर बदलाव की जरूरत है जो शिक्षकों और छात्रों को व्यस्त रख सके। किसी विषय का पसंद या नापसंद करना पढ़ाने के तरीके पर निर्भर करता है। हमें बेहतर परिणाम के लिए अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने और उन्नत करने की आवश्यकता है। शिक्षकों की गुणवत्ता पर स्कूल समझौता करते हैं। अधिकांश स्कूल कम वेतन पर शिक्षकों को नियुक्त करके गुणवत्ता से समझौता करते हैं। शिक्षक कक्षा में प्रमुख तत्व हैं, जो बच्चों के दिमाग को ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें प्रशिक्षण प्रदान करके और उन्हें आधुनिक शिक्षण सहायता, उपकरण और स्मार्ट कक्षाओं और डिजिटल पाठ्यक्रम सामग्री जैसी पद्धतियों से लैस करके शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार करने की आवश्यकता है। स्कूली शिक्षा से जुड़े लोग यह समझें कि छात्रों पर दबाव डालने से उनका मन पढ़ाई से भटक जाएगा और इससे उनकी आगे की शिक्षा जारी रखने में रुचि बाधित हो सकती है। एक स्कूल को विभिन्न सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में शामिल किया जाना चाहिए जो स्कूल में छात्रों की रुचि को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में काम करती हैं। इसमें उचित खेल सुविधाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए रास्ते होने चाहिए जो छात्रों के जीवन कौशल और व्यक्तित्व के निर्माण में मदद करें। अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिए। कुछ निजी स्कूल दिशानिर्देशों का पालन करते हैं, लेकिन किसी तरह उन्हें बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए हमारे पास उचित निगरानी और मूल्यांकन का अभाव है। निजी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यक्रम और पहल के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक उचित चैनल विकसित करने की आवश्यकता है। यह काम चुनी हुई सरकारों का है। दुनिया के प्रगतिवादी विचारों ने बच्चों के अधिकारों के दृष्टिकोण से स्कूली शिक्षा को अनिवार्य बना दिया है। स्कूली शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो उनके अंदर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लेने की और मौलिक अभिव्यक्ति की प्रवृत्ति तथा सौन्दर्यबोध की समझ को विकसित कर सके। स्कूली शिक्षा एक ऐसी पूंजी है जिसको हर कोई पाना चाहता है। बच्चों के माता-पिता के अंदर एक आस होती है, जो पढ़ा-लिखाकर उनके बच्चों को आगे बढ़ाती है। हम बिना अच्छी शिक्षा के अधूरे हैं क्योंकि शिक्षा हमें सही सोचने वाला और सही निर्णय लेने वाला बनाती है। इस प्रतियोगी दुनिया में, शिक्षा मनुष्य की भोजन, कपड़े और आवास के बाद प्रमुख अनिवार्यता बन गई है।

प्रशासन की लापरवाही से आफत की बरसात

> शहरों और घरों में पानी का सैलाब जो उमड़ रहा है, वह प्राकृतिक आपदा कम बल्कि मानव निर्मित आपदा ज्यादा है। भूजल का संकट झेल रहे भारत में बारिश का पानी अभी भी नालों, नालियों और नदियों में बह रहा है। अधिसंख्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से पंगु है और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कागजों में चल रहा है। यही कारण है कि तेज बारिश के चलते अरबों रुपये का संपत्ति और लोगों की जान का नुकसान हो चुका है। दिलचस्प बात यह है कि हर प्रदेश सरकार और स्थानीय नगर निकाय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और नालों के निर्माण और उनकी सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन यह काम धरातल पर कम और कागजों पर ज्यादा सरपट दौड़ लगाते हैं। इस समय बारिश का पानी संचय होने की जगह सीधे नालों और नदियों में जा रहा है।

विगत कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। अब तक करीब सौ लोगों को मौत हो चुकी है। अनेक पुल पानी के बहाव में बह गए हैं। देश की राजधानी सहित अनेक स्मार्ट शहरों में जल का भारी जमाव हो रहा है। मानसून में बारिश होना पूरी तरह से स्वाभाविक प्रक्रिया है। शहरों और घरों में पानी का सैलाब जो उमड़ रहा है, वह प्राकृतिक आपदा कम बल्कि मानव निर्मित आपदा ज्यादा है। भूजल का संकट झेल रहे भारत में बारिश का पानी अभी भी नालों, नालियों और नदियों में बह रहा है। अधिसंख्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से पंगु है और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कागजों में चल रहा है। यही कारण है कि तेज बारिश के चलते अरबों रुपये का संपत्ति और लोगों की जान का नुकसान हो चुका है। दिलचस्प बात यह है कि हर प्रदेश सरकार और स्थानीय नगर निकाय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और नालों के निर्माण और उनकी सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन यह काम धरातल पर कम और कागजों पर ज्यादा सरपट दौड़ लगाते हैं। इस समय बारिश का पानी संचय होने की जगह सीधे नालों और नदियों में जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय और प्रशासन बरसात के पहले इसकी तैयारी क्यों नहीं करते? और अगर शहरों का प्रशासन इसमें हीलाहवाली करता है अथवा संबंधित लोग वाटर हार्वेटिंग सिस्टम को लगाने और उसे चालू रखने में लापरवाही बरतता है तो उनसे सख्ती से क्यों नहीं निपटता? क्या, शासन और प्रशासन ऐसे ही लापरवाही करता रहेगा और जनता समस्याओं से जूझती रहेगी? देश की राजधानी दिल्ली में अत्यंत खराब स्थिति है। बरसाती नालों की सफाई न होना भी जलभराव का एक छोटा सा कारण है, लेकिन इसकी असली समस्या कुछ और है। दिल्ली में इस समस्या की मूल वजह ड्रेनेज की समुचित व्यवस्था न होना है। वास्तविकता तो यह है कि दिल्ली का 65 फीसदी हिस्सा अनियोजित तरीके से बसा है। इस क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया है। चौंकाने की बात यह है कि यहां पर 1700 अनियमित कॉलोनियां हैं, जहां ड्रेनेज सिस्टम ही नहीं है। उत्तर प्रदेश में दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की स्थिति कमोवेश एक जैसी है। प्रयागराज और वाराणसी का ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने के लिए करोड़ों रुपये बहाए गए, लेकिन व्यवस्था आज ठीक नहीं सकी। मेरठ शहर में भी जरा सा पानी बरसा और सड़कें लबालब। यही हाल अलीगढ़, बरेली, आगरा, मुरादाबाद व अन्य शहरों का है। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू की आबादी 16 लाख से अधिक है। बरसात का पानी नालों के जरिए तवी नदी में जाता है। आबादी बढ़ने के साथ पक्के मकान भी बढ़ते गए। चौदह बड़े नाले शहर के बीच आ गए। तब ये नाले 50 से 60 फीट चौड़े थे जो अतिक्रमण के कारण अब 10-20 फीट ही रह गए हैं। जम्मू पश्चिम में सीवरेज शुरू होने से शहर के करीब 20 प्रतिशत हिस्से में जल निकासी में थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन निचले क्षेत्र आज भी तेज बारिश में जलभराव समस्या झेलते हैं। पांच हजार साल पहले बसे श्रीनगर की आबादी इस समय 14 लाख से ऊपर पहुंचने के बावजूद यहां 60 फीसद क्षेत्र में ड्रेनेज व्यवस्था ही नहीं है। प्रदेश में दस लाख से अधिक आबादी वाले दो बड़े शहर गुरुग्राम और फरीदाबाद हैं। नई ड्रेनेज लाइन 1970 के दौरान नए सेक्टरों में तो डाली गई, मगर यह लाइन कहां से शुरू हुई और किस नदी-नाले में मिलेगी, इसका छोर या अंत किसी को नहीं पता। 2010 में पुराना फरीदाबाद में 30.64 करोड़ रुपये की लागत से जवाहर लाल नेहरू अर्बन रिन्यूवल मिशन के तहत ड्रेनेज लाइन डाली गई थी मगर यह लाइन भी बरसाती पानी की निकासी के लिए कभी कारगर साबित नहीं हुई। वहीं, पूरा गुरुग्राम निचले क्षेत्र में बसा है। शहर के अनुरूप ड्रेनेज सिस्टम विकसित नहीं किया गया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नवाब के समय स्विट्जरलैंड की तर्ज पर तालाबों को लिंक कर ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया था। यह सिस्टम अब पूरी तरह खत्म हो गया है। नालों पर अतिक्रमण होते गए, पानी रुकने लगा। यही हाल इंदौर का भी है। यहां तीन हजार किलोमीटर लंबी सड़कें हैं, लेकिन 10 फीसद में भी बारिश के पानी की निकास की व्यवस्था नहीं है। देश के विभिन्न शहरों में भी बहुत अच्छी स्थिति नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि जिस तरीके से भारत में भूजल का स्तर नीचे जा रहा है, बरसाती पानी का संचय करना बहुत आवश्यक है। ज्यादातर सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वर्ष जल संरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समुचित तरीके से काम नहीं करते हैं। यही कारण है कि राजधानी दिल्ली के द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांग थी। वर्षा जल संचयन प्रणाली को लेकर लापरवाही करने वालों पर पांच लाख रुपये तक जुर्माना लग सकता है। जुर्माना से बचने के लिए आवासीय व व्यवसायिक परिसरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने के बाद उसके रखरखाव पर ध्यान नहीं देते हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) में दिल्ली सरकार द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में वर्षा चल संचयन के चालू स्थिति में नहीं होने पर पांच लाख रुपये तक पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी थी। कुछ दिनों पहले सरकार ने उसे रिपोर्ट दी है। उसने कहा है कि नियम का उल्लंघन करने वाले गैर आवासीय इकाइयों के लिए 50 प्रतिशत जुर्माना बढ़ाया जा सकता है। कहने का आशय है कि भारी बारिश के बाद देश के विभिन्न शहरों में जलभराव से पैदा स्थिति के लिए शासन और प्रशासन की योजना में चूक के साथ-साथ उसके क्रियान्वयन में भारी लापरवाही है। अगर समय रहते इस समस्या के समाधान पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में समस्या और गहरा सकती है।

नागरिक बोध

बोलो! आदर्श पड़ोसी की जय!

तो भक्तो! सावन का पवित्र महीना चला रहा है। सावन महीना पड़ोसी कुकर्मों का खास महीना होता है, खासकर आदर्श पड़ोसियों के लिए। इस महीने में वे अपनी नाली का पानी आपकी जगह में रात के अंधेरे का फायदा उठा मजे से डाल सकते हैं। अपने घर में झाड़ू लगाकर अपने दिमाग तक का कूड़ा वे आपकी ओर फेंक ही सकते हैं। अपनी पूरी जगह कवर करने के बाद वे थूकते भी आपकी ही ओर हैं। भले ही उनके सिर से पांव तक थूक ही थूक लगा हो। मतलब वे मौन होकर अपने पड़ोसी से उतनी बदतमीजी कर सकते हैं जितनी वह टॉलरेट कर सकता है। आदर्श पड़ोसी का धर्म अपने पड़ोसी से बदतमीजी करना होता है और पड़ोस की बचाए रखने वाले पड़ोसी का धर्म उनकी बदतमीजियों को सहन करना इस गलत इरादे से कि एक दिन में सुधर जाएंगे। पर आदर्श पड़ोसी और सूअर कभी सुधरा नहीं करते। सूअर में आदर्श पड़ोसी और आदर्श पड़ोसी में सूअरपना कूट कूट के भरा होता है। आज का दौर पड़ोसियों का नहीं, आदर्श पड़ोसियों का है। उन पड़ोसियों का जो जिस दिन अपने पड़ोसी को तंग नहीं कर पाते उस दिन वे हंस नहीं पाते। रात को उनको नींद नहीं आती। इसलिए वे रात को भी अपने पड़ोसी को तंग करने का नेक काम करते रहते हैं। और नहीं तो रात को चलते चलते नाली का पानी पड़ोसी की ओर मोड़ दिया। वे अपने पड़ोसी की जमीन इंच इंच कर अपने हाथ में लेते रहते हैं कभी मुस्कुराते हुए तो कभी गिड़गिड़ाते गिड़ाते हुए। तो इस कथा के नायक पड़ोसी नहीं, आदर्श पड़ोसी हैं। आदर्श पड़ोसी जितने दुखदाई होते हैं, उतने सामान्य पड़ोसी नहीं। उनकी शर्तों का पार नहीं पाया जा सकता। सहत्तर के होने पर भी वे बच्चों की तरह की हरकतें करते रहते हैं। बस हरदम उनके दिमाग में यही रहता है कि किस तरह पड़ोस के हित की परवाह किए बिना अपने को बेहतर बनाया जाए। आदर्शवादी होने के बाद भी बदतमीजी के सारे तत्व इनमें कूट कूट कर भरे होते हैं। ये समान्य तौर पर हंसके बात करते हैं, पड़ोसी के हमदर्द होने की कदम कदम पर दुहाई देते हैं, पर होते केवल अपने तक ही सीमित हैं। अपने तक सीमित रहना ही इनका सबसे बड़ा आदर्श होता है। इनका धर्म बदतमीजी होता है, इनका कर्म बदतमीजी होता है। ये इतने बदतमीज होते हैं कि अपने घर में भी जमकर बदतमीजी कर लेते हैं। वैसे तो अपने पड़ोसी के साथ ये उन्मुक्त हंसी हंसते रहते हैं, पर जब इन्हें अपने पड़ोसी को नुकसान पहुंचाना हो तो आप कौन तो ये कौन! तब ये इस ढंग से बदतमीजी करते हैं ज्यों ये आपको जानते भी न हों। और जब अपनी बदतमीजी पूरी कर लेते हैं तो फिर अपने पड़ोस के साथ पेट खोल खोल कर हंसने का दंभ करने लग जाते हैं। ये बदतमीज ही नहीं, अव्वल किस्म के बदतमीज होते हैं। जब अपने पड़ोसी का दोहन करना होता है तो बात बात पर पड़ोसी द्वारा अपने पर किए उपकारों का ध्यान पड़ोसी को दिलाते हैं और फिर उसको एक बार और दुह आगे हो लेते हैं। हंसते हुए मौन पड़ोसी को तंग करना इनका सशक्त हथियार होता है। ऐसे आदर्श पड़ोसी हर गली कूचे में पाए जाते हैं। जिस गली कूचे में ऐसे पड़ोसी नहीं होते, वह गली कूचा नरक के समान होता है। वहां बिल्कुल भी रौनक नहीं होती। वहां हरदम श्मशान सा सन्नाटा छाया रहता है। उस गली कूचे में शांति का वास होता है। वहां प्रेम का वास होता है। वहां किसी किस्म की बीमारी नहीं होती। पड़ोस में यह सब सुखद नहीं होता।

देश दुनीया से

प्राकृतिक आपदाओं के लिए जिम्मेवार कौन?

हिमाचल प्रदेश अपने प्राकृतिक तथा स्वास्थ्यवर्धक वातावरण के लिए विश्व-विख्यात है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भाग सुंदर, सौम्य, गगनचुंबी पहाड़ों व कल-कल करती बहती नदियों के कारण हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन बरसात के महीनों में इन पहाड़ों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन तथा पानी का जलस्तर बढने के कारण अनेकों आपदाएं मानव जीवन को लील लेती हैं। 8, 9 तथा 10 जुलाई 2023 को हिमाचल प्रदेश में भयंकर बारिश हुई जिसके कारण प्रदेश को जान-माल के साथ करोड़ों रुपए का नुकसान भी झेलना पड़ा। सबसे ज्यादा रौद्र रूप ब्यास नदी ने धारण किया। इसके समीप बसे कुल्लू से लेकर मंडी तक के स्थानीय जनमानस को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। कुल्लू जिला में ब्यास नदी के समीप बने फोरलेन, अन्य मार्ग तथा स्थानीय लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। वहीं मंडी में वर्ष 1877 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा बनाए गए विक्टोरिया ब्रिज को भी इतिहास में पहली बार ब्यास नदी के जल ने छू लिया। पर्यटकों तथा व्यवसायियों को भी इस आपदा में अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ा। आखिरकार हिमाचल प्रदेश में पिछले एक दशक से प्राकृतिक आपदाएं बड़ी तीव्र गति से बढ़ रही हैं। इसके कुछ कारणों का भी पता लगाना समय की सबसे बड़ी मांग बनता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में दो वर्षों में भूस्खलन के मामलों में छह गुना वृद्धि दर्ज की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2020 में भूस्खलन के महज 16 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2022 में यह मामले छह गुना बढक़र 117 हो गए। विभाग के मुताबिक राज्य में 17120 भूस्खलन संभावित स्थल हैं, जिनमें से 675 स्थल महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचों और बस्तियों के पास हैं। ये स्थल चंबा (133), मंडी (110), कांगड़ा (102), लाहौल और स्पीति (91), ऊना (63), कुल्लू (55), शिमला (50), सोलन (44), बिलासपुर (37), सिरमौर (21) और किन्नौर (15) में हैं। हिमाचल प्रदेश के चंबा, किन्नौर, कुल्लू, ऊना, मंडी, सिरमौर और शिमला जिले फ्लैश फ्लड, भूस्खलन, बादलों के फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति ज्यादा संवेदनशील हैं। हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति तथा किन्नौर में सबसे ज्यादा भूस्खलन की घटनाएं देखने को मिलती हैं। हर वर्ष प्रदेश सरकार तथा आम जनमानस को करोड़ों रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसे में बढ़ती भूस्खलन की घटनाओं का विश्लेषण करना अनिवार्य हो गया है। वर्तमान समय में हिमाचल के लोगों का रहन-सहन, खानपान, आवागमन तथा पहनावा आधुनिकता की चकाचौंध का मोहताज होता जा रहा है। आज प्रदेश के पहाड़ों को कुछ चंद जरूरतों को पूरा करने के लिए बेरहमी से कुरेदा जा रहा है। प्रदेश में असंख्य हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, फोरलेन का निर्माण तथा हर गांव, कस्बे, शहर में पहाड़ों को चीरने-फाडऩे की प्रक्रिया तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। हर कोई इन पहाड़ों को चीर करके अपनी सुख-सुविधाओं को बढ़ाने में लगा है। सरकार इस प्रक्रिया को विकास का नाम देती है, वहीं आम जनता इस प्रक्रिया को अपनी सुख-सुविधाओं की बुनियादी जरूरत बताती है। जब पहाड़ों के बीच से सडक़ मार्ग, हाइड्रो प्रोजेक्ट तथा सुरंगों के निर्माण के दौरान अत्यधिक विस्फोट किए जाते हैं जिससे पहाड़ जर्जर हो जाते हैं और बरसात के समय में जब उनमें थोड़ा सा पानी अंदर घुसता है तो वे भूस्खलन का रूप धारण करके प्रदेश के जनमानस के लिए आपदा पैदा करते हैं। इस समस्या को एक अनपढ़ व्यक्ति भी बड़ी सरलता से समझने में सक्षम है। लेकिन इस प्रदेश के कर्णधार इस बात को समझने के लिए कतई भी राजी नहीं हैं। इन पहाड़ों को कुरेदने से अच्छा होता आवागमन के अन्य विकल्पों को तलाशा जाता तथा पहाड़ों के साथ कम से कम छेडख़ानी की जाती।

> पहाड़ों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन तथा पानी का जलस्तर बढने के कारण अनेकों आपदाएं मानव जीवन को लील लेती हैं। 8, 9 तथा 10 जुलाई 2023 को हिमाचल प्रदेश में भयंकर बारिश हुई जिसके कारण प्रदेश को जान-माल के साथ करोड़ों रुपए का नुकसान भी झेलना पड़ा। सबसे ज्यादा रौद्र रूप ब्यास नदी ने धारण किया। इसके समीप बसे कुल्लू से लेकर मंडी तक के स्थानीय जनमानस को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। कुल्लू जिला में ब्यास नदी के समीप बने फोरलेन, अन्य मार्ग तथा स्थानीय लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। वहीं मंडी में वर्ष 1877 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा बनाए गए विक्टोरिया ब्रिज को भी इतिहास में पहली बार ब्यास नदी के जल ने छू लिया।

आतंकी हमले में 6 पाक सैनिक मारे गए : बलूचिस्तान में फौजी ठिकाने को निशाना बनाया, एक हफ्ते में दूसरी बार अटैक

क्वेटा।

पाकिस्तान में एक हफ्ते में दूसरी बार फौज पर हमला हुआ और इसमें 6 सैनिक मारे गए। यह अटैक बुधवार दोपहर बलूचिस्तान के झोब इलाके में मौजूद फौजी ठिकाने पर हुआ। पांच सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। इन्हें एयरलिफ्ट करके पेशावर मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया है।

पाकिस्तान मिलिट्री के मीडिया विंग इंटर सर्विसेस पब्लिक रिलेशन्स ने हमले की पुष्टि की है। सात फरवरी को भी बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सैनिकों पर हमला हुआ था। इसमें एक मेजर समेत 4 सैनिक मारे गए थे। तब फौज ने इसकी पुष्टि नहीं की थी।

आराम कर रहे थे फौजी – कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि झोब में मौजूद फौजी ठिकाने पर हमला उस वक्त हुआ जब कुछ फौजी शिफ्ट पूरी करने के बाद आराम करने पहुंचे थे। इसी दौरान यहां आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। फौजियों ने भी जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आतंकियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। फायरिंग के बाद 6 सैनिकों के शव बरामद हुए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह संख्या 4 बताई गई है। 5 सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। फौज के मुताबिक– आतंकियों ने फौजी ठिकाने के चारों तरफ बनी बाउंड्री वॉल के पीछे से फायरिंग की। इस वजह से उन्हें नुकसान नहीं हुआ। दूसरी तरफ, सभी सैनिक एक खुली जगह थे। आतंकियों के पास भारी हथियार थे। फौज ने कहा– हमले के बाद वहां एक और यूनिट को भेजा गया है। पूरा इलाका सील कर दिया गया है। यहां हर घर तलाशी भी ली जा रही है। फौज का दावा है कि तीन आतंकी मारे गए हैं, लेकिन लोकल मीडिया की रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सभी आतंकी भागने में कामयाब रहे।

पुलिस ने पहले ही अलर्ट किया था – एक रिपोर्ट के मुताबिक– झोब के पुलिस कमिश्नर ने कुछ दिन पहले फौज को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी थी। इसमें फौज को किसी हमले का अलर्ट दिया गया था। कमिश्नर अजीम काकड़ ने कहा– बुधवार के हमले में एक महिला की भी मौत हुई है। वो आतंकियों और फौज के बीच फायरिंग में फंस गई थी। पुलिस के मुताबिक– जिस वक्त फायरिंग हो रही थी, उस वक्त डेरा इस्माइल खान इलाके से एक पैसेंजर बस भी आ रही थी। यह बस भी फायरिंग की चपेट में आ गई। हम भी पुख्ता तौर पर ये नहीं कह सकते कि कुल कितने आतंकियों ने हमला किया। फौज और पुलिस की कम्बाइंड टीम इसकी जांच कर रही है। पाकिस्तान में हालिया दिनों में आतंकी हमले बढ़े हैं। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में खास तौर पर हमले हुए हैं। खैबर में तालिबान और बलूचिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान की आर्मी इंटेलिजेंस यूनिट ने पिछले साल एक रिपोर्ट में कहा था कि तालिबान और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी मिलकर फौज को निशाना बना रहे हैं। पिछले साल नवंबर में तालिबान और फौज के बीच सीजफायर खत्म हो गया था। इसके बाद से फौज पर हमले तेजी से बढ़े हैं। इस महीने की शुरुआत में आर्मी व्हीकल को निशाना बनाया गया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी राज्य वर्मोन्ट में बाढ़ की वजह से इमरजेंसी: 2 दिन में हुई 2 महीने की बारिश; 41 हजार करोड़ तक के नुकसान की आशंका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राज्य वर्मोन्ट में तेज बारिश की वजह से बाढ़ आ गई है। इसके चलते डैम के ओवरफ्लो होने का खतरा बढ़ गया है। इमरजेंसी सर्विस ने अब तक 117 लोगों को रेस्क्यू कर लिया है। पानी के सैलाब की वजह से मंगलवार को राज्य में करीब 100 सड़कों को बंद कर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वर्मोन्ट में इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। राज्य के गवर्नर फिल स्कॉट के मुताबिक, वर्मोन्ट में पिछले 2 दिनों में इतनी बारिश हुई है, जितनी आमतौर पर 2 महीने में होती थी। न्यूयॉर्क, मैसाचुसेट्स, कनेटिकट में भी पिछले कुछ दिनों में 8 इंच तक बारिश हो चुकी है। वर्मोन्ट के अलग-अलग शहरों में लोगों को घरों में ऊपर के फ्लोर्स पर शिफ्ट होने की सलाह दी जा रही है। बाढ़ की वजह से एक्यूवेदर कंपनी ने 3-5 अरब डॉलर (24-41 हजार करोड़) के आर्थिक नुकसान की आशंका जताई है। वेदर प्रिडिक्शन सेंटर ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के पूर्वोत्तर के ज्यादातर हिस्सों में 7 दिनों की कुल बारिश सामान्य स्तर के 300प्रतिशत से 500प्रतिशत तक रही। वहीं नेशनल वेदर सर्विस ने शुक्रवार को दोबारा बारिश की आशंका जताई है। हालांकि, उम्मीद की जा रही है कि इस बार ये इतनी मूसलाधार नहीं होगी। दूसरी तरफ पड़ोसी देश कनाडा में भी मूसलाधार बारिश के बाद करीब 600 लोगों को घर छोड़ना पड़ा। कनाडा की क्यूबेक सिटी में पिछले 48 घंटों में 5.5 इंच बारिश हो चुकी है, जिससे नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ता जा रहा है। वर्मोन्ट के शहर मोंटपेलियर में मौसम को देखते हुए ट्रैवल पर बैन लगा दिया गया।

चीन में सिंगल मदर्स का ट्रेंड: योग्य साथी न मिलना, जिम्मेदारियों के लिए वक्त न होना बड़ी वजह; देश में 1.95 करोड़ महिलाएं सिंगल मदर

बीजिंग। चीन के चांगचुंग प्रांत में रहने वाली 'गेविन ये' ने 29 साल की उम्र में फैसला किया कि वे मां बनना चाहती हैं पर शादी किए बिना। हालांकि चीन के मौजूदा कानूनों के चलते ऐसा संभव नहीं था, इसलिए उन्होंने अमेरिका और रूस जाकर आईवीएफ की मदद से दो बेटियों को जन्म दिया। पहली बच्ची 2017 में हुई थी। जबकि दूसरी हाल ही में हुई है। गेविन सोशल मीडिया पर 'ये हैयांग' नाम से चर्चित हैं। चीनी एप डॉयिन पर उनके 73 लाख फॉलोअर्स हैं। गेविन अब 35 साल की सिंगल मदर हैं। सोशल मीडिया पर अपनी व बेटियों की दिनचर्या शेयर करती हैं। साथ ही अपनी कॉस्मेटिक कंपनी के उत्पादों के बारे में भी बताती हैं। गेविन के प्रशंसक उनके रहन-सहन और सुंदर बच्चों के अलावा सिंगल पैरेंटिंग को बढ़ावा देने के लिए उनकी तारीफ करते हैं। उन्हें मैसेज करते हैं-पुरुष की शक्तिशाली आभा, महिला की सौम्यता, एक पिता की जिम्मेदारी और एक मां की महानता... आपके पास यह सब है। गेविन अकेली नहीं हैं, चीन में बिन ब्याही मां बनने का ये ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। कुल मिलाकर महिलाएं अब परिवार नियोजन से जुड़े फैसलों पर ज्यादा नियंत्रण और मानदंडों को दोबारा परिभाषित करने पर जोर दे रही हैं।

सबसे दर्दनाक बीमारी से पीड़ित 10 साल की मासूम: हल्का सा छू देने पर होता है असहनीय दर्द, क्या है कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम

ऑस्ट्रेलिया। एक 10 साल की मासूम को कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम नाम की बीमारी है। इस बीमारी के कारण जब कोई उसे हल्का सा छू भी लेता है तो उसके दाहिने पैर में असहनीय दर्द होता है। न तो वो नाहा सकती है, न ही कोई चादर या कपड़े पहन सकती है। दाहिने पैर पर ये झनझना देने वाला दर्द इस कदर हावी है कि अगर एक टिशू भी छू जाए, तो वो चीख उठती है। बच्ची का नाम बैला मेसी है। उसका पूरा समय या तो बिस्तर पर लेटे या फिर व्हीलचेयर पर अस्पताल जाते बीत रहा है। मेडिकल साइंस के मुताबिक, मानव जाति के लिए सबसे दर्दनाक स्थिति कहा जाता है। बैला का परिवार फिजी में फैमिली हॉलिडे माना रहा था जब उन्हें पता चला। फैमिली हॉलिडे के दौरान बैला के दाहिने पैर में मौजूद छाला इंफेक्टेड हो गया। इसके बाद बैला की हालत बिगड़ने लगी। उसकी कमर से लेकर पूरे दाहिने पैर में मूवमेंट होना बंद हो गया। जिस वजह से उसे व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ा। फिलहाल बेला के परिवार इस दुर्लभ बीमारी के इलाज के लिए अमेरिकी डॉक्टरों से सहायता मांगी है। हालांकि इसकी फीस बहुत ज्यादा है, ऐसे में वे अभियान के तहत लोगों से इलाज के लिए आर्थिक मदद मांग रहे हैं।

रूस का जंग खत्म करने का इरादा नही

पूर्व राष्ट्रपति बोले- नाटो की मदद से विश्व युद्ध का खतरा ; यूक्रेनी सरकार को हटाना जरूरी

मास्को।

रूस के विदेश मंत्री ने कहा है कि उनका फिलहाल जंग खत्म करने का कोई इरादा नहीं है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि रूस के साथ जंग के बीच यूक्रेन को नाटो से मिल रही लगातार मदद दुनिया को तीसरे वर्ल्ड वॉर के और करीब ले जा रही है। लिथुआनिया में हो रही नाटो समिट पर मेदवेदेव ने कहा- भले ही पश्चिमी देश लगातार यूक्रेन को मिलिट्री एड पहुंचा रहे हैं, लेकिन इससे रूस को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। रूसी मीडिया के मुताबिक, मेदवेदेव ने कहा- मॉस्को यूक्रेन से उस नए नाजी ग्रुप को हटाना चाहता है जो नाटो में जुड़ने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अब ऐसा मुमकिन नहीं लगता है। इसलिए अब यूक्रेन में सरकार को हटाना जरूरी हो गया है। पश्चिमी देश पागल हो चुके हैं इसलिए वो कुछ और नहीं सोच पा रहे। अब इसका कोई समाधान नहीं बचा है। तीसरा विश्व युद्ध करीब है।

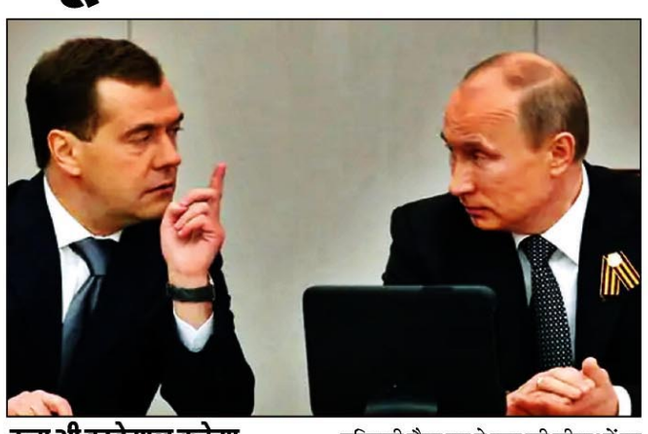

रूस भी इस्तेमाल करेगा क्लस्टर बम

वहीं अमेरिका के यूक्रेन को क्लस्टर हथियार देने के फैसले पर पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- यूक्रेन ने इन अमानवीय हथियारों को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। अगर जरूरत पड़ी तो रूस भी इनके इस्तेमाल से कतराएगा नहीं। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोउगू ने भी मंगलवार को कहा था कि अगर अमेरिका यूक्रेन को क्लस्टर वेपन भेजेगा तो वो भी इनका इस्तेमाल शुरू कर देंगे।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी मंगलवार को कहा था कि यूक्रेन में युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक पश्चिमी देश रूस को रणनीतिक तौर पर हराने के लिए यूक्रेन को मोहरा बनाना बंद नहीं करेंगे। अगर वो चाहते हैं कि ये जंग खत्म हो जाए, तो उन्हें रूस को हराने के ख्वाब देखने बंद करने होंगे।

वहीं अमेरिका में मौजूद रूस के ऐंबैस्डर एनाटोली एंटोनोव ने कहा- पश्चिमी सैन्य गुट ने रूस की सीमाओं पर सैनिकों को केंद्रित करने की योजना बनाई है। अब हमारे पास पीछे हटने का कोई ऑप्शन नहीं है।

पुतिन के अरेस्ट वारंट पर पूर्व राष्ट्रपति ने आईसीसी को दी थी धमकी

रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव को पुतिन का वफादार माना जाता है। वे 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति भी रह चुके हैं। 17 मार्च को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ आईसीसी ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के आरोप में अरेस्ट वारंट जारी होने के बाद मेदवेदेव ने कोर्ट को भी धमकी दी थी।

उन्होंने अपने टेलिग्राम अकाउंट पर लिखे स्टेटमेंट में आईसीसी को एक बेकार अंतरराष्ट्रीय संगठन बताते हुए वहां के जजों को मिसाइल हमले के लिए आसमान में नजर बनाए रखने की सलाह दी थी। मेदवेदेव ने कहा था- ये मुमकिन है कि नॉर्थ सी में रूसी वॉरशिप से निकली एक हाइपरसोनिक मिसाइल द हेग में आईसीसी के हेडक्वार्टर पर गिरे। कोर्ट के लिए इसे रोकना नामुमकिन होगा।

रूस-यूक्रेन कर रहे क्लस्टर बम का इस्तेमाल

ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक रूस और यूक्रेन दोनों ही जंग में क्लस्टर बमों का इस्तेमाल कर रहे हैं। 2022 में यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले इलाके में क्लस्टर बम दागे थे। इसमें 8 बेगुनाह नागरिकों की मौत हो गई थी। एचआरडब्लू की अधिकारी मैरी वेयरहेम के मुताबिक जंग में क्लस्टर बम के इस्तेमाल से लोगों की जान जा रही है और सालों तक जाती रहेगी।

क्या होते हैं क्लस्टर बम

क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है, जिसे हवा में रिलीज करने पर कई छोटे-छोटे बम निकलते होते हैं। ये छोटे बम साधारण बमों की तुलना में ज्यादा इलाके को प्रभावित करते हैं। ये खतरनाक इसलिए माने जाते हैं क्योंकि मुख्य बम से निकलने वाले कई सारे छोटे विस्फोटक निर्धारित लक्ष्य के आसपास भी नुकसान पहुंचाते हैं। ज्यादातर मामलों में इनकी चपेट में आम नागरिक भी आते हैं। इन्हें लड़ाकू विमानों के जरिए आसमान और तोपों के जरिए जमीन से भी दागा जा सकता है।

बम के फटने के बाद आसपास गिरने वाले छोटे विस्फोटक लंबे समय तक पड़े रह सकते हैं। ऐसे में जंग खत्म हो के बाद भी इनकी चपेट में आने से जान जा सकती है। यह विरोधी सैनिकों को मारने या उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मैक्सिकन परिवार के पांच लोगों की मौत, नेपाल दौरे से पहले आए थे भारत

काठमांडू।

पूर्वी नेपाल में माउंट एवरेस्ट के पास एक निजी वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर के मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार मैक्सिको के एक परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई।हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए पांच मैक्सिकन नागरिक नेपाल की यात्रा से पहले दर्शनीय स्थलों की सैर के लिए भारत आए थे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) के प्रबंधक ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि मनांग एअर के हेलीकॉप्टर 9एन-एएमवी ने मंगलवार सुबह 10 बजकर चार मिनट पर सोलुखुंबु जिले के सुरकी हवाई अड्डे से काठमांडू के लिए उड़ान भरी थी और सुबह 10 बजकर 13 मिनट पर 12,000 फुट की ऊंचाई पर अचानक संपर्क टूट गया। हेलीकॉप्टर सुदूर पहाड़ी इलाके सोलुखुंबु जिले के लिखुपिके ग्रामीण नगरपालिका के लामजुरा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टीआईए के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान दुर्घटनास्थल पर सभी छह लोगों के शव बरामद किए गए। ये लोग पर्वतीय क्षेत्र की हवाई यात्रा करने के बाद सुरकी से काठमांडू लौट रहे थे। मृतक पायलट की पहचान नेपाली नागरिक कैप्टन चेत बहादुर गुरुंग के रूप में हुई है। दुर्घटना में मारे गए पांच यात्रियों में से सभी मैक्सिको के नागरिक थे। सभी पांच विदेशी यात्री मैक्सिको के एक परिवार के थे, जिनकी पहचान फर्नांडो सिफुएंतिस (95), एब्रिल सिफुएंतिस गोंजालेज (72), लूज गोंजालेज ओलासियो (65), मारिया जोस सिफुएंतिस (52) और इस्माइल रिनकॉन (98) के रूप में हुई। इस परिवार ने भारत का भी दौरा किया था, क्योंकि मृतकों में से एक एब्रिल सिफुएंतिस गोंजालेज ने दुर्घटना से कुछ दिन पहले पांच जुलाई को ताज महल के सामने की अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की थी। मैक्सिको के एक अखबार के अनुसार, भारत में मेक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास ने कहा कि पीड़ित मूल रूप से नुएवो लियोन के परिवार के सदस्य थे। विदेशी मीडिया ने सालास के हवाले से कहा कि वास्तव में यह पांच लोगों का एक परिवार था, जो पर्यटक थे। वे नेपाल गए थे। इस परिवार में एक माता और पिता और उनके तीन बच्चे थे। माता-पिता और उनके बच्चे वयस्क थे।

अमेरिकी बच्चे पढ़ाई में पीछे: 8वीं तक के छात्र मैथ-रीडिंग में पिछड़े, रिकवरी के लिए साढ़े चार माह ज्यादा पढ़ाना होगा

वॉशिंगटन।

अमेरिका में आठवीं तक के स्कूली बच्चे अरबों डॉलर की राशि खर्च होने के बावजूद अपेक्षित शैक्षणिक फायदे हासिल नहीं कर पाए। मैथेमेटिक्स और रीडिंग में उनका प्रदर्शन और खराब हुआ है। कुछ मामलों में तो वे महामारी के बाद और भी पीछे जा रहे हैं। जबकि माना ये जा रहा था कि बच्चे तेज गति से सीख रहे होंगे। ये दावा गैर लाभकारी संस्था नॉर्थवेस्ट इवैल्यूएशन एसोसिएशन की देशव्यापी स्टडी में किया गया है। एक्सपर्ट कहते हैं- यह स्थिति तब है जब शिक्षा में सुधार व मानसिक सेहत संबंधी चिंताओं के समाधान के लिए स्कूलों को 10 लाख करोड़ रुपए का फंड दिया गया था पर नतीजे निराशा ही लाए। स्टडी के दौरान सरकारी स्कूलों के 67 लाख बच्चों के डेटा का विश्लेषण किया गया। इसके मुताबिक तीसरी ग्रेड के छात्रों को नुकसान कम हुआ, क्योंकि महामारी की दस्तक के वक्त वे केजी में थे। बाकी छात्र तो प्री-कोविड से भी कमजोर हुए। रिसर्चर कैरन लुईस कहते हैं- भले ही आपात स्थिति नहीं है, पर बच्चे अब तक नतीजे भुगत रहे हैं। यानी रिकवरी जल्द और आसान नहीं है। नियमित क्लास के अलावा पढ़ाई करनी होगी लुईस कहते हैं- एक छात्र को मैथ में प्री-कोविड स्तर पर पहुंचने के लिए औसत साढ़े चार माह की अतिरिक्त पढ़ाई और रीडिंग के लिए औसत 4 माह ज्यादा देना होंगे। यह नियमित क्लास के अलावा है। आमतौर पर बड़े छात्रों की सीखने की स्पीड धीमी होती है, इसलिए उन्हें ज्यादा संघर्ष करना होगा। हार्वर्ड के अर्थशास्त्री टॉम केन कहते हैं- छात्रों के लिए बदलाव लाने वाले प्रोग्राम तो शुरू किए गए पर इनमें कोई भी जरूरी या प्रभावी नहीं था। यानी रिकवरी को शुरू से ही कम महत्व दिया गया। अब चुनौती यह है कि 4 माह के इस अंतराल को कैसे खत्म करें। स्टडी में सुझाव दिया गया है कि सालभर तक हफ्ते में तीन बार हाईडोज्ड ट्यूशन (एक ट्यूटर को 4 छात्रों से जोड़ना) 4 माह की पढ़ाई के बराबर फायदा दे सकता है पर यह महंगा है। ताजा सर्वे बताता है कि 37प्रतिशत पब्लिक स्कूलों ने ही इस सिस्टम के लिए सकारात्मक रुख दिखाया, क्योंकि बड़ी संख्या में स्कूल अपने हिस्से का फंड खर्च कर चुके हैं।

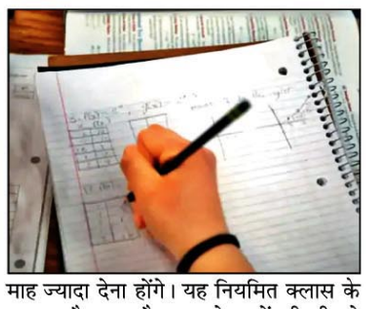

उत्तर कोरिया ने इस साल दागी 12वीं बैलिस्टिक मिसाइल, जापान तट रक्षक ने दी जानकारी

सियोल (दक्षिण कोरिया)।

उत्तर कोरिया द्वारा बुधवार को फिर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा, उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से पूर्वी सागर की ओर एक अनिर्दिष्ट बैलिस्टिक मिसाइल दागी। उत्तर कोरिया के पिछले प्रक्षेपण के बमुश्किल एक महीने बाद जापान की सेना ने भी इस प्रक्षेपण की सूचना दी है और इस साल यह उसका ऐसा 12वां प्रक्षेपण है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने घोषणा की है कि उन्होंने बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉन्च के संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी जासूसी विमान के अभियानों के खिलाफ उत्तर कोरिया के आरोपों के कारण उत्पन्न तनाव के बीच प्योंगयांग ने बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। जापान ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एनएचके) ने जापानी रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि मिसाइल को उड़ान भरते देखा गया। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया द्वारा अमेरिकी सैन्य गतिविधियों पर कड़ी शिकायत करने और अमेरिकी जासूसी विमानों पर हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के बाद हुआ है।

प्योंगयांग ने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा संचालित क्रूज मिसाइल पनडुब्बी की हाल ही में दक्षिण कोरिया की यात्रा की भी निंदा की थी। विदेशी समाचार एजेंसी ने बताया कि इससे पहले उत्तर कोरिया ने 15 जून को बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की थी। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने मंगलवार को बताया था कि उत्तर कोरिया ने अमेरिका पर आठ बार अवैध रूप से आर्थिक क्षेत्र में उड़ान भरने का आरोप लगाया है और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उत्तर कोरिया ने 2023 में अपनी पहली ठोस-ईंधन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया था और एक नए प्रक्षेपण वाहन पर अपने पहले जासूसी उपग्रह को लॉन्च करने का असफल प्रयास किया था। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, बार-बार अवैध घुसपैठ की स्थिति में अमेरिकी सेना को एक बहुत ही महत्वपूर्ण उड़ान का अनुभव होगा।उन्होंने यह भी दावा किया कि उत्तर कोरिया की संप्रभुता पर अतिक्रमण को नकारने के लिए दक्षिण कोरिया ने फिर से निर्लज्जतापूर्वक मोर्चा संभाला है और अभी भी उनका दावा है कि यह आरओके और अमेरिका की सामान्य उड़ान थी। किम यो जोंग ने कहा कि अमेरिकी वायु सेना के रणनीतिक टोही विमान ने कांगवोन प्रांत के थोंगचोन से 435 किमी पूर्व में समुद्र के ऊपर आकाश में उलजिन के 276 किमी दक्षिणपूर्व में 10 जुलाई को सुबह 5: 15 बजे से 13: 10 बजे तक उत्तरी क्योंगसांग प्रांत में हवाई जासूसी कार्रवाई करने के लिए आठ बार कोरिया के पूर्वी सागर में उत्तर कोरिया के आर्थिक जल क्षेत्र में अवैध रूप से घुसपैठ की। रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ने पहले हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के प्योंगयांग के आरोपों को खारिज कर दिया था और कहा था कि अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया है।पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, अमेरिका हमेशा की तरह अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ, जहां भी अंतरराष्ट्रीय कानून अनुमति देता है।

पाकिस्तान को सऊदी अरब से मिला 2 अरब डॉलर कर्ज

11 महीने बाद फैसला; आईएमएफ से डील पर भी लगेगी मुहर

इस्लामाबाद।

सऊदी अरब ने 11 महीने चली बातचीत के बाद आखिरकार पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर का नया कर्ज दे दिया है। मंगलवार को इसका ऐलान फाइनेंस मिनिस्टर इशहाक डार ने किया। डार ने इसके लिए सऊदी सरकार का शुक्रिया भी अदा किया। दूसरी तरफ, बुधवार का दिन पाकिस्तान के लिए अहम होने वाला है। बुधवार को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले 3 अरब डॉलर के लोन पर मुहर लगाएगा। इसके बोर्ड की मीटिंग होने वाली है।

डार ने क्या कहा – इशहाक डार ने मंगलवार को कहा- पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स रिजर्व में बढ़ोतरी हो रही है। सऊदी अरब ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के खजाने में 2 अरब डॉलर डिपॉजिट करा दिए हैं। हमारे प्राइम मिनिस्टर शाहबाज शरीफ और आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने इसके लिए काफी मेहनत की थी। हमारे दोस्त पाकिस्तान की मदद के लिए साथ खड़े हैं।

आईएमएफ की शर्त – आईएमएफ ने पिछले साल ही साफ कर दिया था कि पाकिस्तान को कर्ज तभी दिया जा सकता है जब वो किसी दूसरे देश से कम से कम 2 अरब डॉलर कर्ज ले और उसे अपने फॉरेन रिजर्व में बतौर गारंटी मनी डिपॉजिट करे। शाहबाज शरीफ सरकार ने इस शर्त को पूरा करने के लिए तीन देशों से मदद मांगी। ये थे- चीन, और सऊदी अरब। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने कुछ महीने पहले शाहबाज शरीफ से वादा किया था कि वो पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर लोन देंगे। हालांकि, शाहबाज के देश लौटने के बाद प्रिंस ने वादा पूरा नहीं किया। इसके बाद आर्मी चीफ ने सऊदी का दौरा किया और फिर मदद मांगी। इसके बाद भी सऊदी ने लोन नहीं दिया। पाकिस्तान के अखबार, ने पिछले महीने बताया था कि सऊदी अपने पैसे की गारंटी मांग रहा था। बहरहाल, बैक डोर डिप्लोमेसी रंग लाई और अब सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर दे दिए हैं। हालांकि, इसकी शर्तें पुरानी ही रहेंगी।

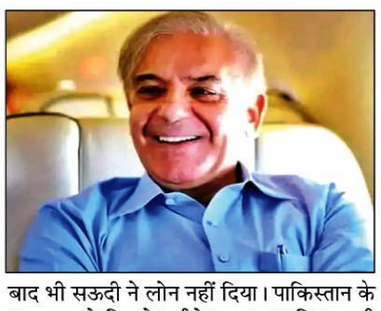

खाड़ी देशों को चाहिए गारंटी – एक रिपोर्ट के मुताबिक- आईएमएफ ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी थी। वो साफ कह रहा था कि पहले अपने सहयोगी देशों (चीन, सऊदी, यूएई और कतर) से 100प्रतिशत गारंटी दिलाइए, इसके बाद किश्त जारी की जाएगी। पिछले महीने शाहबाज शरीफ ने आईएमएफ चीफ से पांच मुलाकातें कीं और किसी तरह लोन हासिल करके मुल्क को दिवालिया होने से बचा लिया। ये देश कुछ और ही सोच रखते हैं। चारों ही देश अपने पैसे की गारंटी चाहते हैं। इसके लिए उनकी शर्त थी कि पाकिस्तान सरकार पहले आईएमएफ से गारंटी दिलाए। मतलब साफ है कि दोनों ही पक्षों ने पाकिस्तान को जबरदस्त उलझा दिया था। बहरहाल, अब सऊदी मदद ने पाकिस्तान की मदद कर दी है। चीन ने 2 अरब डॉलर का लोन रोल ओवर किया। यानी इसकी वसूली कुछ वक्त के लिए टाल दी। इसके बाद 500 मिलियन डॉलर कर्ज और भी दे दिया, लेकिन ये ऊंट के मुंह में जीरा समान है। आईएमएफ और दूसरे देशों के लिए फिक्र की एक बहुत बड़ी वजह पाकिस्तान पर चीन का कर्ज है। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन के प्राइवेट बैंकों से भी पैसा लिया है। इसकी शर्तें और ब्याज दर टॉप सीक्रेट है। पाकिस्तान की मुश्किल ये है कि अगर वो आईएमएफ और दूसरे देशों को यह शर्तें बता देता है तो चीन नाराज हो जाएगा और अगर शर्तें नहीं बताता तो आईएमएफ और दूसरे देश कर्ज नहीं देंगे। 2020 में जब सऊदी ने पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर और उधार पर तेल दिया था, तब एक शर्त रखी थी। सऊदी ने कहा था कि वो 36 घंटे के नोटिस पर यह पैसा वापस ले सकता है। पाकिस्तान को ब्याज भी चुकाना होगा और यह सिर्फ गारंटी मनी होगी। मतलब, पाकिस्तान इसे खर्च नहीं कर सकेगा। इस बार भी शर्तों में बदलाव नहीं हुआ है।

पंजाब में बारिश से तबाही जारी

कई नदियों के तटबंध टूटे सीमावर्ती गांवों का संपर्क कटा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में बारिश से तबाही का दौर जारी है। राज्य की औद्योगिक राजधानी लुधियाना में बुड्ढा दरिया का तटबंध टूट गया है। सेना के जवान रातभर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे रहे। लुधियाना में ताजपुर रोड पर बसे गांव भूखड़ी कलां में एक और गंदे नाले पर बना पुल टूट गया है। यह पुल पिछली सरकार के समय करीब दो साल पहले ही बना था। अभी तक नाले पर बने तीन पुल टूट चुके हैं। उधर, गुरदासपुर में बाढ़ के पानी के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे कई गांवों का संपर्क कट गया है। दरिया का तटबंध टूटने से पानी तेजी से आसपास के इलाकों में घुस गया है। ताजपुर रोड पर कई डेयरियां पानी में डूब गई हैं। संगरूर जिले में मूनक के बीच घग्गर नदी का तटबंध दो जगहों पर टूट गया है। इसकी वजह से घग्गर नदी का पानी हरियाणा के फतेहाबाद के गांवों में पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। सिंचाई विभाग के कर्मचारी पानी रोकने के लिए प्रयासरत हैं। गुरदासपुर में रावी

नदी में बाढ़ आने से भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे कई गांव पंजाब से कट गए हैं। सेना के जवानों द्वारा रातभर रेस्क्यू आपरेशन चलाकर करीब 500 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इस दौरान भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने पंजाब सरकार को पत्र लिखकर सूचित किया है कि गुरुवार को भाखड़ा बांध के गेट खोले जाएंगे। इससे सतलुज नदी के अलावा अन्य खड्डु और निचले क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या उत्पन्न होगी। भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड द्वारा पंजाब सरकार को भेजे गए एक संदेश में कहा गया है कि भाखड़ा बांध में जलस्तर बढ़ने के कारण नंगल डैम में पानी छोड़ा गया है लेकिन डैम में पानी अधिक होने से 13 जुलाई को इसके गेट भी खोलने पड़ेंगे। भाखड़ा से मौजूदा रिलीज 19 हजार क्यूसेक है। पानी की अधिक आवक को देखते हुए 16 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ने का फैसला किया गया है। 13 जुलाई को टरबाइन के जरिए भाखड़ा से 10 घंटे में कुल 35 हजार क्यूसेक पानी रिलीज किया जाएगा। इससे सतलुज नदी में नंगल डैम से नीचे की ओर पानी छोड़ा जाना चाहिए और लगभग 20 हजार क्यूसेक के 640 क्यूसेक समेत इसे चरणों में बढ़ाया जाएगा। बीबीएमबी ने इस संबंध में पंजाब के रूपनगर, होशियारपुर और जालंधर आदि जिलों को अलर्ट कर दिया है।

सास, ससुर व पत्नी ने युवक पर किया तेज धार हथियार से हमला, अस्पताल में भर्ती

उधमपुर (हिंस)। कघोट क्षेत्र के रहने वाले एक युवक पर संदिग्ध परिस्थितियों में ससुराल पक्ष द्वारा तेजधार हथियार से हमला कर उसे घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी अनुसार एक युवक जिसकी पहचान मोहन लाल पुत्र धर्म चंद निवासी कघोट, रामनगर के रूप में की गई है तथा जो जिला अस्पताल उधमपुर में उपचाराधीन है द्वारा उसके ससुराल पक्ष पर उसे तेजधार हथियार के साथ हमला कर उसे घायल करने आरोप लगाया गया है। युवक द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि वह अपने ससुराल में अपने बच्चों से मिलने गया था लेकिन जैसे ही वह घर के अंदर घुसा उस पर उसकी पत्नी, ससुर, सास, व अन्य लोगों ने अंदर घुसते ही उसकी आंखों में मिर्ची डाल दी तथा उस पर हमला कर दिया। वहीं वह किसी तरह से वहां से जान बचाकर भागा तथा पुलिस के पास पहुंचा। यहां पर उसने मामले पूरी जानकारी दी। वहीं उसे उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

उदयपुरवाटी में बारूद फटने से एक महिला की मौत

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान में झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी कस्बे में एक कमरे में रखा बारूद फटने से एक महिला छत की पट्टियां तोड़ते हुए 25 फीट दूर दूसरे घर की छत पर जाकर गिरी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। शव क्षत विक्षत हो गया। घटना आज बुधवार सुबह की है। घटना के बाद लोगों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि पूरे उदयपुरवाटी में इसकी आवाज सुनाई दी। इससे मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। जानकारी अनुसार उदयपुरवाटी कस्बे में इस्लामिया मदरसा के नजदीक पटाखा बनाने वाले मुस्लिम शौरगर के घर में हादसा हुआ था। सुबह परिवार के सभी लोग अपने-अपने काम में लगे हुए थे। अफरीन (27) पत्नी जावेद भी अपने कमरे में कुछ कर रही थी। इस दौरान जोरदार विस्फोट हुआ। सूचना मिलने पर एएसआई रामसिंह मय जाब्ते के मौके पर पहुंच गए। उन्होंने शव को उदयपुरवाटी सीएचसी स्थित मोर्चरी में रखवाया है। यहां करीब पांच-सात परिवार एक ही मकान में रहते हैं। मृतका अफरीन का पति जावेद सांप पकड़ने का काम करता है। शादी विवाह के मौके पर रेडीमेड पटाखों की दुकान को चलाकर मजदूरी भी कर लेता है। उसके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अयाज करीब साढ़े तीन साल का है तथा छोटा बेटा अदनान छह माह का है। जिस घर में बुधवार को हादसा हुआ है। उस घर में करीब 20 साल पहले भी हादसा हुआ था। उस समय विजय दशमी से पहले परिवार को रावण बनाने का आर्डर मिला था। रावण बनाने का काम चल रहा था। इस दौरान विस्फोट से मकान ढह गया। जिसमें परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई थी। उदयपुरवाटी थाने के एएसआई राम सिंह ने बताया कि मुस्लिम मदरसा के नजदीक जावेद के घर में हादसा हुआ है। क्षत-विक्षत शव पड़ोसी के घर की छत पर मिला है। विस्फोटक सामग्री के ब्लास्ट से हादसा होने की सूचना है, लेकिन अभी हादसे के कारण के बारे में कुछ नहीं कह सकते।

प्रशासन अलर्ट, किसी भी व्यक्ति को नहीं रहने दिया जाएगा असुरक्षित : उपायुक्त नेहा सिंह

पलवल (हिंस)। हथनी कुंड और ओखला बैराज से यमुना नदी में पानी छोड़े जाने तथा निरंतर हो रही बारिश के दृष्टिगत उपायुक्त नेहा सिंह ने जिला में यमुना नदी में जल स्तर बढ़ने पर बुधवार को इंद्रानगर, मोहबलीपुर, अच्छेजा आदि गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें सावधानी बरतने व सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग प्रशासन की ओर से जारी की जाने वाली सभी हिदायतों की पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने यमुना के साथ लगते सभी गांवों के ग्रामीणों से भी सहयोग करने की अपील की। डीसी नेहा सिंह ने इस मौके पर ग्रामीण महिलाओं को भी जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों से बात करके उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पेंडिंग कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करें। नालों की साफ-सफाई सहित पानी निकासी के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। इस संबंध में लोगों को भी जागरूक करने का कार्य

किया जाए। उन्होंने जिला प्रशासन सहित सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि इस दौरान बिना अनुमति के कोई भी अपना हेडक्वार्टर नहीं छोडेगा और पूरी मेहनत से एकजुटता के साथ अपने-अपने कार्यों में संलग्न रहेंगे। । उपायुक्त ने कहा कि यदि आपदा की स्थिति पैदा होती है तो गांव इंद्रानगर के निवासियों के रहन-सहन की सुविधा गांव अच्छेजा के राजकीय पाठशाला में करवा दी जाएगी। इसके अलावा ग्राम सचिव के कार्यालय सहित विद्यालय में लोगों के आश्रय स्थल बनाने के लिए भी जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

मकान की छत गिरने से तीन की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। फरीदकोट जिले के शहर कोटकपूरा में बुधवार सुबह एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे का मुख्य कारण तेज बरसात बताई जा रही है। बरसात के कारण कच्चे मकान की छत गिरने से यह हादसा हुआ है। कोटकपूरा शहर के देवीवाला रोड स्थित बिजली घर के सामने गली नंबर 6 निवासी गगनदीप सिंह परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। सुबह के समय छत गिरने से परिवार के सभी सदस्य उसमें दब गए। लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया और उपचार के लिए गुरु गोविंद सिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल फरीदकोट ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की शिनाख्त करनजीत कौर, उसके चार साल के बेटे गैवी और पति गगनदीप सिंह के रूप में हुई है। मृतका करनजीत कौर छह माह की गर्भवती थी।

हरियाणा हांसी-बुटाना के साइफनों की सफाई करवाता तो पंजाब में बाढ़ न आती : जौड़ामाजरा

पटियाला (हिंस)। पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने हांसी-बुटाना नहर के नीचे घग्गर पर बनाए गए साइफनों की समय पर सफाई करवा दी होती तो पंजाब क्षेत्र के गांव बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित न होते। कैबिनेट मंत्री बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करने के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार को पहले ही साइफनों की सफाई करवानी चाहिए थी। अगर साइफन की सफाई कराई गई होती तो यह नौबत ना आती। कैबिनेट मंत्री जौड़माजरा ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे संबंधी पटियाला की डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी को कैथल के डिप्टी कमिश्नर से बात करने के लिए कहा है। उन्होंने आज समाना क्षेत्र के प्रभावित गांवों धरमेड़ी, घिउरा, कमासपुर, धनौरी, नवां गांव, बीबीपुर, गाजीसलार, राजला, ड्रौला, ड्रौली, भानरा, भानरी, मैण, सस्सा गुजरां, सस्सा थेह, मांगटां, समसपुर का दौरा किया। इस दौरान मंत्री ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उसके बाद जिला प्रशासन को यहां नाव और अन्य राहत सामग्री भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से जलभराव होने पर जिला प्रशासन के बनाए गए सुरक्षित

स्थानों पर जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा करहाली साहिब में रहने की व्यवस्था की गई है तथा और भी जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार और स्वयं प्रभावितों के साथ हैं। वह अपने क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित 50 से अधिक गांवों का लगातार दौरा कर ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। मंत्री जौड़माजरा ने कहा कि पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के कारण रोपड़, डेरा बस्सी, राजपुरा, घनौर, सनौर, समाना, शुत्राणा, नाभा के अलावा संगरूर से गुजरने वाली घग्गर और अन्य नदियों में बेहिसाब पानी आने से भारी तबाही हुई है।

उपायुक्त ऑफिस समेत कई जगह लिखे मिले खालिस्तानी नारे

चंडीगढ़ (हिंस)। अमेरिका में सड़क हादसे में मौत की खबरों को झुठलाते हुए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के समर्थकों ने बुधवार को पंजाब के बरनाला जिले में उपायुक्त कार्यालय तथा घरों के बाहर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिख दिए। इसके अलावा बरनाला में वन विभाग और सीएम भगवंत मान के सरकारी बैनर पर भी नारे लिखे गए हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पेंट से सभी नारों को मिटवाया है। बरनाला से हंडियाया रोड पर जाने वाली सड़क पर उपायुक्त कार्यालय और उनका घर है, जहां पर ये नारे लिखे मिले हैं। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी करके इसकी जिम्मेदारी ली है। पन्नू ने वायरल वीडियो में भारत में होने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप को रोकने की धमकी दी है। उधर, बरनाला में खालिस्तान के नारे लिखे जाने के बाद तुरंत जिला प्रशासन हरकत में आया। जहां खालिस्तान नारे लिखे गए थे, वहां उन्हें पेंट से पुतवा दिया गया। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पेयजल मुहैया करवाने के आदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग के मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने विभाग के उच्च अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की कोई किल्लत न आने दें। आज यहां महकमे के आला अफसरों के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशानुसार राज्य के बाढ़ प्रभावित लोगों को पीने वाले साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जिन इलाकों में पाइपों द्वारा पानी नहीं पहुंच सकता, वहां पर्याप्त संख्यां में पानी के टैंकर भेजे जाएं। जल आपूर्ति भवन, मोहाली में एक समीक्षा मीटिंग के दौरान जिम्पा ने कहा कि जिन इलाकों में

बाढ़ से नुकसान हुआ है, वहां के निवासियों की हर प्रकार की जरूरतों के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि इस मुश्किल घड़ी में सभी की तरफ से बहुत बढ़िया काम किया जा रहा है। कजौली वाटर वर्कस को बाढ़ के कारण पहुंचे नुकसान की पूर्ति समय पर करने के लिए उन्होंने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना भी की। जिम्पा ने कहा कि पंजाब में पानी आपूर्ति की जितनी भी स्कीमें बाढ़ से प्रभावित हुई हैं, जब तक वह पूरी तरह कार्यशील नहीं होतीं, तब तक उनके लाभार्थियों को वैकल्पिक तरीकों से पानी की आपूर्ति की जाए। इस मौके पर उन्होंने खास तौर पर चंडीगढ़, पटियाला, फतेहगढ़ साहिब, जालंधर और लुधियाना सर्किलों के अधीक्षण अभियंताओं से उनके क्षेत्रों के बारे संपूर्ण जानकारी के लिए और जरूरू दिशा-निर्देश जारी किये। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में बाढ़ का खतरा बरकरार है, वहां पहले से ही जल आपूर्ति स्कीमों की मोटरों/ट्यूबवेलों को बाढ़ के पानी से बचाने के लिए पुख्ता कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को क्लोरीन वाला पानी मुहैया करवाया जाए, जिससे यह पीने योग्य बने। बैठक में जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग की प्रमुख सचिव जसप्रीत तलवार और विभाग प्रमुख मोहम्मद इशफाक तथा विभाग के अन्य उच्च अधिकारी और फील्ड अधिकारी उपस्थित थे।

लिपिकों की हड़ताल से अस्त-व्यस्त होने लगा कामकाज

हिसार (हिंस)। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित सीएडब्ल्यूएस के बैनर तले लिपिकीय वर्ग की अनिश्चितकालीन हड़ताल से अब कार्यालयों का कामकाज अस्त-व्यस्त होने लगा है। कार्यालयों में अपने काम से आने वाले लोगों को हड़ताल की वजह से परेशानी होने लगी है वहीं लिपिकों का धरना बुधवार को आठवें दिन भी जारी रहा। आठवें दिन कई अन्य संगठनों ने भी लिपिकों के आंदोलन को समर्थन दिया। धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान जितेन्द्र श्योराण ने कहा कि एसोसिएशन को अलग-अलग विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, सेवानिवृत कर्मचारियों व अन्य संगठनों का समर्थन मिल रहा है। हमारी सिर्फ एक ही मांग है जो तथ्यों पर आधारित है। सरकार हमारे कार्य की समीक्षा के आधार पर

वेतनमान हमें दे। उन्होंने कहा कि आज दो हजार से ज्यादा लिपिक हड़ताल में शामिल हुए हैं। लघु सचिवालय के समक्ष धरने पर बैठे लिपिकीय वर्ग की एकमात्र जायज मांग उनका हक 35400 है। जब तक सरकार उनके वेतनमान में बढ़ोतरी नहीं करती है तब तक लिपिकीय वर्ग का अपने-अपने विभागों में कार्य पर जाना मुश्किल लग रहा है। हरियाणा कर्मचारी महासंघ के जिला महासचिव देशराज वर्मा ने कहा कि सरकार को अपनी हठधर्मी छोड़कर कर्मचारियों की मांग को सुनना चाहिए। पूर्व प्रधान नरेश गोयल ने कहा कि आम जनता की सेवा करने वाली सरकार आज आम जनता को परेशान कर रही है, सरकार को तानाशाही रवैया नहीं अपनाना चाहिए। धरने की अध्यक्षता राजकुमार उप अधीक्षक, प्रधान रामनिवास वर्मा, महासचिव पुनित खुराना, राहुल लिपिक तथा प्रदीप कुमार लिपिक ने की जबकि मंच संचालन रवि शंकर ने किया। सुनील गुर्जर राज्य खजांची, प्रवीण गोयल सीएडब्ल्यूएस महामंत्री, उपायुक्त कार्यालय के प्रधान राजेश घोटिया, शिक्षा विभाग से मनदीप ढिल्लों, रोडवेज से सुभाष ढिल्लो, जगबीर सिंह पूनिया, सोमबीर सिंह, गुजवि से मुकेश जांगड़ा व दीपक जांगड़ा टीम सीएडब्ल्यूएस, उपायुक्त कार्यालय के हरि सिंह (पीए) उपायुक्त तथा सुरेश शर्मा ने संबोधित किया।

आरएसएस पर दिया गया डोटासरा का बयान मानसिक दिवालियापन : देवनानी

अजमेर (हिंस)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर दिए गए बयान को उनका मानसिक दिवालियापन बताया है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस की सोच शुरू से ही राष्ट्रवाद और राष्ट्रवादी सोच के खिलाफ रही है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस ने जब-जब संघ को कोसा है तब-तब संघ ने अपने आप को अधिक विस्तार दिया है। देवनानी ने कहा की कांग्रेस का हाल विनाश काले विपरीत बुद्धि वाला हो गया है। इसलिए उनके नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं। डोटासरा कभी नाथी का बाड़ा बोलते है तो कभी आरएसएस को बिल के घुसा देने जैसा बयान देते है। देवनानी ने कहा की आरएसएस को समाप्त करने की बात करने वाले खुद ही समाप्त हो गए हैं लेकिन संघ राष्ट्रवाद के साथ लगातार आगे बढ़ता जा रहा है। देवनानी ने कहा की कांग्रेस शुरू से संघ के खिलाफ जहर उगलती आई है और कई बार उस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिशें हुई, पंडित नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक ने संघ पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया लेकिन संघ ने राष्ट्र प्रथम की नीति के साथ समाजसेवा में अपने काम को जारी रखा है। देवनानी ने कांग्रेस मंत्रिमंडल के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के देवी सीता को लेकर दिए बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए कांग्रेस हमेशा से धार्मिक भावनाएं भड़काने का काम करती आई है। कांग्रेस का हाल खिसियानी बिल्ली खंभा नोंचे जैसी हो गई है।

दो बहनों के साथ दहेज प्रताड़ना आठ के खिलाफ मामला दर्ज

पलवल (हिंस)। दहेज के लालचियों के द्वारा दो सगी बहनों को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। दहेज में प्लाट व गाड़ी की मांग कर अप्राकृतिक संबंध बनाने व विरोध करने पर मारपीट कर दूसरों से शारीरिक संबंध बनाने का दबाब देने की शिकायत पुलिस को मिली है। पुलिस ने दोनों बहनों के पतियों सहित आठ के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दो बहनों ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनकी शादी कैंप थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दो सगे भाइयों के साथ दिसंबर 2021 में हुई थी। शादी के बाद से दोनों के पति, सास, ससुर, देवर व ननद ने दहेज में प्लाट मांगे और उसे चुप रहने की धमकी दी, जबकि उसकी दूसरी बहन के साथ मारपीट की तो उसका पति उसे अपने साथ गुजरात ले गया। आरोप है कि दूसरी बहन के पति ने उस पर दबाव बनाया कि वह उसके पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बनाए। पार्टनर ने उसके साथ जबरदस्ती की, लेकिन उसने जैसे-तैसे उससे अपनी इज्जत बचाई। उसके पति ने कहा कि उसने तो किसी अन्य लड़की से शादी कर रखी है और उसे वापस पलवल भेज दिया, जिसके बाद उक्त आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर जेवरात लूट लिए और घर से निकाल दिया। उनके परिजन उनकी ससुराल पंचायत लेकर आए तो पंचायत में एक मौका और देने की बात कही, लेकिन उसके बावजूद भी ससुरालजनों का रवैया वही रहा। आरोप है कि सास ने अपने छोटे बेटों से पांच लीटर कैन में पेट्रोल मंगवा कर रख लिया और कहा कि दोनों पर डालकर आग लगा देंगे तथा कह देंगे कि खुद जलकर मर गईं। उन्होंने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट कर जेवरात लूट लिए और घर से निकाल दिया। जांच अधिकारी ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित दोनों बहनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांवड़ यात्रा को लेकर आठ ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आठ ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जिलाधीश ने जिला फरीदाबाद में आगामी 16 जुलाई तक होने वाली कांवड़ यात्रा के निर्बाध रूप से संपन्न कराने व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तथा किसी भी प्रकार की अनहोनी से तत्परता से निपटने के लिए 8 ड्यूटी मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की है। उन्होंने बताया कि एसएचओ सराय ख्वाजा, एसएचओ पल्ला, एसएचओ सेक्टर-31 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए राकेश कुमार एसडीओ (इरिगेशन मैकेनिकल डिपार्टमेंट) फरीदाबाद को नियुक्त किया गया है। एसएचओ सेंट्रल, एसएचओ ओल्ड व एसएचओ सेक्टर- 17 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए मन्नू गर्ग एसडीओ (इरिगेशन मैकेनिकल डिपार्टमेंट), एसएचओ खेड़ीपुल, एसएचओ बीपीटीपी व एसएचओ भूपानी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए संदीप राठी

एसडीओ (एमसीएफ) फरीदाबाद, एसएचओ एनआईटी, एसएचओ कोतवाली व एसएचओ सूरजकुंड के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए अंकित भारद्वाज एक्सईएन (एफएमडीए) फरीदाबाद, एसएचओ सारन, एसएचओ डबुआ व एसएचओ सेक्टर-58 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए गजेंद्र एक्सईएन (पंचायत राज) फरीदाबाद, एसएचओ धोज, एसएचओ एसजीएम नगर व एसएचओ मुजेसर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए ओपी कर्दम एक्सईएन (एमसीएफ) फरीदाबाद, एसएचओ सिटी बल्लभगढ़, एसएचओ सदर बल्लभगढ़ व एसएचओ आदर्श नगर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए महेंद्र सिंह रावत, एई (एमसीएफ) फरीदाबाद, एसएचओ सेक्टर-8, एसएचओ तिगांव, एसएचओ छांयसा व एसएचओ ट्रैफिक के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए अमित चौधरी एई (एमसीएफ) फरीदाबाद को नियुक्त किया गया है।

फ्यूचर एंटरप्राइजेज के संभावित खरीदारों में रिलायंस रिटेल समेत तीन कंपनियां, 24 अगस्त तक देना है प्लान

नई दिल्ली। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) सहित तीन कंपनियों को फ्यूचर एंटरप्राइजेज लि. (एफईएल) के 'संभावित' खरीदार के रूप में चुना गया है। एफईएल अभी कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है। बता दें कि एफईएल फ्यूचर समूह की कंपनी है जो देश में देश में बिग बाजार ब्रांड नाम से खुदरा कारोबार का संचालन करती है। फ्यूचर एंटरप्राइजेज के समाधान पेशेवर ने तीन संभावित समाधान आवेदकों (पीआरए) की शुरुआती सूची को अंतिम रूप दे दिया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। इस सूची में आरआरवीएल (रिलायंस रिटेल) के अलावा स्टील कंपनी जिंदल (इंडिया), पॉलिएस्टर विस्कोस और कपड़े बनाने वाली कंपनी जीबीटीएल भी शामिल है। इन चयनित कंपनियों को अपनी समाधान योजना 24 अगस्त 2023 तक सौंपनी है। कंपनी के परिचालन ऋणदाताओं की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने इस साल मार्च में एफईएल के लिए कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू की थी। आरआरवीएल फ्यूचर समूह की एक अन्य प्रमुख कंपनी फ्यूचर रिटेल के संभावित खरीदारों में भी शामिल है। फ्यूचर रिटेल भी कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत है। एफईएल खुदरा, थोक, लॉजिस्टिक और भंडारगृह क्षेत्रों में काम करने वाली समूह की उन 19 कंपनियों का हिस्सा है, जिन्हें अगस्त, 2020 में घोषित 24,713 करोड़ रुपये के सौदे के तहत रिलायंस रिटेल को स्थानांतरित किया जाना था। सौदे के अनुसार सभी कंपनियों का एफईएल में विलय किया जाना था और फिर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई में इनका स्थानांतरण होना था पर पिछले साल अप्रैल में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने यह सौदा रद्द कर दिया था। उसके बाद एफईएल ने अपने कई गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर पर ब्याज भुगतान से चूक गई थी। फ्यूचर एंटरप्राइजेज द्वारा दी गई एक सूचना के अनुसार, समाधान पेशेवर को गारंटी वाले ऋणदाताओं से कुल 7,014.83 करोड़ रुपये के दावे प्राप्त हुए हैं। इसमें से 6,952.42 करोड़ रुपये के दावे मंजूर किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

बायजूस पर केंद्र सरकार का एक्शनः बायजूस की अकाउंट बुक्स की जांच के आदेश, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने छह हफ्तों में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश की सबसे बड़ी एजुकेशन-टेक्नोलॉजी कंपनी बायजूस की अकाउंट बुक्स की जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने छह हफ्तों में रिपोर्ट मांगी। पिछले महीने कंपनी के ऑडिटर और बोर्ड के तीन सदस्यों ने इस्तीफा दिया था। इस जांच के बाद कंपनी के मामलों का आंतरिक आंकलन किया जाएगा और निरीक्षण में जो सामने आएगा, उसके आधार पर सरकार फैसला लेगी कि क्या मामले को सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस के पास ले जाने की जरूरत है या नहीं। हालांकि, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और बायजूस की ओर से अब तक कोई जवाब सामने नहीं आया है। कंपनी की वैल्यू आखिरी फंडिंग राउंड में 22 मिलियन डॉलर थी। उसने डेट एग्रीमेंट की कुछ शर्तों का उल्लंघन करने के बाद अपने 1.2 बिलियन डॉलर टर्म लोन को रिस्ट्रक्चर करने के लिए दोबारा चर्चा शुरू की थी। एक समय पर देश के स्टार्टअप्स में कंपनी को अच्छे उदाहरण के तौर पर जाना चाहता था, लेकिन अब कंपनी ने हजारों नौकरियों में कटौती की है। इसके साथ कंपनी फाइनेंशियल क्राइसिस से निकलने के लिए एक अरब डॉलर से ज्यादा जुटाने की तैयारी कर रही है। बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन के साथ कुछ मसलों पर मतभेद की वजह से कुछ दिन पहले बोर्ड के कुछ अहम सदस्यों ने इस्तीफे दे दिए। जिन लोगों ने इस्तीफे दिए हैं, उनमें जीवी रविशंकर, विवियन वू और रसेल ड्रेसनस्टॉक शामिल हैं। रविशंकर सिकोया कैपिटल के प्रतिनिधि थे।

गूगल ने पानी-पुरी के लिए इंटरैक्टिव डूडल बनायाः एनिमेटेड गेम खेलने और पसंदीदा पानी-पुरी सिलेक्ट करने का ऑप्शन

नई दिल्ली। सर्च इंजन गूगल बुधवार (12 जुलाई) को पापुलर साउथ एशियन स्ट्रीट फूड पानी-पुरी को इंटरैक्टिव डूडल के माध्यम से सेलिब्रेट कर रहा है। गूगल ने इंटरैक्टिव डूडल में एनिमेटेड गेम खेलने और अपनी पसंद की पानी-पुरी सिलेक्ट करने का ऑप्शन दिया है। सबसे अधिक फ्लेवर में पानी-पुरी सर्व करने का वर्ल्ड रिकार्ड बनाया था। यह इवेंट मास्टर शेफ नेहा शाह के गाइडेंस में हुआ था, जिसमें 51 फ्लेवर में पानी पुरी सर्व किया गया था। गूगल ने अपने डूडल ब्लॉग में इसके बारे में भी जानकारी दी है। जब आप गूगल डूडल पर क्लिक करते हैं तो उसमें 2 ऑप्शन दिखाई देते हैं। किसी एक ऑप्शन में क्लिक करने पर गेम शुरू हो जाता है और अलग-अलग फ्लेवर की पानी-पुरी दिखाई देती है। इन्हीं पानी-पुरी के जरिए आप गेम खेल सकते हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों में पानी-पुरी का अलग-अलग नाम है। कहीं इसे गोल गप्पे तो कहीं पुचका सहित अन्य नामों से जाना जाता है। इसके साथ ही महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में उबले चने, सफेद मटर, आलू की स्टफिंग और मसालेदार पानी के साथ पानी-पुरी मिलते हैं। वहीं, पंजाब, जम्मू-कश्मीर और नई दिल्ली सहित उत्तर भारतीय राज्यों में आलू, चने की स्टफिंग और जलजीरा के स्वाद वाले पानी-पुरी मिलते हैं। हालांकि, पूरे भारत में छोटे-छोटे वेंडर्स अलग-अलग टेस्ट के साथ पानी-पुरी बेचते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई सांसदों से मेटा ने कहा- चीन की नीति है विदेशों में कलह पैदा करने की

सिडनी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'मेटा' ने ऑस्ट्रेलियाई सांसदों को बताया कि चीन से फर्जी

फेसबुक खातों के नेटवर्क चलाए जा रहे हैं, जो विदेशों में कलह पैदा करने की नई नीति अपना रहे हैं। विदेशी दखल की सीनेट जांच का सामना करते हुए मूल कंपनी मेटा के अधिकारियों ने कहा, गत 7 माह में चीनी नेटवर्क द्वारा रणनीति में उल्लेखनीय बदलाव हुआ है। मेटा प्रवक्ता जोश माचिन ने कहा कि चीनी फेसबुक खातों के समन्वित नेटवर्क पत्रकारों, दान और जनसंपर्क फर्मों को लक्षित कर जनता की राय को प्रभावित कर रहे हैं। सांसदों की पूछताछ में माचिन ने कहा, हम रणनीति की नई श्रृंखला विकसित होते देख रहे हैं। मेटा ने हाल ही में यूरोप में समन्वित दुष्प्रचार अभियान चलाने वाले चीनी नेटवर्क से संबंधित दर्जनों फेसबुक खातों को हटा दिया है। नेटवर्क प्रवासियों और एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ताओं पर हमला करने वाली भड़काऊ सामग्री साझा कर रहा था।

जून में रिटेल महंगाई 4.6प्रतिशत पर पहुंच सकती है

मई में 25 महीने के निचले स्तर 4.25प्रतिशत पर आ गई थी

नई दिल्ली। जून महीने की रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। मई के ग्रोथ के आंकड़े भी आएंगे। मई महीने में रिटेल महंगाई 25 महीने के निचले स्तर 4.25प्रतिशत पर पहुंच गई थी। एनालिस्ट जून महीने में सब्जियों की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़कर 4.6प्रतिशत होने की संभावना जता रहे हैं। असमान मानसूनी बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिससे दाम बढ़े हैं।

हालांकि महंगाई के पूरे वित्त वर्ष में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, यानी आरबीआई के अपर टॉलरेंस लिमिट 6प्रतिशत से नीचे ही रहने की संभावना है। आरबीआई की महंगाई की निचली टॉलरेंस लिमिट 2प्रतिशत है। रिपोर्ट के जुलाई वर्जन में कहा कि खाने-पीने के सामानों की महंगाई का बढ़ना एक मौसमी घटना है। ये मैनेजेबल है।

महंगाई दर मई में घटकर 4.25प्रतिशत पर आ गई थी - देश में फुटकर महंगाई दर मई में घटकर 4.25प्रतिशत पर आ गई थी। यह 25 महीनों में महंगाई का सबसे निचला स्तर था। अप्रैल 2021 में महंगाई 4.23प्रतिशत रही थी। खाने-पीने की चीजों के दाम में गिरावट के कारण महंगाई में यह कमी आई थी। इससे पहले अप्रैल 2023 में रिटेल महंगाई दर 4.70प्रतिशत रही थी। ग्रामीण महंगाई दर 4.68प्रतिशत से घटकर 4.17प्रतिशत पर आ गई थी। शहरी महंगाई दर 4.85प्रतिशत से घटकर 4.27प्रतिशत पर आ गई थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाने-पीने की चीजों की होती है। मई में खाद्य महंगाई दर घटकर 2.91प्रतिशत पर आ गई थी। अप्रैल 2023 में यह 3.84प्रतिशत और मार्च में 4.79प्रतिशत रही थी।

महंगाई घटना इकोनॉमी के लिए अच्छा संकेत - महंगाई को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसका घटना इकोनॉमी के लिए अच्छा संकेत है। सप्लाई चेन में सुधार और कमोडिटी की कीमत में राहत का भी फायदा मिला था। हालांकि, जून में हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता और

अनिश्चितता अभी भी बरकरार है।

सीपीआई क्या होता है - एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है - महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

आरबीआई कैसे कंट्रोल करती है महंगाई - महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ाता है। जैसे आरबीआई ने अप्रैल और जून में रेपो रेट में इजाफा ना करने का फैसला किया था। इससे पहले आरबीआई ने रेपो रेट में लगातार 6 बार इजाफा किया था। आरबीआई ने महंगाई के अनुमान में भी कटौती की थी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है - महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

आरबीआई ने कहा- महंगाई पर अर्जुन की नजर रखने की जरूरत - आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई पर अर्जुन की नजर बनाए रखने की जरूरत को दोहराया था। उन्होंने कहा था कि महंगाई अभी भी 4प्रतिशत के टारगेट से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई 4प्रतिशत के ऊपर ही रहने की संभावना है। आरबीआई ने महंगाई अनुमान को 5.2प्रतिशत से घटाकर 5.1प्रतिशत किया है।

विप्रो का एआई को लेकर बड़ा एलान

कंपनी 2.5 लाख कर्मचारियों की ट्रेनिंग पर खर्च करेगी 1 बिलियन डॉलर

नई दिल्ली। भारत की तीसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विस कंपनी विप्रो ने अपने स्टाफ को एआई ट्रेनिंग देने का एलान किया है। कंपनी ने अपने 2.5 लाख कर्मचारियों को एआई ट्रेनिंग देने के लिए 1 बिलियन डॉलर खर्च करेगी। कंपनी भविष्य में एआई टेक्नोलॉजी को अपने प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है।

क्या है एआई को लेकर विप्रो का प्लान

एआई ट्रेनिंग के साथ विप्रो अगले तीन सालों में अलग-अलग सेगमेंट के करीब 30 हजार कर्मचारियों को एक साथ काम करवाएगी।

विप्रो का कहना है कि कंपनी क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स, कंसल्टिंग और इंजीनियरिंग टीम्स को साथ काम करवाएगी, ताकि एआई टेक्नोलॉजी को कंपनी के सभी इंटरनल ऑपरेशन और क्लाइंट सॉल्यूशन के साथ इस्तेमाल किया जा सके।

एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करेंगे कर्मचारी

कंपनी ने एक स्टेटमेंट में कहा है कि 2.5 लाख कर्मचारियों को एआई का जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करना सिखाया जाएगा। कर्मचारियों के लिए यह ट्रेनिंग अगले 12 महीनों तक चलेगी। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी एआई के बेहतर इस्तेमाल के लिए कर्मचारियों को इस तरह की ट्रेनिंग देगी।

क्या है जनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी, क्यों लुभा रही कंपनियों को

दरअसल जनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी बीते साल के आखिरी महीने से ही बड़ी टेक कंपनियों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। बीते साल नवबंर में अमेरिका की एआई स्टार्टअप कंपनी ओपनएआई ने जनरेटिव एआई एप्लीकेशन चैटजीपीटी को पेश किया था। यह चैटबॉट मॉडल अपनी खूबियों से लुभाने में कामियाब रहा था।

वर्तमान में जनरेटिव एआई एप्लीकेशन की मदद से यूजर अपने रोजाना के कामों को आसानी से कर पा रहा है। जनरेटिव एआई एप्लीकेशन टेक्स्ट लिखने, म्यूजिक कम्पोज करने और डिजिटल आर्ट क्रिएट करने में मददगार हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी के साथ अर्थव्यवस्था में खरबों डॉलर बनाने की क्षमता देखी जा रही है। इस टेक्नोलॉजी को कंपनियां अपना कारोबार बढ़ाने के रूप में महत्वपूर्ण मान रही हैं।

भारत में 12.5-लाख तक की कारें सबसे ज्यादा बिक रहीं: 5 साल में 7.5 लाख से कम कीमत वाली कारों की सेल्स 58प्रतिशत से घटकर 30प्रतिशत हुई

नई दिल्ली। कार खरीदने का ट्रेंड बदल रहा है। पांच साल पहले देश में कारों की कुल बिक्री में 7.5 लाख रुपए से कम दाम के मॉडल की हिस्सेदारी 58प्रतिशत से ज्यादा थी। अब इनकी हिस्सेदारी करीब 50प्रतिशत घटकर 26-30प्रतिशत रह गई है। दूसरी तरफ 7.5-12.5 लाख की कॉम्पैक्ट और मिड साइज कारों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी बढ़कर 42-52प्रतिशत हो गई है। अब 7.5-25 लाख की कारों की बिक्री 67प्रतिशत हो गई है। वाहन कंपनियों के संगठन सियाम और ऑटोमोबाइल विश्लेषक जैटो डायनेमिक्स के ये आंकड़े दर्शाते हैं कि 2021-22 के मुकाबले 2022-23 और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी कार खरीदने को लेकर लोगों की पसंद तेजी से बदली है।

टच स्क्रीन इन्फोटेनमेंट ग्राहकों की पहली पसंद

स्ट्रेट रिसर्च के मुताबिक, 80प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक कार में टच स्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम चाहते हैं। करीब 98प्रतिशत नई कारों में एपल कार प्ले या एंड्रॉयड ऑटो इंस्टॉल्ड हैं। कार डीलरों के संगठन

फाडा के प्रेसिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि कारों में एलेक्सा जैसे वाइस असिस्टेंस की डिमांड बढ़ रही है। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट, इन्फोटेनमेंट, एबीएस जैसे फीचर भी डिमांड में हैं।

ये मॉडल सबसे ज्यादा लोकप्रिय - कॉम्पैक्ट और मिड साइज सेगमेंट में हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, टाटा नेक्सन और महिंद्रा थार।

इन फीचर्स की ज्यादा डिमांड - एपल कार प्ले, एंड्रॉयड ऑटो, वायरलैस कनेक्ट, इन्फोटेनमेंट 7-9 इंच स्क्रीन, बैक कैमरा और पार्किंग सेंसर।

ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग पर लगेगा 28प्रतिशत टैक्स: सिनेमाघरों में खाने-पीने की चीजें अब सस्ती मिलेंगी, जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में फैसला

नई दिल्ली। गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक में मंगलवार को ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कसीनो पर 28प्रतिशत टैक्स लगाने का फैसला किया गया। इन पर अब तक 18प्रतिशत टैक्स लगता था। सरकार ने गेम ऑफ स्किल और गेम ऑफ चांस को एक जैसा माना है। वहीं कैंसर की दवा डिनुटूक्सिमैब के इम्पोर्ट पर लगने वाले जीएसटी को भी हटाने की मंजूरी दी है।

सिनेमा हॉल में खाने-पीने की चीजों के बिल पर लगने वाले जीएसटी को कम करने की सिफारिश को भी मंजूरी मिली है। अब इनमें 18प्रतिशत के बजाय 5प्रतिशत जीएसटी लगेगा। रेयर डिजीज में इस्तेमाल होने वाले फूड फॉर स्पेशल मेडिकल पर्पज पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। मीटिंग के बाद फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने इन फैसलों की जानकारी दी।

एसयूवी एमयूवी पर 22प्रतिशत सेस लगाया जाएगा

एसयूवी एमयूवी पर 22प्रतिशत सेस लगाने का फैसला किया गया है। सेडान कारों को 22प्रतिशत सेस के दायरे से बाहर रखा गया है। बिना पके हुए स्नैक्स पर जीएसटी 18प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत किया है। स्लैग और फ्लाई ऐश पर जीएसटी 18प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत किया गया। इमिटेशन और जरी धागे पर जीएसटी 12प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत कर दिया है। प्राइवेट कंपनियों की ओर से सैटेलाइट लॉन्च सर्विस पर जीएसटी में छूट दी गई है। अपीलेट ट्रिब्यूनल बनाने को मिली मंजूरी जीएसटी काउंसिल ने फिटमेंट कमेटी के सभी सुझावों को मंजूरी दी। काउंसिल ने जीएसटी ट्रिब्यूनल बनाने को मंजूरी दी है। इससे जीएसटी से जुड़े विवादों का निपटारा जल्द से जल्द हो सकेगा। महाराष्ट्र ने राज्य में 7 अपीलेट ट्रिब्यूनल बनाने की मांग की है। 4 को पहले चरण में मंजूरी दी जाएगी, बाकी तीन को अगले चरण में हरी झंडी मिलेगी। रेयर बीमारियों की दवाएं या स्पेशल फूड काफी ज्यादा महंगे रेयर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं या स्पेशल फूड काफी ज्यादा महंगे होते हैं। इन्हें इंपोर्ट भी करना पड़ता है। सरकार ने अपने एक अनुमान में बताया था कि 10 किलोग्राम वजन वाले बच्चे के लिए कुछ क्रिटिकल बीमारियों के इलाज की एनुअल कॉस्ट 10 लाख रुपए से लेकर 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से ज्यादा हो सकती है। इसमें ट्रीटमेंट जीवनभर चलता है।

भारत में 4-5 सेमीकंडक्टर प्लांट लगाना चाहती है फॉक्सकॉन

45-50 दिनों में एप्लिकेशन सबमिट कर सकती है, दो दिन पहले वेंदांता से डील तोड़ी थी

नई दिल्ली।

ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन भारत में 4-5 सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करना चाहती है। फॉक्सकॉन ने वेदांता के साथ जॉइंट वेंचर तोड़ने के एक दिन बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री को इसके बारे में जानकारी दी है।

पिछले साल दोनों कंपनियों ने गुजरात में प्लांट लगाने के लिए राज्य सरकार के साथ 1.54 लाख करोड़ रुपए का साइन किया था। दोनों कंपनियां मिलकर सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले प्रोडक्शन प्लांट लगाने वाली थीं। फॉक्सकॉन ने कहा था कि वह भारत सरकार के मेक इन इंडिया लक्ष्यों का पूरा समर्थन करती है।

45-50 दिनों के अंदर फाइनल एप्लिकेशन सबमिट कर सकती है कंपनी

रिपोर्ट में मिनिस्ट्री के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि फॉक्सकॉन सभी प्रोसेस पहले से जानती है, इसलिए अगले 45-50 दिनों के अंदर फाइनल एप्लिकेशन सबमिट कर ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकती है। इस मामले से परिचित एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट गुजरात में स्थापित कर सकती है।

जुलाई में की थी सेमीकंडक्टर पॉलिसी अनाउंस

जुलाई 2022 में गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2022-27 की अनाउंसमेंट की थी, जिसके तहत सरकार ने राज्य में सेमीकंडक्टर या डिस्प्ले फैब्रिकेशन मैन्युफैक्चरिंग में इन्वेस्ट करने के इच्छुक लोगों के लिए बिजली, पानी और भूमि शुल्क पर भारी सब्सिडी देने का प्रस्ताव रखा था। सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स हब बनाने के लिए जरूरी है।

2021 में सेमीकंडक्टर मार्केट की वैल्यू थी 2.16 लाख करोड़

2021 में भारतीय सेमीकंडक्टर मार्केट की वैल्यू 2.16 लाख करोड़ रुपए (27.2 बिलियन डॉलर) थी। अब 2026 में इसे 5.09 लाख करोड़ रुपए (64 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने के लिए लगभग 19प्रतिशत से बढ़ने की उम्मीद है।

सेमीकंडक्टर चिप क्या होती है

सेमीकंडक्टर चिप सिलिकॉन से बनी होती है और सर्किट में इलेक्ट्रिसिटी कंट्रोल करने के काम आती है। ये चिप एक दिमाग की तरह इन गैजेट्स को ऑपरेट करने में मदद करती है। इसके बिना हर एक इलेक्ट्रॉनिक आइटम अधूरा है। कंप्यूटर, लैपटॉप, कार, वॉशिंग मशीन, अस्पतालों की मशीन से लेकर हाथ में मौजूद स्मार्टफोन तक सेमीकंडक्टर चिप पर ही काम करते हैं।

कैसे काम करता है सेमीकंडक्टर

ये चिप इलेक्ट्रॉनिक आइटम को ऑटोमैटिकली ऑपरेट करने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, स्मार्ट वॉशिंग मशीन में कपड़े पूरी तरह धुलने के बाद ऑटोमैटिक मशीन बंद हो जाती है। इसी तरह कार में जब आप सीट बेल्ट लगाना भूल जाते हैं, तो कार आपको अलर्ट देती है। ये सेमीकंडक्टर की मदद से ही होता है।

फिल्म बवाल का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज

-प्राइम वीडियो ने ट्विटर पर शेयर किया ट्रेलर

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म के ओटीटी रिलीज से पहले, बवाल का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज हो गया। प्राइम वीडियो ने ट्विटर पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। ट्वीट में लिखा था, प्यार से बवाल तक का एक सफर! साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित बवाल, 21 जुलाई को प्रदर्शित होगी, ट्रेलर अभी रिलीज। बवाल का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और काफी चिंतन के बाद, यह फिल्म अब 21 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म, प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। बवाल का प्रीमियर पेरिस के प्रतिष्ठित सैले गुस्ताव-एफिल थिएटर में होगा। इसके साथ ही यह आयोजन स्थल पर प्रदर्शित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन जाएगी। फिल्म में वरुण धवन एक इतिहास शिक्षक की भूमिका निभाते हैं जो छात्रों को गलत इतिहास पढ़ाता है, जो बाद में बवाल का कारण बनता है। जान्हवी कपूर और वरुण पहली बार प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए एक साथ आए। इस फिल्म के ट्रेलर में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के बीच दिखाई गई लव स्टोरी को वर्ल्ड वॉर 2 से कनेक्ट किया गया है। जो अपने आप में काफी दिलचस्प है। दिखाए गए ट्रेलर में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के बीच रोमांटिक स्टोरी आगे जाकर एक बवाल का रूप लेती है। यही इस फिल्म की कहानी है। फिल्म का कॉन्सेप्ट काफी दिलचस्प और अलग है। जो दर्शकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। गौरतलब है कि फिल्म बवाल के निर्देशक नीतेश तिवारी हैं। जो इससे पहले आमिर खान के साथ दंगल और सुशांत सिंह राजपूत स्टारर छिछोरे जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म दे चुके हैं। अब उनकी ये फिल्म भी काफी दिलचस्प और अलग सी कहानी लेकर आ रही है। जिसे देखने के लिए फैंस भी एक्साइटेड हैं। साथ ही फिल्म में पहली बार वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बन रही है। ऐसे में दर्शकों के लिए ये एकदम फ्रेश जोड़ी होने वाली है। यह फिल्म 21 जुलाई के दिन ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

देश को कुछ अनपढ़ राजनेता चला रहे हैं : काजोल

-बयान पर ट्रोलिंग के बाद बचाव में आई एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि इस देश का दुर्भाग्य है कि इसे कुछ अनपढ़ राजनेता चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ये बताते हुए कोई गुरेज नहीं है कि इस देश को चलाने वाले नेताओं के अंदर कोई विजन नहीं है। इस बयान के बाद काजोल सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगीं। ट्रोलिंग बढ़ने पर एक्ट्रेस ने सफाई पेश की। काजोल ने कहा कि उनका इरादा किसी नेता को नीचा दिखाने का नहीं था। काजोल ने कहा कि कुछ नेता ऐसे भी हैं जो देश को आगे बढ़ाने के लिए रात-दिन लगे हुए हैं। काजोल इन दिनों अपनी वेब सीरीज द ट्रायल के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बात की। काजोल ने कहा- हमारे देश में बदलाव की रफ्तार काफी धीमी है। हम आज भी अपने ट्रेडिशन में खोकर रह गए हैं। मुझे ये कहते हुए खेद है लेकिन ये सच्चाई है कि हमारे ऊपर शासन करने वाले राजनेता अनपढ़ हैं। उनके पास कोई व्यू पॉइंट ही नहीं है। पढ़े-लिखे लोगों का नजरिया थोड़ा अलग होता है। वे लोगों से अलग सोच सकते हैं। जब इंसान पढ़ा-लिखा नहीं होगा तो उसकी सोच सीमित ही रह जाएगी। काजोल का ये स्टेटमेंट कुछ लोगों को रास नहीं आया। सोशल मीडिया पर कुछ ट्रोलर्स ने लिखा जो एक्ट्रेस खुद कॉलेज ड्रॉपआउट है, वो एजुकेशन की बात कर रही है। ट्रोलर्स ने कहा कि जिनका पति इतना बड़ा सेलिब्रिटी होने के बावजूद पान मसाला का एड कर रहा है, उनके मुख से ऐसी बातें शोभा नहीं देती। काजोल को लेकर सैकड़ों ट्वीट सोशल मीडिया पर देखने को मिले। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा कि तंबाकू और पान मसाला खाने से हर साल 10 लाख लोगों की मौत हो जाती है, जबकि आपके पति इसका ऐड करते हैं।

ट्रोलिंग इतनी ज्यादा बढ़ गई कि काजोल को सफाई में एक ट्वीट करनी पड़ी। काजोल ने ट्वीट में लिखा- मैं सिर्फ शिक्षा और उसके महत्व के बारे में बात कर रही थी। मेरा इरादा किसी को नीचा दिखाने का नहीं था। इस देश में कई महान नेता है, जो रात दिन हमारी बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा के साथ सुर्खियों में हैं। वे इसी सीरीज में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर दिखाई देंगी। ये एक कोर्ट रूम ड्रामा सीरीज है।

राजकुमार हिरानी की डंकी बिकी 155 करोड़ में, अबतक की ऐतिहासिक डील

मुंबई (ईएमएस)। राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म डंकी ने कमाई के मामले में अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। हालांकि अभी फिल्म रिलीज तो नहीं हुई लेकिन जियो सिनेमा ने 155 करोड़ में ओटीटी अधिकार खरीदे हैं। बता दें कि निस्संदेह राजकुमार हिरानी भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े निर्देशक हैं, जिन्होंने सामाजिक कॉमेडी क्षेत्र में क्लासिक्स के साथ दर्शकों का बार-बार दिल जीता है। उनकी अगली फिल्म डंकी है जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं और यह 2023 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 22 दिसंबर, 2023 को रिलीज होने के लिए तैयार है। जानकारी के अनुसार राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान ने जियो सिनेमा के साथ सबसे बड़ी पोस्ट-थिएट्रिकल डिजिटल डील की है। एक सूत्र के मुताबिक, डंकी के डिजिटल अधिकार जियो सिनेमा को 155 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में किसी एक भाषा में रिलीज हुई फिल्म के लिए सबसे बड़ी डील है। इसमें राजकुमार हिरानी के ब्रांड और शाहरुख खान के ब्रांड के एक साथ आने से काफी कुछ जुड़ा है। जानकारों का मानना है कि भारत के दो सबसे बड़े वैश्विक आइकन एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं जिससे वैश्विक प्रभाव पैदा करने की उम्मीद है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक की सबसे बड़ी पोस्ट-थियेट्रिकल डील हुई है। हालांकि डंकी के साथ जियो सिनेमा प्लेटफॉर्म को वैश्विक स्तर पर ले जाने का विचार है और टीम नेटफ्लिक्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए ऐप को दुनिया भर में उपलब्ध कराने के लिए एक इंटरफेस पर भी काम कर रही है। 155 करोड़ रुपये डंकी को मिली रकम जवान को नेटफ्लिक्स के हिंदी वर्जन के लिए मिली रकम से भी ज्यादा है। डंकी राजकुमार हिरानी फिल्म्स के साथ रेड चिलीज एंटरटेनमेंट का सहनिर्माण है। फिल्म में तापसी पन्नू और विक्की कौशल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

बडजात्या के साथ प्रेम की शादी बनाएंगे सलमान

बालीवुड एक्टर सलमान खान की अगली फिल्म राजश्री प्रोडक्शन के सूरज बड़जात्या के साथ बनने जा रही है, जिसका नाम प्रेम की शादी है। इसकी शूटिंग अगस्त माह से शुरू हो जाएगी। अब खबर आ रही है कि सलमान खान ने एक बार फिर सूरज बड़जात्या के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सलमान अब फिल्म प्रेम की शादी के लिए सूरज के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। खबर है कि सलमान को जब साल 2020 में इस फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब उनको यह बहुत पसन्द आई थी। वह लॉक-डाउन के दौरान इसे लिख रहे थे, वहीं पिछले कुछ महीने में उन्होंने इसकी प्रक्रिया को तेज कर दिया था। कहा जा रहा है कि सलमान खान ऐसी कहानियाँ पसन्द हैं, यही वजह है कि उन्होंने प्रेम की शादी के लिए तुरन्त हामी भर दी है। सूरज बड़जात्या और सलमान खान ने इंडस्ट्री में एक साथ कदम रखा था। बतौर लीड हीरो सलमान की पहली फिल्म मैंने प्यार किया, 1989 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से ही सूरज बड़जात्या ने बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही। इसके बाद दोनों 1994 में ब्लॉकस्टर फिल्म हम आपके हैं कौन! में साथ आए। फिर 1999 में हम साथ साथ हैं रिलीज हुई और इसके बाद 2015 में प्रेम रतन धन पायो रिलीज हुई थी।

पुराना वीडियो देख प्रियंका को कर रहे ट्रोल

-बॉलीवुड के डांस मूव्स पर बिफरे लोग

मुंबई (ईएमएस)। इंटरनेशनल एक्ट्रेस एक्ट्रेस प्रियंका का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद यूजर्स उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल कर रहे हैं। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा का यह वीडियो साल 2016 के एमी अवा-ॅर्ड्स का है, जिसमें एक एंकर एक्ट्रेस से इंडियन सिनेमा के बारे में कुछ सवाल करती हैं और इंडियन फिल्मों के कुछ डांस मूव्स दिखाने के लिए कहती हैं। इस पर प्रियंका कहती हैं- इंडियन फिल्मों में हिप्स और बूब्स पर फोकस होता है। इसके बाद एक्ट्रेस डांस मूव्स करके दिखाती हैं। ये वीडियो देखने के बाद यूजर्स प्रियंका को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक ने लिखा, हां वही सिनेमा, जहां तुम भी यही सब करती थीं और लोगों के आगे पीछे घूमती थीं। दूसरे ने लिखा, 2-4 हॉलीवुड फिल्में क्या कर लीं, भूल ही गई कि कौन हैं, कहां से आई हैं। अन्य एक ने कहा, इंडियन सिनेमा को इसे बैन कर देना चाहिए, फिर समझ आएगा। तो किसी ने लिखा, अच्छा है चल गई। प्रियंका चोपड़ा को हाल ही में अमेजन प्राइम की वेब सीरीज सिटाडेल में देखा गया था। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा में नजर आएंगी। बता दें कि बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक धाक जमाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। कई दफा वह खुलकर अपनी बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में आ चुकी हैं।

चंदेरी में फिर शुरू हुई "स्त्री 2" की शूटिंग, श्रद्धा कपूर ने शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की फिल्म "स्त्री" को दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है। इसके कुछ दिनों बाद "स्त्री 2" के सीक्वल की घोषणा की गई। हाल ही में श्रद्धा कपूर ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है कि "स्त्री 2" कब रिलीज होगी। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने फिल्म "स्त्री 2" का एक रोमांचक वीडियो शेयर किया है। पोस्ट का कैप्शन है, "चंदेरी शहर में एक बार फिर फैला महिला आतंक, अगस्त 2024 में आएगी वोह्ह्ह इस पोस्ट में ये भी बताया गया है कि "स्त्री 2" की शूटिंग शुरू हो चुकी है। एक्ट्रेस की पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा, "इतनी खूबसूरत एक्ट्रेस को बदनाम क्यों किया जाए?" टिप्पणियों में पूछा गया एक प्रश्न है। अन्य यूजर्स ने श्रद्धा को फिल्म के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि "स्त्री 2" का निर्देशन अमर कौशिक करेंगे। इसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव और अभिनेता पंकज त्रिपाठी मुख्य भूमिका में हैं। राजकुमार और श्रद्धा ने फिल्म "स्त्री 2" की पहली रोमांचक झलक शेयर की है और भी दर्शक उत्साहित हैं। 2018 में रिलीज हुई फिल्म "स्त्री" के पहले पार्ट में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी, कृति सेनन, विजय राज, नोरा फतेही, अभिषेक बनर्जी जैसी दमदार स्टारकास्ट थीं । इस फिल्म की कहानी, इसके गाने दर्शकों को खूब पसंद आए, तभी दर्शकों ने फिल्म "स्त्री 2" की डिमांड कर दी। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म अगले साल अगस्त में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द रेड डोर ने किया 12.93 करोड़ कलेक्शन

हॉलीवुड की मच अवेटिड फिल्म इनसिडियस द रेड डोर 6 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज की गई थी। दर्शकों द्वारा फिल्म को खूब पसंद किया जा रहा है। पहले दिन ही सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ देखने को मिली थी। फिल्म को रिलीज हुए 4 दिन हो गए हैं और फिल्म ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म ने शुरूआती हफ्ते में ही 12.93 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। जिसके बाद शनिवार और रविवार के कलेक्शन में 70% का भारी उछाल देखने को मिला। बता दें कि, यह भारत में पिछले 4 सालों में वीकेंड पर इतना कलेक्शन करने वाली पहली फिल्म बन गई है। फिल्म की कहानी की बात करें तो, जॉश और डॉल्टन यानि पैट्रिक विल्सन और टाय सिम्पिंकस की जिंदगी एक बार फिर से आत्माओं के आने से परेशानी में पड़ जाती है। दोनों मिलकर कैसे इन आत्माओं से कैसे निपटते हैं और कैसे इनको खत्म करते हैं, इसी को फिल्म में डरावने तरीके से दिखाया गया है।

नई फिल्म एसके 21 की शूटिंग कर रही साई पल्लवी

बालीवुड एक्ट्रेस साई पल्लवी अपनी नई फिल्म एसके 21 की शूटिंग कर रही हैं। एक्ट्रेस इसी बीच समय निकालकर कश्मीर की वादियों में इंजॉय करती दिखीं। एक्ट्रेस ने कुछ प्यारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में साई पल्ल्वी कश्मीर में फूलों के बीच तो कभी नदी किनारे बैठी सुकून के पल इंजॉय करती नजर आ रही हैं। साई पल्लवी की इन तस्वीरों पर फैन्स के भी खूब कमेंट आ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, वाह, इन्होंने ये तस्वीरें मेरे बर्थडे पर शेयर की हैं। एक अन्य फैन का कमेंट था, आपको ऐसी खूबसूरत जगहें कैसे मिल जाती हैं। जहां जाता हूं घोड़े नहीं सिर्फ गायें दिखती हैं। मालूम हो कि साई पल्लवी की तस्वीरों में बैकग्राउड में कुछ घोड़े भी नजर आ रहे हैं। मालूम हो कि एसके 21 को कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में साई पल्लवी के ऑपोजिट शिव कार्तिकेयन हैं, जोकि आर्मी अफसर बने हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग इस साल खत्म हो जाएगी, और यह 2024 में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म का नाम तय नहीं किया गया है। वहीं शिव कार्तिकेयन अभी अपनी फिल्म मॉवेरन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जोकि 14 जुलाई को थिएटर्स में दस्तक देगी।

इंटरनेट पर खूब वायरल काइली की लेटेस्ट फोटो

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर ने अपने लेटेस्ट लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल मचा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में काइली जेनर येलो क्रॉप टॉप में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। कैजुअल मेकअप, न्यूड लिपस्टिक और खुले बालों में एक्ट्रेस का लुक देखने ही बन रहा है। अपने होठों पर हाथ रख काइली कैमरे के सामने कातिलाना पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें काइली सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 397 मिलियन फॉलोवर्स हैं। हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। वह सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर तहलका मचाती रहती हैं।

सूडोकु नवताल- 6490

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6489 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7237

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	ट
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वान' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

कोचवान, भगवान, मूल्यवान, पकवान, यशवान, ज्ञानवान, भाग्यवान, दयावान, सागवान, पहलवान

शब्दजाल - 7236 का हल

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य
ने	बा	म	न्न	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6190

1	2		7		6	4
3	29	6	37	2	31	1
	3		1		2	
5	29	1	33		37	6
	1		5		4	
2	33	4	31	3	30	7
7	6		4		3	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6189 का हल

4	2	6	3	5	1	7
2	32	4	39	7	34	4
6	1	7	4	3	5	2
5	30	3	38	6	31	1
1	2	5	6	4	7	3
3	27	2	25	1	31	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रेयस नेट्स पर लौटे, वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद बढ़ी : एशिया कप से पहले फिटनेस टेस्ट होगा, पास हुए तो टीम में मिल सकती है जगह

बेंगलुरु।

श्रेयस अय्यर अक्टूबर से भारत में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को बेंगलुरु की नेशनल क्रिकेट एकेडमी में नेट प्रैक्टिस की। नेट्स में बैटिंग का उनका वीडियो वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अय्यर वर्ल्ड कप से पहले ही 100प्रतिशत फिट हो जाएंगे और टूर्नामेंट का हिस्सा भी बन सकते हैं। एशिया कप से पहले भी अय्यर का फिटनेस टेस्ट होगा। अगर वे इस टेस्ट को भी पास कर लेते हैं तो वह इस चैंपियनशिप में भी खेल सकते हैं। एशिया कप 31 अगस्त से शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में चोटिल हुए थे, आईपीएल नहीं खेला - श्रेयस अय्यर इसी साल में मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वह टेस्ट मैच में भारत की ओर से दूसरी पारी में बैटिंग करने भी नहीं उतरे थे। अप्रैल में अय्यर ने लंदन में पीठ की सर्जरी कराई। सर्जरी के कारण अय्यर ने आईपीएल सीजन में कोलकाता से एक भी मैच नहीं खेला और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में भी भारत का हिस्सा नहीं हो सके। वह एनसीए में फिटनेस पर काम करते रहे और वेस्टइंडीज दौरे पर भी टीम का हिस्सा नहीं बन सके।

बुमराह की आयरलैंड के खिलाफ वापसी संभव - 15 अप्रैल को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी हुई, 28 जून को उन्होंने भी नेट्स में गेंदबाजी करनी शुरू कर दी थी। वह नेट प्रैक्टिस में तब हर दिन 7 ओवर गेंदबाजी कर रहे थे। रिपोर्ट्स में कहा गया था कि वह जुलाई में कुछ प्रैक्टिस मैच भी खेलेंगे। श्रेयस अय्यर की सर्जरी 21 अप्रैल को हुई थी और अब 11 जुलाई को उनके भी नेट प्रैक्टिस करने के विजुअल्स सामने आ गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं। भारत आयरलैंड के खिलाफ 18, 21 और 23 अगस्त को 3 टी-20 खेलेगा। बुमराह अगर फिट रहे तो उन्हें 31 अगस्त से शुरू होने वाले वनडे एशिया कप का हिस्सा भी बनाया जा सकता है।

अय्यर के आने से नंबर-4 की समस्या खत्म होगी - श्रेयस अय्यर के फिट होने से भारत को नंबर-4 पर किसी और बैटर की तलाश नहीं करनी पड़ेगी। टीम इंडिया में युवराज सिंह और सुरेश रैना के बाद से इस पोजिशन पर कोई दमदार खिलाड़ी नहीं आया। यही समस्या टीम को 2015 और 2019 के वर्ल्ड कप में भी आई। अय्यर ने 2019 के बाद से ही टीम इंडिया में जगह पक्की की और नंबर-4 पर बैटिंग कर इस पोजिशन को अपना बना लिया। 2019 वनडे वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने इस पोजिशन पर 22 मैचों में 805 रन बनाए। उनसे ज्यादा रन इस पोजिशन पर कोई और भारतीय बैटर नहीं बना सका। श्रेयस अय्यर पिछले कई महीनों से बेंगलुरु में ही है। वह 4 जुलाई को भारत और कुवैत के बीच हुए एसएएफएफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का फाइनल मुकाबला देखने भी पहुंचे थे। उन्होंने बेंगलुरु के ही कंतिरवा स्टेडियम में अपने दोस्तों के साथ बैठकर फाइनल मैच देखा था। फाइनल मैच भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीता था।

न्यूज ब्रीफ

शुक्रवार को जारी हो सकता है एशिया कप का शेड्यूलः आईपीएल चेयरमैन धूमल बोले- ना टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी और न ही हमारे सचिव

नई दिल्ली । एशिया कप का शेड्यूल इसी सप्ताह शुक्रवार को जारी हो सकता है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा, टीम इंडिया पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। धूमल फिलहाल आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव मीट के लिए डरबन में हैं। उन्होंने बुधवार को पुष्टि की कि बीसीसीआई सचिव जय शाह और पीसीबी चीफ जका अशरफ ने एशिया कप शेड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को आईसीसी बोर्ड मीटिंग से पहले मुलाकात की। इस मुलाकात में एशिया कप के हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी मिली। धूमल ने कहा, बीसीसीआई सचिव ने पीसीबी चीफ जका अशरफ से मुलाकात की और एशिया कप के शेड्यूल को फाइनल कर दिया। जैसा कि पहले इस टूर्नामेंट को लेकर चर्चा की गई थी, बात उसी पर जारी है। पाकिस्तान में लीग राउंड के चार मैच होंगे, जबकि श्रीलंका में नौ मैच खेले जाएंगे। वहीं फाइनल मुकाबला श्रीलंका के दांबुला में खेला जा सकता है। इनमें भारत और पाकिस्तान के बीच दोनों मैच शामिल हैं। यदि दोनों टीमें फाइनल खेलती हैं तो यह मैच भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा। धूमल ने पाकिस्तानी मीडिया से आ रही उन खबरों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि टीम इंडिया पाकिस्तान की यात्रा करेगी, जैसा कि उनके खेल मंत्री एहसान मजारी दावा कर रहे थे। धूमल ने कहा, ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। सारी रिपोर्ट्स गलत हैं। न तो टीम इंडिया पाकिस्तान की यात्रा कर रही है और न ही हमारे सचिव वहां की यात्रा करेंगे। केवल कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। पाकिस्तान का अपने देश में एकमात्र घरेलू मैच नेपाल के खिलाफ होगा। अन्य तीन मैच अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, बांग्लादेश बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान हैं। बता दें, पिछले साल से एशिया कप के वेन्यू को लेकर विवाद चल रहा है। कई मीटिंग के बाद टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का फैसला लिया गया।

युवराज को भारत के विश्वकप जीतने का भरोसा नहीं

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि

भारतीय टीम घरेलू मैदान पर 2023 विश्व कप जीत पायेगी। इस क्रिकेटर से जब भारत के 2023 विश्व कप जीतने की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, निश्चित नहीं हूं कि वे विश्व कप जीतने जा रहे हैं या नहीं। इसका कारण ये है कि टीम मध्यक्रम में खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान है , इसके साथ ही उन्होंने टीम संयोजन पर भी सवाल उठाये। 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के हीरो रहे युवी ने कहा, टीम को विश्व कप न जीतते हुए देखना हमारे लिए निराशाजनक है पर ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि यह संयोजन ही है जो भारतीय टीम को निराश कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारे पास एक समझदार कप्तान रोहित शर्मा हैं। उन्हें अपना संयोजन सही करना चाहिए। हमें तैयार होने के लिए कुछ खेलों की आवश्यकता है। 15 में से एक टीम चुनने के लिए हमारे पास कम से कम 20 खिलाड़ियों का एक पूल होना चाहिए।

ऐशेज को लेकर ऑस्ट्रेलियाई-इंग्लैंड पीएम के बीच जंगः अल्बानीज ने दिखाया सीरीज की स्कोर-लाइन का पोस्टर; सुनक बोले- मैं सैंडपेपर अपने साथ नहीं लाया

ऑस्ट्रेलिया । लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने

ऋषि सुनक को एक पोस्टर दिखाया, जिस पर ऐशेज सीरीज की स्कोर लाइन 2 -1 लिखी हुई थी। जवाब में, ऋषि सुनक ने तीसरे टेस्ट में जीत का जश्न मनाते हुए इंग्लैंड के मार्क वुड और क्रिस वोक्स की एक तस्वीर दिखाई। इसके बाद वीडियो में हम देख सकते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज यहीं नहीं रुके। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने दूसरे टेस्ट में जॉनी बेयरस्टो के रन आउट होने की तस्वीर दिखाई। जिसे देखकर सुनक ने जवाब दिया, मुझे खेद है कि मैं अपना सैंडपेपर अपने साथ नहीं लाया। सैंडपेपर विवाद के कारण ऑस्ट्रेलिया के तीन क्रिकेटरों स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरन बैनक्राफ्ट पर बैन लगा था। यह वीडियो ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ट्वीट किया है। मौजूदा एशेज सीरीज में इंग्लैंड की टीम 2-1 से पीछे चल रही है।

2027 के बाद कम हो सकता है वनडे क्रिकेट

एमसीसी का सजेशन- द्विपक्षीय सीरीज का मतलब नहीं ; लेकिन वर्ल्ड कप जरूरी

बेंगलुरु।

2027 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद से 50 ओवर का क्रिकेट कम किया जा सकता है। मेरीलबोन क्रिकेट क्लब के 13 सदस्यों ने एक मीटिंग के बाद वनडे मैच कम करने का सजेशन दिया। मीटिंग में कहा गया कि द्विपक्षीय वनडे सीरीज का अब कोई मतलब नहीं। टीमों को सिर्फ वर्ल्ड कप से एक साल पहले ही 50 ओवर की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी चाहिए। एमसीसी क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था है। इसी की वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी के मेंबर्स ने ऐशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट खत्म होने के बाद लंदन में मीटिंग की।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ चलना जरूरी

एमसीसी मेंबर्स की मीटिंग में फैसला हुआ कि बहुत ज्यादा फ्रेंचाइजी टी-20 क्रिकेट होने से वनडे क्रिकेट का महत्त्व कम होता जा रहा है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट तो रहेगा, लेकिन इसके लिए किसी एक फॉर्मेट के मैच कम करने पड़ेंगे। टेस्ट के मैच वैसे ही कम होते हैं, ऐसे में वनडे मैच ही कम किए जा सकते हैं।

वनडे कम होने से क्वालिटी बढ़ेगी

13 सदस्यीय कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व इंग्लिश कैप्टन माइक गैटिंग ने कहा, 50 ओवर की द्विपक्षीय सीरीज कम करनी होगी, वनडे क्रिकेट कम होने से क्रिकेट की क्वालिटी बढ़ेगी। लेकिन वर्ल्ड कप शुरू होने के एक साल पहले द्विपक्षीय वनडे फिर खेलना शुरू कर सकते हैं। इससे ग्लोबल क्रिकेट कैलेंडर में बहुत जगह खाली होगी।

क्रिकेट और टी-20 लीग को साथ चलना होगा

आईसीसी के जनरल मैनेजर वसीम खान ने कहा था, 2023 से 2027 तक का फ्यूचर टूर प्रोग्राम सेट हो चुका है। इसमें कुछ बदलाव नहीं होंगे। लेकिन भविष्य में इंटरनेशनल मैच और टी-20 लीग्स को साथ में चलना ही होगा।

फ्रेंचाइजी के लिए देश का कॉन्ट्रैक्ट छोड़ रहे क्रिकेटर

भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड पिछले कुछ महीनों से फ्रेंचाइजी क्रिकेट को लेकर आईसीसी से चर्चाएं कर रहे हैं। बोर्ड का कहना है कि उनके खिलाड़ी फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट भी छोड़ने को तैयार हो रहे हैं।

इंग्लैंड के ओपनिंग बैटर जेसन रॉय ने अमेरिका की मेजर लीग खेलने के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट को बढ़ाने से मना कर दिया। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिए देश का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट ही नहीं लिया।

आईपीएल की विंडो 2 महीने की हो चुकी है। आईपीएल के साथ ही पूरे साल बाकी देशों का फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी होता रहता है। इन देशों में भी आईपीएल फ्रेंचाइजी की ही टीमें हैं, जिस कारण खिलाड़ियों को सालाना टी-20 कॉन्ट्रेक्ट देने की खबरें भी सामने आने लगी हैं। कई और खिलाड़ी इस तरह के कॉन्ट्रेक्ट के लिए अपने देश का कॉन्ट्रेक्ट को भी छोड़ सकते हैं।

चहल रणजी ट्रॉफी खेलें : हरभजन

नई दिल्ली । दिग्गज स्पिपर हरभजन सिंह ने कहा है कि युवजेंद्र चहल को रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए भेजा जाना चाहिये। हरभजन के अनुसार इससे चहल लय हासिल करने के साथ ही भारतीय टेस्ट टीम के बेहतर स्पिनर बनकर उभरेंगे। भारतीय टीम अभी स्पिनर के तौर पर अनुभवी आर अश्विन और रविंद्र जडेजा पर ही निर्भर है। अश्विन अब 37 और जडेजा 35 साल के है। ऐसे में टीम को भविष्य को देखते हुए युवा गेंदबाजों को तैयार करना होगा। हरभजन से कहा, 'मुझे लगता है इसके लिए आपको घरेलू क्रिकेट का रुख करना होगा। उन्होंने कहा, 'स्पिनर जयंत यादव ने भी घरेलू क्रिकेट के कारण ही हाल में अच्छी गेंदबाजी की है पर आपको उन पर विश्वास दिखाना होगा।' हरभजन ने कहा, ' मैं युवा अक्षर पटेल को अधिक से अधिक देखना चाहता हूं क्योंकि वह लगातार सुधार कर रहे हैं। वह जडेजा की जगह लेने जा रहे हैं। अक्षर हालांकि जडेजा की तुलना में ज्यादा युवा नहीं हैं।' वही उन्होंने टेस्ट पदार्पण पर पांच विकेट लेने वाले कुलदीप यादव को टीम में जगह नहीं देने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ' कुलदीप एक और स्पिनर है, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में पांच विकेट लिए थे, तो हमने सुना था कि वह भारत के लिए विदेश में खेलेंगे। लेकिन, उसके बाद वह कभी भी विदेश में नहीं खेले। हो सकता है कि उसे पांच विकेट लेने की सजा दी गयी हो।

तूर की मदद से एशियाई चैंपियनशिप में मंगलमय प्रदर्शन की आस, याराजी दिला सकती हैं स्वर्ण

54 सदस्यीय भारतीय दल एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग ले रहा है

बैंकॉक ।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत की उम्मीदों का दारोमदार गोलाफेंक एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर और लंबी कूद के एथलीट मुरलीश्रीशंकर पर होगा। पांच दिवसीय प्रतियोगिता बुधवार से बैंकॉक में शुरू हो रही है। मेजबान थाईलैंड के अलावा भारत, हांगकांग, चीन, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया, फिलिपीन और सिंगापुर के एथलीट भाग लेंगे। महिला वर्ग में 100 मीटर बाधा दौड़ में ज्योति याराजी पहली बार इस प्रतियोगिता में उतरेंगी। वह एशियाई रिकॉर्डधारी हैं। उन्होंने 12.84 सेकंड का समय निकाला था। वह इस सत्र में कई बार 13 सेकंड से कम का समय निकालने में सफल रहीं। वह 200 मीटर में भी भाग लेंगी। लंबी कूद के खिलाड़ी जेस्विन एल्ड्रिन, तिहरी कूद के प्रवीण चित्रवाल और भालाफेंक के रोहित यादव चोट के कारण प्रतियोगिता से हट गए हैं। एल्ड्रिन की अनुपस्थिति में मुरली श्रीशंकर से बड़ी उम्मीद होंगी। पिछले महीने उन्होंने 8.81 मीटर का प्रदर्शन किया था। वह लंबी कूद में स्वर्ण की दावेदारी में है। उनका मनोबल भी ऊंचा होगा क्योंकि उन्होंने प्रतिष्ठित डायमंड लीग के पेरिस चरण में तीसरा स्थान हासिल किया था। तेजिंदर पाल सिंह तूर ने राष्ट्रीय अंतर राज्य चैंपियनशिप में 21.77 के साथ अच्छा प्रदर्शन किया था। भारत के मुख्य कोच राधकृष्ण नायर ने कहा कि तूर स्वर्ण पदक के बड़े दावेदार हैं। पिछली बार 2019 में दोहा में हुई चैंपियनशिप में उन्होंने 20.22 मीटर के साथ स्वर्णिम सफलता हासिल की थी। खुद तूर का कहना है कि मुझे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। रोहित के हटने के बावजूद भालाफेंक में डीपी मनु से पदक की उम्मीद है जिन्होंने इस साल 84.33 का प्रदर्शन किया। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। वह अगस्त में बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में जुटे हैं। पुरुष वर्ग में 400 मीटर के राष्ट्रीय चैंपियन मुहम्मद अनस याहिया भी भाग नहीं ले रहे हैं। हालांकि भारत को प्रतियोगिता से पहले शॉटपुटर करणवीर सिंह के डोप टेस्ट में विफल होने से झटका लगा। इसके अलावा राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 400 मीटर का स्वर्ण जीतने वालीं अंजलि देवी भी डोप टेस्ट में विफल रहीं।

हिमा दास टोपस से हुईं बाहर, जेरेमी को रखा बरकरार, मिशन ओलंपिक सेल ने लिया फैसला

नई दिल्ली ।

पांच साल पहले विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर हिमा दास जिस तेजी से उभरी थीं, उसी तेजी से वह एथलेटिक ट्रैक से गायब भी हो गई हैं। एशियाई खेलों की टीम से बाहर होने के बाद हिमा को मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) से बाहर कर दिया है। वहीं, इलाज के लिए अमेरिका जाने से मना करने पर राष्ट्रीय शिविरसे बाहर किए गए वेटलिफ्टर जेरेमी लालरिनुनगा को टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में फिल्हाल बरकरार रखा गया है। उनके मामले को सब कमेटी के पास भेजा गया है। जेरमी पेरिस ओलंपिक में खेलने की दौड़ से बाहर हो चुके हैं।

इस साल ट्रैक पर कम नजर आई हैं हिमा

हिमा दास इस साल एथलेटिक ट्रैक पर कम ही नजर आई हैं। बीते दिनों एशियाई खेलों की क्वालिफाइंग इवेंट भुवनेश्वर में हुई अंतरराज्यीय एथलेटिक मीट में भी वह नहीं उतरीं। उसी दौरान मुख्य प्रशिक्षक राधाकृष्णन नायर ने घोषणा की कि हिमा चोटिल हैं और इस मीट में नहीं खेलेंगी। वह 23 सितंबर से हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों की टीम का भी हिस्सा नहीं होंगी।

हिमा के प्रदर्शन का उठा मुद्दा

सूत्रों के मुताबिक एमओसी की बैठक में हिमा के प्रदर्शन का मुद्दा उठा। उन्होंने हाल-फिल्हाल ऐसा कुछ भी नहीं किया है, जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक की दौड़ में शामिल माना जाए। इसी को आधार बनाकर उन्हें टॉप्स से बाहर किया गया। हिमा ने जब अपने करियर की शुरुआत की थी तो उन्होंने 400 मीटर में अपना दबदबा बनाया था।

जकार्ता एशियाई खेलों में उन्होंने 400 मीटर में रजत और चार गुणा चार सौ मीटर रिले में स्वर्ण भी जीता, लेकिन अचानक उन्होंने चोट का हवाला देकर 400 मीटर से विदा ले ली। वह 100 और 200 मीटर में भागने लगीं, लेकिन वह इसमें भी नियमित रूप से नहीं दौड़ रही हैं। वह बीते वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों में दौड़ी थीं, लेकिन 200 मीटर के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थीं।

वर्ल्ड नंबर-2 जोकोविच 12वीं बार विम्बलडन के सेमीफाइनल में : स्वियातेक-पेगुला उलटफेर की शिकार, स्वितोलिना-वोंड्रोयूसोवा भी टॉप-4 में; बोपन्ना जोड़ीदार के साथ जीते

लंदन।

वर्ल्ड नंबर-2 नोवाक जोकोविच ने 12वीं बार दुनिया के सबसे पुराने टेनिस टूर्नामेंट विम्बलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि टॉप सीड इगा स्वियातेक और चौथी सीड जेसिका पेगुला उलटफेर की शिकार हो गई हैं, वहीं भारतीय स्टार रोहन बोपन्ना ने अपने जोड़ीदार के साथ डबल्स कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

सर्बिया के दूसरी सीड खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 7वीं सीड आंद्रेई रूबलेव को 4-6, 6-1, 6-4, 6-3 से हराया। लेडीज सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में पोलैंड की स्वियातेक को यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने 7-5, 6-7, 6-2 से और अमेरिका की पेगुला को चेक गणराज्य की मार्केटा वोंड्रोयूसोवा ने 6-4, 2-6, 6-4 से हराया।

सिनर भी जेंटलमैन कैटेगरी के टॉप-4 में

8वीं सीड इटैलियन स्टार जैनिक सिनर ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 3-6, 6-2, 6-2 से हराते हुए टॉप-4 में प्रवेश किया। उनका सामना नोवाक जोकोविच से होगा। सिनर-

जोकोविच के अलावा, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज, नंबर-3 डेनियल मेदवेदेव सहित 7 वरीय खिलाड़ियों ने टॉप-8 में जगह बनाई है। लाइनअप में अमेरिका के क्रिस्टोफर युबैंक्स इकलौत गैर वरीय खिलाड़ी हैं। लाइनअप में अल्कारेज का मुकाबला डेनमार्क के छठी सीड स्टार होल्गर रूने से होगा, जबकि एटीपी के बैनर तले उतरे तीसरी सीड मेदवेदेव का सामना अमेरिका के क्रिस्टोफ़र युबैंक्स से होगा।

बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने पेल-स्टैल्डर को हराया

भारतीय स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन की छठीं सीड जोड़ी ने नीदरलैंड के डेविड पेल और अमेरिका के रीस स्टैल्डर की जोड़ी को 7-5, 4-6, 7-6 (10-5) से हराया।

संघर्षपूर्ण रहे लेडीज कैटेगरी के दोनों क्वार्टर फाइनल

लेडीज सिंगल्स के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले संघर्षपूर्ण रहे। पहले मुकाबले में टॉप सीड इगा स्वियातेक पहला ही सेट हार गईं। उन्होंने टाई ब्रेकर तक गए दूसरे सेट को जीतकर मैच में वापसी की दमदार कोशिश की, लेकिन तीसरा और निर्णायक सेट गवां बैठीं। पहली बार इस टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल खेल रही स्वियातेक ने पहला सेट 5-7 से गंवाया, उसके बाद दूसरे सेट को टाई ब्रेकर में 7-6 (7-5) की जीत हासिल की। तब ऐसा लगा कि वर्ल्ड नंबर-1 स्वियातेक निर्णायक सेट जीत लेगीं, लेकिन यूक्रेन की स्वितोलिना ने आखिरी सेट 6-2 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में वोंड्रोयूसोवा ने पहले सेट में 6-4 की जीत से शुरुआत की, लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतते हुए मुकाबला रोमांचक बना दिया।

बृजभूषण की महिला पत्रकार से बदसलूकी

सवाल पूछने पर जबरन गाड़ी का दरवाजा बंद किया, माइक नीचे गिरा

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण ने मंगलवार को एक महिला पत्रकार का माइक तोड़ दिया। महिला पत्रकार ने दिल्ली एयरपोर्ट पर बृजभूषण से सवाल पूछने शुरू किए। बृजभूषण ने किसी भी सवाल का सही ढंग से जवाब नहीं दिया। गाड़ी में बैठते वक्त बृजभूषण ने जबरन दरवाजा बंद कर दिया। उस वक्त महिला पत्रकार का हाथ व माइक अंदर की तरफ था। जिससे माइक नीचे गिर गया और बृजभूषण के सुरक्षाकर्मी ने जबरन महिला पत्रकार का हाथ बाहर झटक दिया।

वहीं बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। दिल्ली पुलिस ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि 6 रेसलर्स की शिकायतों की अब तक की जांच के आधार पर पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर केस चलाया जा सकता है। यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने जैसे अपराधों के लिए सिंह, केस चलाए जाने और सजा के हकदार हैं। बृजभूषण के खिलाफ कुल 17 गवाहों ने छेड़छाड़ की पुष्टि की है। इनमें 5 गवाह पहलवानों के पति या परिवार के लोग हैं।

मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, 13 जून की चार्जशीट में सेक्शन 506 (आपराधिक धमकी), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना), 354 ए (यौन उत्पीड़न) और 354 डी (पीछा करना) लगाते हुए यह भी कहा गया है कि एक मामले में बृजभूषण की ओर से उत्पीड़न लगातार जारी था।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण और सेक्रेटरी विनोद तोमर को 18 जुलाई को कोर्ट में तलब किया है। इस पर बृजभूषण ने कहा कि वह कोर्ट के सामने पेश होंगे। उन्हें कोर्ट में पेश होने से कोई छूट नहीं चाहिए।

महिला पत्रकार के सवाल और बृजभूषण के जवाब

पत्रकार: सिंह जी क्या कहना चाहेंगे

बृजभूषण: मेरे पास कोई समाचार नहीं है।

पत्रकार: आपके खिलाफ चार्जशीट दायर हो गई है। चार्जशीट में कई चीजें सामने आ रही हैं।

बृजभूषण: मेरे पास आपके लिए बोलने के लिए कुछ नहीं है।

पत्रकार: चार्जशीट में लिखा, कार्रवाई की जानी चाहिए, आप सजा के हकदार हैं

बृजभूषण: मेरे पास आपके लिए कुछ मसाला नहीं है।

पत्रकार: प्रियंका गांधी कह रही हैं कि पार्टी आपको निष्कासित क्यों नहीं कर रही है

बृजभूषण: कोर्ट में चलिए.. कोर्ट में।

पत्रकार: आप अब इस्तीफा देंगे

बृजभूषण: क्यों दें इस्तीफा

पत्रकार: इस्तीफा नहीं देंगे

बृजभूषण: (भड़कते हुए) क्यों दें इस्तीफा, इस्तीफा किस बात की मांग रहीं आप।

पत्रकार: 6 महिला पहलवानों ने आपके खिलाफ...

बृजभूषण: (गुस्से में) चुप..(इसके बाद बृजभूषण गुस्से में अपनी गाड़ी की तरफ चले गए)

5 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश की थी चार्जशीट - बता दें कि दिल्ली पुलिस ने 15 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। आरोपियों में बृजभूषण के अलावा असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है। चार्जशीट में पहलवानों के मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को अहम आधार माना गया है। बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं यौन शोषण की कथित जगह पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए हैं।

रास्ता रोकने या पीछा करने का केस 2012 का - दिल्ली पुलिस के दायर की गई चार्जशीट के मुताबिक बृजभूषण पर जो रास्ता रोकने या पीछा करने का केस है, वह 2012 का है। इसमें शिकायत करने वाली महिला पहलवान ने बताया था कि बृजभूषण ने एक टूर्नामेंट के दौरान उसकी मां से बात की और उसे अपने कमरे में बुलाकर कस कर गले लगाया। जब महिला पहलवान घर लौटी तो अलग-अलग बहाने से कई बार उसकी मां के नंबर पर फोन करना शुरू कर दिया। उसने यह भी दावा किया कि बृजभषण की कॉल से बचने के लिए उसे अपना फोन नंबर तक बदलना पड़ा। हालांकि, इन आरोपों को साबित करने के मामले में कोई टेक्निकल एविडेंस नहीं मिले हैं। बालिग पहलवानों के केस में पुलिस ने पहलवानों के की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है।

संकेतों को भाषा में बदल देगा ये आर्म बैंड

विज्ञान ने हर क्षेत्र में काफी तरक्की कर ली है। बोल नहीं सकने वालों के लिए संकेतों की भाषा है लेकिन इसे हर कोई नहीं समझ पाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए शोधकर्ताओं ने बांह में पहना जा सकने वाला आर्म बैंड बनाया है जो हाथों की हलचल और संकेतों को भाषा में बदल देगा। इससे दुनिया के 7 करोड़ मूक लोगों को काफी सहायता मिलेगी। इस आर्म बैंड में कई सेंसर लगे हैं। जो हाथों के संकेत को साफ्टवेयर में भेजते हैं। वहां पहले से शब्द होते हैं जो संकेतों को ब्लूटूथ के मार्फत शब्दों में बदल देते हैं और इसे फोन या कम्प्यूटर में भेज देता है। बैंड में इलेक्ट्रोमायोग्राफ लगा है जो मांसपेशियों की कोशिकाओं में हलचल होने पर उन्हें इलेक्ट्रिक संकेतों में बदल देता है। जो सेंसर कैच कर आगे प्रेषित कर देता है। प्रोफेसर रोजबेह ने कहा कि हम मांसपेशियों की हरकत को भुजा के मार्फत पकड़ते हैं और इसे डिकोड कर लेते हैं। इनमें से कुछ अंगुलियों के मार्फत आते हैं। पहली बार में यह पूरी तरह सही नहीं होता।

आलू के शौकीनों को है इस चीज का खतरा

आलू या फ्रेंच फ्राइज खाना से हाई ब्लडप्रेशर का खतरा झेलना पड़ सकता है। एक शोध में यह चेतावनी दी गई है। दुनिया में सबसे ज्यादा खाए जाने वाले आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है। जिन प्रतिभागियों ने उबले हुए, बेक्ड या मसले हुए आलूओं की सप्ताह में चार या इससे ज्यादा सर्विंग का सेवन किया उनके रक्तचाप से पीड़ित होने का खतरा 11 प्रतिशत बढ़ गया।

बदलें भोजन का स्वाद आएगी अच्छी नींद

क्या आप जानते हैं कि जो खाना आप स्वाद लेकर खाते हैं, वह रात में आपकी अच्छी या खराब नींद का कारण बन सकता है? आपको यह सुनने में अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यही है कि हमें जिस रात अच्छी नींद आती है, उसकी अगली सुबह हम ताजगी का अद्भुत एहसास करते हैं। इसलिए कई अध्ययन यह खुलासा करते हैं कि अच्छी नींद हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कौन से भोजन अच्छी नींद लाने में हमारी मदद करते हैं।

ओटमील

अधिकतर लोग ओट्स को सुबह के नाश्ते के लिए सही मानते हैं, लेकिन यह शाम के समय भी बहुत अच्छा काम करता है। इसमें व्याप्त कार्बोहाइड्रेट शरीर में सेरोटोनिन का स्राव करता है। सेरोटोनिन एक फील गुड हार्मोन है, जो तनाव को कम करता है और आपके दिमाग को शांति की स्थिति में ले जाता है। ओटमील कार्बोहाइड्रेट युक्त होता है, इसलिए यह आपके रक्त के स्तर को बढ़ाता है, जिससे आपके शरीर में इंसुलिन का निर्माण बढ़ता है और नींद लाने वाले मस्तिष्क के रसायन का स्राव होता है। आधे सेब को अपने ओटमील में डालें, साथ में दालचीनी भी जरूर डालें। स्किम्ड दूध के साथ इसे खाएं और सुखद नींद पाएं।

अंगूर

अच्छी नींद पाने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले आप अंगूर भी खा सकते हैं। अंगूर ही वह एकमात्र फल है, जिसमें नींद लाने वाले हार्मोन मेलाटोनिन होते हैं। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में नियमित तौर पर शामिल करने से आप प्राकृतिक तौर पर अपने शरीर में सोने और जागने के चक्र को बेहतर करने में मदद पा सकते हैं। एक छोटी कटोरी में दही के साथ कुछ अंगूर खाने से आपको अतिरिक्त कैल्शियम भी मिलता है और यह बेहतरीन डिनर स्नैक्स भी बनता है।

चीज

लोग ऐसा नहीं मानते, लेकिन सच तो यह है कि चीज अच्छी नींद के लिए काफी फायदेमंद है। इसे लेने का सही तरीका यह है कि आप इसका इस्तेमाल ज्यादा न करें और बिस्तर पर जाने से कम से कम दो घंटे पहले ही इसका सेवन करें, ताकि पाचन तंत्र में दिक्कत न आए।

मेवे

कई अध्ययन बताते हैं कि बादाम में ट्राइप्टोफैन की उच्च मात्रा होती है, जो नींद लाने वाला रसायन एमिनो एसिड है। यह एमिनो एसिड सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के निर्माण में मददगार है। अखरोट भी ट्राइप्टोफैन का बेहतरीन स्रोत है और इसमें भी मेलाटोनिन होता है। पिस्ते में विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो सेराटोनिन और मेलाटोनिन के निर्माण में सहायक है।

मछली

अधिकतर मछली में खासकर सामन और टूना में विटामिन बी6 होता है, जो मेलाटोनिन के बनने के लिए जरूरी है। मेलाटोनिन नींद को बढ़ाने वाला एक हार्मोन है, जो अंधेरे में बढ़ जाता है। यह एक व्यक्ति को अच्छी नींद में लाने के लिए जिम्मेदार है।

आलू

कार्बोहाइड्रेट प्राकृतिक नींद में सहायक है, क्योंकि यह पैंक्रियाज को उत्तेजित करके इंसुलिन का स्राव करता है। जब ऐसा होता है तो कुछ एमिनो एसिड ट्राइप्टोफैन के साथ मिल कर रक्त को छोड़ देते हैं और मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे रक्त में ट्राइप्टोफैन का स्तर बढ़ता है। इससे सेरोटोनिन का स्तर बढ़ जाता है। आलू, पास्ता, ब्रेड कार्बोहाइड्रेट के अच्छे स्रोत हैं।

प्राकृतिक तरीकों से पाएं सफेद बालों से निजात

बालों का 40 साल की उम्र के बाद सफेद होना स्वाभाविक है, लेकिन अगर 20 या 30 साल में ही ये सफेद होने लगें तो चिंताजनक है। आम तौर पर ऐसा तब होता है, जब शरीर में बालों को काला रखने के लिए जिम्मेदार तत्व मेलनिन का उत्पादन कम हो जाता है। पोषण की कमी और आनुवंशिक कारणों के चलते भी कई बार ऐसा होता है। लेकिन तंबाकू का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान और भावनात्मक तनाव भी इसका कारण हो सकता है। आइए आपको सफेद बालों की समस्या से निजात पाने के कुछ घरेलू उपचार बताते हैं।

आंवला

यह प्राकृतिक एसिट्रजेंट है, जो बालों का प्राकृतिक काला रंग बनाए रखने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका- आंवले को मसल कर उसकी गुठली निकाल दें। अब इसका पेस्ट बनाएं और सिर पर लगा लें। इसके बाद इससे बालों की जड़ों पर मालिश करें।

नारियल तेल और नीबू रस

यह सिर की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाता है। इस तेल में बायोटीन, नमी और दूसरे तत्व होते हैं, जो बालों को सफेद होने से रोकते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं।

इस्तेमाल का तरीका- इसमें दो भाग नारियल का तेल और एक भाग नीबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण से सिर और बालों की मालिश करें।

करी पत्ता

यह बालों की जड़ों की मजबूती बढ़ाता है और बालों को जरूरी पोषक तत्व देता है।

इस्तेमाल का तरीका- करी पत्ते को नारियल के तेल में डाल कर चटखने तक गर्म करें। इसके बाद इसे छान लें और इससे बालों की मालिश करें। करीब 30-45 मिनट बाद सिर धो लें। यह प्रक्रिया हफ्ते में दो बार अपनाएं।

चाय या कॉफी

ये बालों का प्राकृतिक रंग बनाए रखने में मदद करते हैं।

इस्तेमाल का तरीका- पानी में चाय की पत्ती या कॉफी पाउडर डाल कर उसे 10 मिनट तक उबालें। बालों का रंग काला बनाए रखने के लिए चाय की पत्ती का प्रयोग कर लें और भूरा बनाए रखने के लिए कॉफी पाउडर का प्रयोग करें।

काला तिल

यह भी सफेद बालों को काला बनाने में काफी मददगार है।

इस्तेमाल का तरीका- हर रोज खाली पेट कच्चे तिल के बीजों को पानी के साथ खाना फायदेमंद होगा।

काला गुड़

यह भी बालों को सफेद होने से बचाता है। इसमें भरपूर मात्रा में तांबा होता है, जो हेयर पिगमेंट के निर्माण में सहायक होता है।

इस्तेमाल का तरीका- रोज सुबह एक चम्मच काला गुड़ खाएं। कुछ महीनों तक लगातार ऐसा करने पर सकारात्मक नतीजे मिलेंगे।

प्याज का पेस्ट

इससे बालों को पोषण मिलता है।

इस्तेमाल का तरीका- बालों पर प्याज का पेस्ट लगा लें। इसे एक घंटे बाद धो डालें। ऐसा करने से भी सफेद बाल काले हो जाएंगे।

मेहंदी और तेजपत्ता

ये दोनों ही वनस्पतियां बालों के रंग को गहरा करती हैं।

इस्तेमाल का तरीका- आधा कप सूखी मेहंदी और तेजपत्ते में दो कप पानी मिला कर उबालें। इस मिश्रण को कुछ देर तक रखा रहने दें। अब इसे छान लें और बालों को शैंपू से धोने के बाद उन पर इसे अच्छी तरह लगा दें। 15-20 मिनट के बाद दोबारा बाल धो लें। हर हफ्ते ऐसा करें।

चौलाई

यह भी बालों का काला रंग वापस लाने में मदद करती है और साथ ही बालों के विकास में भी मदद करती है।

इस्तेमाल का तरीका- चौलाई की पत्तियों को पीस लें और इसका पेस्ट अपने सिर पर लगा लें।

शिकाकाई

यह भी समय से पहले बाल को सफेद होने से रोकती है।

इस्तेमाल का तरीका- इसे लगाने से एक रात पहले पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को उबाल लें और इससे बाल धोएं। ऐसा नियमित रूप से करने पर बाल सफेद होने की समस्या से निजात मिलती है।

लूफा से नहाना खतरनाक...

लूफा का प्रयोग नहाते वक्त शरीर से डेड स्किन और गंदगी को साफ करने के लिए किया जाता है। इसे शॉवर जैल के साथ प्रयोग करते हैं। अगर आप रोजाना नहाते वक्त लूफा का प्रयोग करते हैं तो इससे आपकी त्वचा पॉलिश होती है और स्किन ग्लो भी करती है। पर एक्सपर्ट्स की बात माने तो लूफा त्वचा के लिए अच्छा नहीं होता।

त्वचा को फाड़ देते हैं

लूफा प्लास्टिक या फाइबर का बना होता है, जिसे त्वचा पर ज्यादा रगड़ने से संवेदनशील त्वचा फट भी सकती है। हफ्ते में एक दिन लूफा को ब्लीचिंग पावडर और पानी डाल कर ब्लीच करें।

लूफा अगर प्रयोग करने के बाद गीला ही छोड़ दिया जाए तो उसमें बैक्टीरिया और रोगाणु पनपने लगते हैं। अगर ऐसे में रोजाना लूफा का प्रयोग किया जाए तो शरीर पर संक्रमण होने का खतरा रहता है। संवेदनशील त्वचा वालों को लूफा का बहुत ही कम प्रयोग या फिर बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इसका मटीरियल अच्छा न होने की वजह से उन्हें घाव या रैश हो सकते हैं। अगर आप भी रोजाना लूफा का प्रयोग करते हैं तो उसे हर यूज के बाद सुखाना न भूलें।

सूक्ष्मजीवों का घर

स्टडी में पाया गया है कि लूफा के अंदर दो प्रकार के सूक्ष्मजीव बसते हैं जो कि त्वचा को दाद संक्रमण और यीस्ट संक्रमण दे सकते हैं। इससे मुंह के आस पास रैश भी हो सकते हैं। इसके अंदर कुछ प्रकार के बैक्टीरिया या रोगाणु होते हैं जिन्हें नमी काफी पंसद आती है। जब ये रोगाणु शरीर के खुले घाव को पाते हैं तो ये उस पर सीधा अटैक कर के उसमें सूजन और पस भर देते हैं।

कहां रखें इसे

कई लोग लूफा को नमी भरी जगह या गीले स्थान पर रखते हैं, जिससे इसमें रोगाणु पनपने लगते हैं। आपको इसे सूखे स्थान पर रखना चाहिए जिससे यह आगे के यूज के दौरान सूखा मिले। लूफा यूज कर लेने के बाद इसे तेजी से झटक कर इसमें मौजूद अत्यधिक पानी को निकाल दें, जिससे यह झट से सूख जाए। फिर इसे किसी जगह पर लटका कर सुखा लें। अगर लूफा सिंथेटिक का बना हुआ है तो आप उसे गीले होने पर माइक्रोवेव मे 20 सेकेंड के लिए रख कर सुखा सकते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लूफा को हर महीने बदलना चाहिए जिससे त्वचा पर कोई इन्फेक्शन न हो।

स्किन इन्फेक्शन

लूफा को यूज करने से कभी कभार त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं जो बाद में पीले रंग के पस से भर जाते हैं। यह स्किन इन्फेक्शन घातक होते हैं क्योंकि अगर लूफा शेयर किया गया तो यह दूसरे इंसान तक भी पहुंच जाते हैं।

रेसिपी

मोर कुज़ाम्बू

सामग्री

1/2 कप ताज़ा कसा हुआ नारियल, 1/4 टी-स्पून ज़ीरा,1 टी-स्पून चावल,2 हरी मिर्च, 1/4 कप पानी, 2 1/2 कप खट्टी छाछ, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 कप लौकी/ कद्दू, 1 टेबल-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून मेथी दानें, 4 से 5 कड़ी पत्ता, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

छाछ, थोड़ा नमक और हल्दी पाउडर को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें और एक तरफ रख दें। लौकी, थोड़े नमक और 2 कप पानी को एक गहरे पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, लौकी के पक जाने तक धीमी आंच पर उबाल लें (लगभग 10 से 12 मिनट के लिए)। तैयार पेस्ट और छाछ का मिश्रण डालकर हल्के हाथों मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धीमी आच पर 5 मिनट के लिए उबाल लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। छौंक के लिए, एक छोटे पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, मेथी दानें और कड़ी पत्ता डालकर मध्यम आँच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। इस छौंक को कुज़ाम्बू पर डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हरे मटर की पूरी

सामग्री

आटे के लिए: 2 1/4 कप मैदा,1 टेबल-स्पून दही, 1/2 टी-स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 टेबल-स्पून घी, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक सवादअनुसार, 1/2 टी-स्पून मैदा, मैदा , तेल

विधि

आटे के लिए: आटे को अच्छी तरह छान लें। सभी सामग्री डालकर, ज़रुरत हो उतने गुनगुना पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को कम से कम 6 से 7 मिनट तक गूँथे, गीले सूती कपड़े से ढ़ककर कम से कम 1 घंटे तक रखें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुनें। हरे मटर, नींबू का रस और नमक डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक भुन लें। मैदा छिड़कर दुबारा 2 से 3 मिनट तक पका लें, जब तक मिश्रण सूखा ना बन जाये। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** आटे को 18 बराबर भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर 75 मिमी (3) व्यास के गोल आकार में बेल लें। गोले के बीच 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण रखें। सभी किनारों को बीच में लाकर अच्छी तरह बंद कर लें। थोड़े सूखे मैदा का प्रयोग कर दुबारा 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। विधी क्रमांक 2 से 5 को दोहराकर 17 और पूरी बनाएं। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कर पूरी के दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकाल लें। तुरंत परोसें।

पूजा-पाठ करते समय ध्यान रहे ये बातें

कई लोगों की आदत होती है जिस पर विश्वास करेंगे, आंखें मूंद कर करेंगे और जिस पर विश्वास न हो, उसका अपमान करेंगे। भगवान और भक्ति के मामले भी कुछ लोगों का नजरिया ऐसा ही होता है। जिस भगवान को मानते हैं, उसे सबकुछ मानेंगे, लेकिन दूसरे देवी-देवताओं को वे अविश्वास की नजर से देखते हैं। आप जिसे मानते हैं, पूजते हैं, उसे पूजें, लेकिन दूसरे देवी-देवताओं को भी नजरअंदाज न करें। किसी एक पर विश्वास करने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे में अविश्वास करें या उनका अपमान करें। विश्वास करने का अथज़ है सबका सम्मान करें। तुलसीदासजी ने हनुमानचालीसा की 35वीं चौपाई में समझाया है कि विश्वास का क्या अर्थ है

और देवता चित्त न धरई। हनुमत सेइ सब्र सुख करई।।

इस चौपाई का अथज़ यह है कि- हे हनुमानजी, आपकी इस महिमा को जान लेने के बाद लोग अन्य देवताओं को अपने चित्त (मन या हृदय) में स्थान नहीं देंगे। केवल आपकी ही सेवा में सारे सुख मिल जाएंगे। 'और देवता' कहने का एक अन्य अथज़ भी है। 'और अधिक' देवताओं को चित्त में न रखें। जो भी आपके इष्ट हों, उन्हें बनाए रखें, लेकिन दूसरों के इष्ट की आलोचना भी न करें।

इसका दूसरा अथज़ यह भी है कि यदि हनुमानजी को आप पूजेंगे, तो अन्य देवता आपको परेशान नहीं करेंगे। जैसे होता है कि कभी हम सोचते हैं शनि महाराज नाराज हो जाएंगे। तो तुलसीदासजी यह आश्वासन दे रहे हैं कि चिंता न की जाए। जिन्हें ज्योतिष में विश्वास है, वे ग्रहों के रूप में शनि को अत्यधिक अशुभ मानते हैं। यदि किसी व्यक्ति की राशि में शनि का प्रवेश हो, तो हर संभव प्रयास किया जाता है कि इस ग्रह के कोप से बचा जाए। एक बार गवज़ में डूबे सूयज़ पुत्र शनि ने श्रीराम की भक्ति में लीन हनुमानजी को बाधा पहुंचाई। हनुमानजी ने शनिदेव को समझाया कि वे ध्यान कर रहे हैं, परेशान न करें। किन्तु, शनिदेव ने उन्हें बलपूवज़क युद्ध के लिए ललकारा।

तब हनुमानजी ने अपनी पूंछ से शनिदेव को लपेटा और चारों ओर घुमाते हुए चट्टानों पर पटक-पटक कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद शनिदेव ने अपनी मुक्ति के लिए हनुमानजी को यह वचन दिया कि 'मैं कभी आपके भक्तों को परेशान नहीं करूंगा।' अपने घावों से परेशान होकर शनिदेव तेल-तेल का विलाप करने लगे। इसीलिए उन्हें तेल चढ़ाकर प्रसन्न किया जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**